

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

स ● .12] No. 12] न**ई बिल्ली, शनिवार,** मार्च 23, 1985/श्रेल 2, 1907

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 23, 1985/CHAITRA 2, 1907

इस भाग में भिम्म पृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अक्षम संकलन के रूप में रखा जा सकें Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II-सण्ड ३--उप-रूप्ड (है) PART II-Section 3-Sub-section (II)

(रक्षा मंद्रालय को छोड़ कर) मारत सरकार के मंद्रालयों द्वारा असे किये गये लांविधिक आदेश और आधस्वनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

कार्मिक और प्रशासनिक सधार विभाग

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1985

सरकार, दिल्ली विशेष का.आ. ।198---- केन्द्रीय पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न-सिखित अपराधों को उन अपराधों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिनका अन्वेषण दिल्ली विष्ठोष पुलिस स्थापन द्वारा किएा जाएगा, अर्थात् :---

- (क) भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की भारा 292 के अधीन दण्डनीय अपराध;
- (ख) ऊपर उल्लिखित अपराध और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किया गया कोई अन्य अपराध, या उनके संबंध में या उनसे संसक्त कोई प्रयत्न, दुष्प्रेरण और षडयंस्र ।

[संख्या 228/8/85-ए.वी.डी. (II)]

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-· TIVE REFORMS

New Delhi, the 8th March, 1985

S.O. 1198 -In exercise of the powers conferred by section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offences as offences which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely:-

- (a) Offence punishable under section 292 of Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860).
- (b) Attempts, abetments and-conspiracies in relation to or in connection with the offence mentioned above, and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/8/85-AVD.II]

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1985

आदेश

का.आ. 1199.-केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान सरकार की सहमति से भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 4.5) की धारा 147, 149, 307, 427 के अधी**न दंडनीय** अपराधों के और उक्त अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड़यंत्रों के तथा मुख्यमंत्री, राजस्थान, के हैलीकोप्टर के अभिकथित नुकसान के वारे में पुलिस थाना, डीग, जिला भरतपुर, में मामला सं. 35/85, तारीख 20 फरवरी, 1985 के संबंध में वैसे ही सथ्यों से उद्भूत जैसे ही संब्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण संपूर्ण राजस्थान राज्य पर करती है।

[संख्या 228/6/85-ए वी जी-II-I]

New Delhi, the 13th March, 1985 ORDERS

S.O. 1199.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government of Rajasthan hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Rajasthan for the investigation of offences punishable under sections 147, 149, 307, 427 of the Indian Penal Code 1860 (45 of 1860), and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to case No. 35/85, dated the 20th February 1985 registered at Police Station Deeg, District Bharatpur about the alleged damaging the Helicopter of the Chief Minister, Rajasthan.

[No. 228/6/85-AVD-II—I]

का. ग्रा. 1200. — केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिवतयों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान सरकार की सहमति से भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की घारा 147, 149, 307, 427 के अधीन दंडनीय अपराधों के और उक्त अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दृष्प्रेरणों और षड्यंद्रों के तथा उस मंच. जहां से मुख्य मंत्री, राजस्थान, को सार्वजनिक सभा को संबोधित करना था, के अभिकथित नुकसान के संबंध में, पुलिस थाना, डीग, जिला भरतपुर (राजस्थान) में रजिस्ट्री-कृत मामला सं. 34/85, तारीख 20 फरवरी, 1985 के संबंध में वैसे ही तथ्यों से उद्भृत वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण राजस्थान राज्य पर करती है।

सिं. 228/6/85-ए वी की-II-II

S.O. 1200.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Rajasthan hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Rajasthan for the investigation of offences punishable under sections 147, 149, 307, 427 of the

Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860), and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to case No. 34/85, dated the 20th Feb., 1985 registered at Police Station Deeg, District Bharatpur (Rajasthan), relating to the alleged damage to Rostrum from where the Chief Minister, Rajasthan, was to address the public meeting.

[No. 228/6/85-AVD-(II)]

का. थ्रा. 1201. -- केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित घारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदश्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान सरकार की सहमति से भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 147, 148, 149, 332, 353, 307 और 323 के अधीन दंडनीय अपराधों के और उक्त अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दृष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के तथा पुलिस द्वारा रजिस्ट्रीकृत उस अभिकथिन मुठभेड़, जिसमें श्री मान सिंह, बिधान सभा सदस्य मारे गये थे और दो अन्य व्यक्तियों की क्षति से मृत्यु हो गई थी, से संबंधित, पुलिस थाना, डीग, जिला भरतपूर (राजस्थान) में रिजस्ट्रीकृत मामला सं. 37/85, तारीख 21 फरवरी, 1985 के संबंध में बैसे ही तथ्यों से उद्भूत वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्बेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की मक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण संपूर्ण राज-स्थान राज्य पर करती हैं।

> [सं. 228/6/85-ए वी डी-III-III] एम. एस. प्रसाद, अवर सचिव।

S.O. 1201.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1945), the Central Government with the consent of the Government of Rajasthan hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Rajasthan for the investigation of offences punishable under sections 147, 148, 149, 332, 353, 307 and 323 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860), and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to Case No. 37/85, dated the 21st Feb., 1985 registered at Police Station Deeg, District Bharatpur (Rajasthan) relating to the alleged encounter registered by the Police in which Sri Man Singh M.L.A, was killed and two others succumbed to injuries.

[No. 228/6/85-AVD.II(III)] M. S. PRASAD, Under Secy.

वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1985 (आय-कर)

का. धा. 1202. — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) (खा) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "दि स्वयम् प्रकाश ईश्वर टेम्पल कट्टम्मानार कोइल, तिमलनाडु" को सम्पूर्ण तिमलनाडु राज्य में विख्यात सार्वजनिक पूजास्थल के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं. 6093/फा.सं. 176/64/84-श्रा.क.(नि.-I)]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Delhi, the 2nd January, 1985 (INCOME-TAX)

S.O. 1202.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Sri Swayam Prakasa Eswarar Temple, Kattummannar Koil, Tamil Nadu" to be a place of public, worship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 6093/F. No. 176/64/84-IT(AI)]

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्लं', 8 जून, 1984

(आयकर)

का. भा. 1203: —यतः आयकर ्धितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 क उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रें य प्रत्यक्ष कर वोर्ड ने दिनांक 23-3-1982 के अधि-स्वना सं. 4529 (फा. मं. 187/28/81--इ.क. (नि.-1) के हारा बम्बई मिट 1; II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI तथा XII, के आयकर आयुक्तों के समवनीं क्षेत्राधिकार आयकर आयुक्त (जांच), बम्बई को प्रदत्त किये हैं, केन्द्र य प्रत्यक्ष कर बोर्ड धारा 121 क उपधारा (2) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्हारा निदेश देता है कि इसके माथ संलग्न अनुसूर्व के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त जिमका प्रवान कार्यालय उक्त अनुसूर्व के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, उक्त अनुसूर्व के स्तम्भ (3) में यथा उल्लिखित ऐसे मामलों अथवा मामलों क श्रीणयों के संबंध में अकेते कार्यों का निर्वहण करेगा और बम्बई सिट I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI तथा XII के आयकर अपुक्त उक्त अनुसूर्व के स्तम्भ 3 में यथा उल्लिखित मामलों अथवा मामलों क श्रीणयों के संबंध में अकेते कार्यों का निर्वहण करेगा और बम्बई सिट I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI तथा XII के आयकर अपुक्त उक्त अनुसूर्व के स्तम्भ 3 में यथा उल्लिखित मामलों अथवा मामलों का श्रीणयों के संबंध में कार्यनहीं करेंगे।

| अनुसूच |
|--------|
| |

| आयकर आयुक्त | प्रमान- कार्यालय | क्षेत्रातिकार | |
|-----------------|---------------------|---|--|
| | 2 | 3 | |
| ्जांच, बस्बई | वम्बई | (क) पायकर जायुक्त बम्बई सिट 1, 11, 111, 1V, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI तथा XII के क्षेत्राधिकार में जाने वारो क्षेत्रों के नंबंध में सर्वेक्षण क सामान्य शिवनयां। (ख) जायकर आयुक्त, वम्बई सिट I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX X XI तथा XII के क्षेत्राधिकार में आने वाले सर्वेक्षण/वार्ड/परिमण्डल जिनमें बम्बई सिट के आयकर आयुक्त के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत थाने वाले निम्निक्षित मामलों को छोड़कर, कोई कर निर्धारण नहीं किया गया है तथा जहां | |

2

या तो आय कः विवरणं पहलं बार दाखिल कं गई है या आयकर अधि-नियम 1961 कं धारा 139(2)/ 148 के अंतर्गत नोटिस जारः किया / गया है या जार किया जाना है:---

- (i) कंपनं परिमंडल
- (ii) वैतन परिमंडल
- (iii) न्यास परिमंडल
- (iv) व्यावसायिक परिमंडल
- (v) एक्स वार्ड
- (vi) फिल्म परिमंडल
- (vii) बम्बई वापसः परिमंडल
- (viii) अनिवार्सः वापसः परिमंडल
- (ix) विदेश कंपन परिमंडल, तथा
- (x) विदेश अनुभाग।

परन्तु आयकर आयुक्त (जांच) बम्बई का क्षेत्राधिकार सर्वेक्षण परिमंडलों/ वार्डों के उन मामलों में 15-6-84 को या उसके बाद समाप्त हो जाएगा जहाँ 31-3-84 तक कम से कम एक कर निर्धारण पूरा हो गथा है। ऐसे मामलों के संबंध में क्षेत्राधिकार यथावस्था, ऐसे मामलों के संबंध में क्षेत्राधिकार यथावस्था, ऐसे मामलों के संबंध में क्षेत्रांय अधिकारिता आयकर आयुक्त बम्बई सिट. I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII 1X, X, XI, तथा XII में निहित होगं:

बणतें कि ऐसं विवरणियों पर से जिन्हें पहली बार 15-6-1984 को या उसके बाद दाखिल किया जाता है तथा जिनमें कोई कर-निर्वारण नहीं किया गया है तथा/अथवा जिनमें घारा 139(2)/148 के अंतर्गते नोटिस जार्र नहीं किये गये हैं, कालम 1 में उल्लिखित आयकर आयुक्त जांच का क्षेत्राधिकार समाप्त हो जाएगा।

- (ग) (i) सर्वेक्षण परिमंडल-I
 - (ii) सर्वेक्षण परिमंडल-[[
 - (iii) कर निर्धारण परिमंडल-XI
 - (iv) आयकर आयुक्त (जांच) बम्बई द्वारा धारा 124(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाया गया कोई अन्य परिभंडल।

यह अधिसूचना 15-6-1984 से प्रभावः होयः ।

[सं. 5855/फा. सं. 187/17/84-आ. क. (नि.-I)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 8th June, 1984

(INCOME-TAX)

S.O. 1203.—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961

1

(43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes vide Notification No. 4529 (F. No. 187 28/81-FT(AI) dated 23-3-1982 have conferred on Commissioner of Income-tax. Investigation Bombay jurisdiction concurrent with those of the Commissioners of Income-tax, Bombay City-I, II, III, IV, V, VI, VII. VIII IX, X, XI & XII, the Central Board of Direct Taxes in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 121, and in supersession of all earlier notifications issued in this regard here by directs that the Commissioner of Income-tax specified in column 1 of the Schedule hereto annexed with headquarters specified in column (2) the eof shall alone perform functions in respect of such cases or classes of cases as are referred to in column (3) of the said schedule and the Commissioners of Income tax. Bombay City-I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI and XII shall not exercise functions over the cases of classes of cases as are referred to in column 3 of the said schedule.

SCHEDULE

Jurisidiction Commissioner Headquarters of Income-Tax 1

Bombay.

- Investigation, Bombay (a) General power of survey in respect of areas comprised in the jurisdiction of Commissioners, of Income-tax, Bombay City-I II, III, IV. 7, VI, VII, VIII, IX X, XI, and XII.
 - (b) Survey Cards/Circles dealing with cases fulling in the jurisdiction of Commissioners Income-tax, Bombay City-I, II III, IV, V, VI, VII, VIII, IX X, XI & XII in which no assestment has been made and where either a return of income has been filed for the first time or a notice under section 139(2)/ 1 148 of the Income-tax Act, 196 is issued or is to be issue, exclu ding those cases coming under the jurisdiction of following income-tax Circles/Wards/ Sections :-
 - (i) Companies Circles,
 - (ii) Salaries Circles,
 - (iii) Trust Circle,
 - (iv) Professional Circle,
 - (v) X-Ward,
 - (vi) Film Circle.
 - (vii) Bombay Refund Circle,
 - (viii) Non-Resident; efund Circle
 - (ix) Foreign Companies Circle, and
 - (x) Foreign Section.

Provided that the Commissioner of Income-tax (Investigation). Bombay, would cease to have jurisdiction on or after 15-5-1984 over cases of Survey Circles/ Wards where at least one assessment his been completed unto 15-5-1984. In respect of such 3

cases jurisdiction would stand vested with the Commissioners, of Income-tax, Bombay City-I H, HI, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI & XII as the cases may be having territorial jurisdiction in respect of such cases.

Provided further that the jurisdiction over returns filed for the first time on or 15-6-1984 and where no assessment has been made and/or where notices under section 139(2)/148 have not been issued will cases to lie with the C.I.T. (Inv.) mentioned in Column 1.

- (c) (i) Survey Circle-I,
 - (ii) Survey Circle-II,
 - (iii) Assessment Circle-XI,
 - (iv) Any other circle created by the CIT(Inv.), Bombay, under the powers vested in him u/s. 124(1).

This notification comes into effect from 15-6-1984.

[No. 5855(F.No. 187/17/84-IT/AI)]

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1985

(आयक्र)

का. आ. 1204-प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23गं) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए बन्द्रीय सरकार, एतदहारा, दिलांक 12-9-1984 को अपनी अधिस्वना सं. 5976 (फ. . सं. 197-ए/27/82-आ.क. (नि०1) में निम्नलिखित गृद्धि अस्ती है :---

"श्रो र घवेन्द्रस्वामी भटट; त्रांभद्रः (म्रांध्र प्रदेश)" केस्थान पर

''श्री राघवेन्द्रस्वामी भट्ट, मंत्रालय (द्यांध्य प्रदेश)" पढ़ें

[सं. 6158/फा.सं. 197-ए/ <u>27/82-प्रत.</u> क. (नि. 1)]

(Department of Revenue)

New Delhi, the 16th February, 1985 (INCOME-TAX)

S.O. 1204.—In exercise of the powers conferred by subclause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following correction in its Notification No. 5976 (F. No. 197A/27/82-IT (AI), dated 12-9-84. For

"Shri Raghavendraswamy Mutt, Tungabhadra (Andhra ' Pradesh)"

Read

"Shri Raghayendraswamy Mutt, Mantialayam (Andhra Pradesh)";

[No. 6158/F. No. 197-A/27/82-IT (AI)]

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1985

(ग्रायकर)

ना जा. 1205 श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घरा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रयक्त शंकितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा उकत घारा के प्रयोजनार्थ, "दि इंस्टिट्यूट आफ फ्रांसिस्कन मिशनरीज आफ मेरी सामाइटी नं. 10, कान्वेट आफ अवर लेडी आफ वेलांगन्नी; थामसपुरम्," को करनिर्वारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 तम के अन्तर्गत आने वालो अवधि के लिए श्रीधम्चित करती है।

[सं. 6159/फा.सं. 197/161/82-म्ना.क. (नि.I)]

ग्रार. के. तिवारी, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 1205.—In exercise of the powers conferred by subclause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Institute of Franciscan Missionaries of Mary Soc ety No. 10, Convent of Our Lady of Velanganni, Thomaspuram." for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 6159/F. No. 197/161/824IT(Al)]

R. K. TEWARI, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली 17 जनवरी, 1985

(आयकर)

का. आ. 1306 .--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ला एतद्द्वारा अपनी दिनांक 27-8-82 (फा. सं. 261/9/81-आ. क. न्या. की) अधिसूचना सं. 4881 से संलग्न अनुसूची में भूतलक्षी प्रभावों से निम्नलिखित संशोधन करता है।

अपीलीय सहायक आयुक्त-ख रेंज, जवलपुर के सामने उक्त अनुसूची में स्तंभ सं. 2 के अंतर्गत कम सं. 5 पर विद्यमान प्रविष्टि, अर्थात् "आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण परि- मंडल, जबलपुरं' को नीचे दिये अनुसार प्रतिस्थापित किया जायगाः∸–

"5. आयकर अधिकारी, ज वार्ड, जबलपुर ।"

अपीलीय सहायक आयुक्त ख. रेंज, रायपुर के सामने उक्त अनुमूची में स्तंभ सं. 2 के अंतर्गत क्रम सं. 4 पर विद्यमान प्रविष्टि, अर्थात् "आयकर अधिकारी सर्वेक्षण परिमंडल, रायपुर" को नीचे दिये अनुसार प्रतिस्थापित किया जायगा :---

"4. आयक्र अधिकारी, ज. वार्ड, रायपुर।"
यह अधिसूचना 1-12-1984 से प्रभावी होगी।
[सं. 6113/फा. सं. 261/1/85-आ. क. न्या.]
कल्याण चंद, अवर सचिव,

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES New Delhi, the 17th January, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 1206.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in the behalf, the Central notifies "The Institute of Franciscan Missionaries of Marying retrospective amendment in the Schedule appended to its Notification No. 4881 dated 27-8-82 (F. No. 261/9/81-ITJ):

In the said Schedule against A.A.C. B-Range, Jabafpur the existing entry at S. No. 5 under Col. No. 2 viz. "ITO, Survey Circle, Jabalpur" shall be substituted as under :—

"5. I.T.O., H-Ward, Jabalpur."

In the said Schedule against A.A.C. B-Range, Raipui the existing entry at S No. 4 under Col. 2, viz. "I.T.O.. Survey Circle, Raipur, shall be substituted as under :—

"4. I.T.O. H-Ward, Raipur."

This Notification shall take effect from 1-12-84.

[No. 6113/F. No. 261/1/85-ITJ] KALYAN CHAND, Under Secy. Central Board of Direct Taxes

(राजस्य विभाग) नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1985 आयकर

कार ग्रा० 1207 सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एनदहारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्न लिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित गर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (1) यह कि ई.एफ.आई. सोशल एंड लेबर रिसर्च फाऊन्डेशन, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रहेगा।
- (2) यह कि उक्त इंस्टिट्यूट उपने वैज्ञानिक अनुसंधान
 संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित
 प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में

प्रति वर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए उसे मुचिन किया जाए।

(3) यह कि उक्त इंस्टिट्यूट अपनी कृल आय तथा व्यय दर्शात हुए अपने सपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपान्तयां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पद्म की एक-एक प्रति, प्रतिबर्ष 30 जून तक बिहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर अायुक्त को भेजेगा।

संस्था

"ई.एफ.आई. सोगल एंड लेबर रिसर्न फा**ऊडेशन.** कस्बर्ड"।

यह अधिमूचना 22 मार्च, 1984 में 21 मार्च, 1986 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 6145/फा.सं. 203/256/83-आ.क.-नि.H]

(Department of Revenue) New Delhi, the 4th January, 1985

INCOME-TAX

S.O. 1207.—It is hereby notified for general information that the Institution menuoned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Aut, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That the EFI Social and Labour Research Foundation will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its swientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets and liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Incometax.

INSTITUTION

"EFI Social and Labour Research Foundation, Bombay."

This notification is effective for a period of two years from 22nd March, 1984 to 21st March, 1986.

!No. 6145/F. No. 203/256/83-IT-A III

नर्ड दिल्ली, 16 फरवरी, 1985

(आयकर)

का.आ. 1208--इस कार्यालय की दिनांक 7-7-82 की अधिसूचना मं. 4788 (फा. मं. 203/169/80-आ.क.नि. II) के सिलसिने में, सर्वमाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित पाधिकारी, अर्थात् विज्ञान और श्रीचोगिकी विभाग. नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के माथ पठिन आयकर अधिनियम, 1961

की <mark>धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के प्रयोजनों</mark> के लिए "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्ती पर अनुमोदित किया है:---

- शह कि कृष्णाभृति कांउडेशन इंडिया मद्रास प्राकृतिक तथा अनुप्रयुक्त विजानों के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेंगी तथा उनन्यतः उन्हें दिनांक 13-3-1982 के अपने पत्र मं. 11/2/82-कृ मे यथा उल्लिखित सेटर फार अण्लिकेशन आफ माइको प्रांसेसमं में अनुसंधान के लिए ही प्रयुक्त करगी।
- (2) यह कि उक्त संस्था अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कियाकलामों की वर्षिक विवरणी, विहिन प्राधिकारी को प्रत्येक विश्वीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुन करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सुचिन किया जाए।
- (3) यह कि उनत संस्था अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शान हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की सथा अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियों दर्शाने हुए तुलन-पत्त की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक बिहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तायेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगी।

संस्था

"कृष्णा मूर्ति फाउन्डेशन इण्डिया , मद्रास" ।

यह अधिसूचना 8/6/84 से 30/6/85 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

> [मं. 6155/फा.सं. 203/213/84-आ.क-नि. **[I]** गिरीण दक्ते, अक्ट सम्बद्ध

New Delhi, the 16th February, 1985 INCOME-TAX

- S.O. 1208.—In continuation of this Office Notification No. 4788 (F. No. 203/169/80-ITA.II) dated 7-7-82, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science & Tech notified for general information that the institution mentioned of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Incometax Act. 1961 read with Rule 6 of the Incometax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—
 - (i) That Krishnamurti Foundation India, Madras will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences and solely apply them for insearch in Centre for application of Micro Processors as outlined in their latter No. 11/2/81 KRI, dated 13-3-82.
 - (ii) That the said Foundation will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.

(iii) That the said Foundation will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

INSTITUTION

Krishnamurti Foundation India, Madras.

This Notification is effective for a period from 8-6-84 to 30-6-85.

[No. 6155 (F. No. 203/213/84-ITA.II)] GIRISM DAVE, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1985

(आय-कर)

का. अा. 1209. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रवत्त मिल्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतव्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "श्री सारंगपाणी स्वामी टेम्पल, कुम्बकोणम, तमिलनाडु" की सम्पूर्ण तमिलनाडु राज्य में विख्यात सार्वजनिक पूजा स्थल के रूप में अधिस्वित करनी है।

[सं. 6161/फा. सं. 176/74/84-श्रा.क. ति.I]

New Delhi, the 22nd February, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 1209.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Sarangapani Swamy Temple, Kumbakonam, Tamil Nadu" to be place of public worship renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 6161/F. No. 176/74/84-IT(AI)]

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1985

(आय-कर)

का.श्रा. 1210.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (5) द्वारा प्रवत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ "डोहनावुर फैलोशिप" को कर-निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1985-86 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6167/फा. सं. 197/215/82-ग्रा.क. (नि.-1)] पी. सक्सेना, उप सचिव ।

New Delhi, the 1st March, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 1210.—In exercise of the powers conferred by subclause (V) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Dohnavur Fellowship" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No .6167/F. No. 197/215/82-IT(AI)]

P. SAXENA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1985

आदेश

का. ग्रा. 1211.—भारत सरकार के संयुक्त सचि का किस विदेशी मुद्रा मंग्छण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष छप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आवेश फा. सं. 673/149/84 सी० शु० 8 तारीख 6-8-1984 यह निवेश देते हुए जारी किया था कि श्री विजय आर. वाधानी, पुत्र स्वर्गवामी रामकिलाल लल्लूभाई वाधानी, 20, असेक्जेन्डर कोर्ट, 60/1 चौरंगी रोड़ कलकसा को माल की तस्करी करने और माल की तस्करी करवाने के लिए दुष्प्रेरित करने से निवारित करने की दृष्टि से प्रेसीडेंगी जेल कलकसा में निकद्ध कर लिया जाए और अभिरक्षा में रखा जाए;

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विण्यास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उस आदेण का निष्पादन नहीं हो सकता है ; और
- 3. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उत्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदन्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए पूर्वीवन व्यक्ति को निर्देश देनी है कि इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, कलकता के समक्ष हाजिर हो ।

[फा. सं. 673/149/84---मी.णु. VIII]

New Delhi, the 14th March, 1985

ORDERS

- S.O. 1211.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/149/84-Cus. VIII, dated 6-8-1984 under the said sub-section directing that Shri Vijay R. Vaghani, son of Late Ramkilal Lallubhai Vaghani of 20, Alexander Court, 60/1, Chowringhee Road, Calcutta be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods and abetting the smuggling of goods.
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed; and
- 3. Now, therefore, in exercise of nower conferrd by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

IF, No. 673/149/84-Cus. VIIII

का.श्रा. 1212. — भारत सरकार के संयुक्त सिचव ने, जिसे विदेशी सुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/150/84

सी मु 8 तारीख 6-8-1981 को यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री दीपक आर. वाधानी उर्फ कुमार, पुत्र स्वर्गवामी रामिकलाल लल्लूभाई वाधानी, 41, अलेक्जेंडर कोर्ट, 60/1, चौरंगी रोड़ कलकत्ता को माल की तस्करी करने और माल की तस्करी करवाने के लिए दुण्प्रेरित करने से निवारित करने की दृष्टि से प्रेमी-डेंसी जैल कलकत्ता में निरुद्ध कर लिया जाए और अभिरक्षा में रखा जाए ;

- 2 केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमे उस आदेश का निष्पादन नहीं हो सकता है ; और
- 3. अत:, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए पूर्वीक्षत व्यक्ति को निर्देण देती है कि इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पूलिस आयक्त, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[सं. फा. 673/150/84-सी. णृ. VIII] एम. जी. वेणगोपालन, उप सचिव

- S.O. 1212.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empoewered under sub-section (1) of sction 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act. 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/150/84-Cus. VIII dated 6-8-1984 under the said sub-section directing that Shri Dipak R. Vaghani Alias Kumar, Son of Late Ramkilal Lallubhai Vaghani of 41, Alexander Court, 60/1, Chowringhee Road, Calcutta be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods and abeting the smuggling of goods;
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed; and
- 3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/150/84-Cus. VIII] M. G. VENUGOPALAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1985

आग्रकार

का. अा. 1213.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अनुसरण में श्री एल. टी. मखीजानी को कर बसूली अधिकारी के रूप में नियुक्त करने वाली वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की 21 मई, 1984 की अधिसूचना सं. 5818 (फा. सं. 398/27/83-आ. का. (ब.) में जारी की गई अधिसूचनां को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

सिं. 6125/फा. सं. 398/36/84-भा.क. (ब)]

New Delhi, the 4th February, 1985

INCOME-TAX

S.O. 1213.—The notification issued in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 5818 (F. No. 398/27./83-IT(B) dated the 21st May, 1984, in pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-

tax Act, 1961 (43 of 1961) appointing Shri L. T. Makhijani as Tax Recovery Officer is hereby cancelled.

[No. 6125/F. No. 398/36/84-IT(B)]

का. आ. 1214.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अनुसरण में केन्द्र सरकार उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वमूली अधिकारी की शिक्तियों का प्रयोग करने के लिए केन्द्र सरकार का राजपन्नित अधिकारी होने के नाते श्री एल० टी. मखीजानी की 15/7/83 से 14/5/84 तक केन्द्र सरकार भत प्रभावी प्राधिकार देती है।

[सं. 6127/फा. सं. 398/36/84-आ. क. (व)]

S.O. 1214.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), expost-facto authorisation of the Central Government is hereby conveyed to Shrl L. T. Makhijanl being a Gazetted Officer of Central Government to the exercise of the powers of a Tax Recovery Officer under said Act from 15-7-83 to 14-5-84.

[No. 6127/F. No. 398/36/84-IT(B)]

का. आ. 1215.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में नीचे स्तम्भ 2 में विणित व्यक्तियों को जो कि केन्द्रीय सरकार के राजपतित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारियों की णिक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रत्येक के नामके सामने दी गयी अविधि के लिए भन प्रभावी अविधिकार सुचित किया जाता है:—

कम कर वसूली अधिकारी अवधि जिसमें प्राधिकार सं. की शक्तियों का प्रयोग का संबंध है करने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों के नाम

1. सर्वश्री एस.आर. बिजानी 4/6/82 से 22/4/83

2. डब्ल्यू. एम. पठानी 15/7/83 से 22/8/83

के. एन. जठानी
 2/9/83 से 31/12/83

एस. ऐस. भोसले 30/8/82 से 14/5/84

एन. सुक्रमण्यन् 26/5/82 से 3/10/83

बो. बेल्लाप्पन 27/7/82 से 14/5/84

[सं० 6129/फा॰ सं॰ 398/36/84-आ॰क॰ (ब)]

S.O. 1215.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), ex-post-facto authorisation of the Central Government is hereby conveyed to the persons mentioned below in column 2 being Gazetted Officers of Central Government, to the exercise of the powers of Tax Recovery Officers under the said Act for the periods mentioned against each:—

S.N. Name of the persons Periods for which the authorised to exercise powers authorisation relates of TROs.

| 1 | 2 | 3 |
|----|---------------------|--------------------------|
| 1. | · S/Shri S.R.Bijani | from 4-6-82 to 22-4-83 |
| 2, | W.M. Pathai | from 15-7-83 to 22-8-83 |
| 3, | K.N. Jathani | from 2-9-83 to 31-12-83 |
| 4. | S.S. Bhosele | from 30-8-82 to 14-5-84 |
| 5. | N.Subrama rian | from 26-5-82 to 30-10-83 |
| 6. | 8. Chellappan | from 27-7-82 to 14-5-84 |

[No. 6129/F. No. 398/84/-IT(R)]

N

का. आ. 1216 -- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अनुसरण में, नीचे स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों को, जो कि केन्द्रीय सरकार के राजपन्नित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए, नीचे स्तम्भ 3 में दी गई तारीख (तारीखों) से केन्द्रीय सरकार का भृत प्रभावी प्राधिकार एतद्धारा भूचित किया गया है:---

कम सं, कर वसूली अधिकारी की शक्तियों जिस तारीख से का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत कर वसली अधि-व्यक्तिका नाम कारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया गया

| | | म्यास समा |
|------|------------------------------|-----------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | . सर्वे/श्री एन . ए . काजी | 14-5-1984 |
| 2 | . एस. आर. तांबे | यथोपरि |
| 3 | . वी.बी.काले | यथोपरि |
| 4. | के. पी. डी. नायर | यथोपरि |
| 5. | जी . टी . हेमनानी | यथोपरि |
| 6- | एच. एम. वचानी | यथोपरि |
| 7. | नूर अहमद | यथोपरि |
| 8. | आर. बी. सीतलानी | 16-8-34 |
| 9. | के. प्रसन्नान | यथोपरि |
| 1.0. | के, पी, विपाठी | यथोपरि |
| 11. | आर. ए. वैशम्पायन | यथोपरि |
| | एस. डी. सबनीस | यथोपरि |
| .13. | डी . एच . शाहनी | यथोपरि |
| 14. | | 14-8-84 |
| 15. | एस . जे . वैंगनकर | 3-9-84 |
| 16. | डी, बी, काटे | यथोपरि |
| 17. | ए. के. दास | यथोपरि |
| 18. | श्रीमती एम . सी , पारेख | यथोपरि |
| 19. | श्री एस. आर. बीर | यथोपरि |
| 20. | श्रीमती ए. डी. तेरेदेसाई | 26-5-82 |
| 21. | कु,पी,एस,इदनानी | 6-1 0-83 |
| 22. | सर्वं/श्री आर. के. कोसांबिया | 15-7-83 |
| 23. | डी, पी. मालवीय | 18-7-83 |
| | आर. डी. परेरा | यथोपरि |
| 25. | मनोर्ज मिश्र | 29-10-83 |
| | | |

[सं. 6131/फा. सं. 398/36/84-आ. क. (ब.)]

S.O. 1216.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), ex-post-facto authorisation of the Central Government is hereby conveyed to the persons mentioned below in Column 2 being Gazetted Officres of Central Government, to exercise of the power 1672GI/84--2

of a Tax Recovery Officer under the said Act from the date(s) mentioned in Column 3 below :--

| | Name of the person authorised to exercise the powers of TROs | Date from which the persons authorised to exercise the powers of TROs | |
|------------|--|--|--|
| [| 2 | | |
| ١. | S/Shri N.A. Kazi | 14-5-1984 | |
| : . | S.R. Tambe | do | |
| | V.B. Kale | —do— | |
| | K.P.D. Nair | —do— | |
| j. | G.T. Hemani | do⊷ | |

6. H.M. Bachani -do-7. Noor Ahmed -do-8. R.B. Sitlani 16-8-1984 9. K. Prasannan -do-10. K. P. Tripathi -do--11. R.A. Vaishampayan --do--12. S.D. Sabnis -do-13. D.H. Shahaney --do---14. Ram Jai Ram 14-8-1984 15. S.J. Waingankar 3-9-1984 16. D.V. Kate -do-17. A.K. Das -do-

18. Mrs. M.C. Parakh ' ---do---19. Shri S.R. Veer --do---

20. Shri A.D. Taradesai 26-5-1982 6-10-1983 21. Mrs. P.S. Idnani 22. Shri P.K. Kosambia 15-7-1983

23. D.P. Malviya 18-7-1983 24. R.D. Pareira --do---

29-10-1983 25. Manoj Mishra [No. 6131/F. No. 398/36/84-IT(B)]

शुद्धि-पत्न

आयकर

का. आ. 1217 -- दिनांक 21-5-1984 की अधि-सचना सं. 5830/(फा. सं. 398/27/83-आ. क. (ब) में दिये गये नाम "श्री ए. के. थडानी" को "श्रीमती ए. के. थडानी" पढिए।

> [सं 6133/फा० सं 398/36/84-आ०फ० (ब)] बीं. ई. अलैक्जैंडर, अवरं सचिव

CORRIGENDUM

INCOME-TAX

S.O. 1217.—The name "Shri A. K. Thadani" appearing in the Notification No. 5830 [F. No. 398/27/83-IT(B)] dated 21-5-1984 may be read as "Smt. A. K. Thadani".

[No. 6133/F. No. 398/36/84-IT(B)] B. E. ALEXANDER, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1985

का. आ. 1218——निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (घ) के उपबंधों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजैर्व बैंक के साथ परामर्श करने के पश्चात्, एतद्द्वारा श्री आर. बी. माधव राव प्रबंध निर्देशक, भारतीय साधारण बीमा निगम को 25 मार्च, 1985 से प्रारम्भ होने वाली और 23 नवम्बर, 1985 को समाप्त होने वाली और अवधि के लिए निक्षेप बीम और प्रत्यय गारंटी निगम के निदेशक के रूप में पुनः नामित करती है।

[संख्या एफ. 6/9/82-बी.ओ.-I]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 4tn March, 1985

S.O. 1218.—In pursuance of the provisions of clause (d) of sub-section (1) of section 6 of the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation Act, 1961 (47 of 1961), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby renominates Shri R. V. Madhava Rao, Managing Director, General Insurance Corporation of India as a Director of the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation for a further period commencing from the 25th March, 1985 and ending with the 23rd November, 1985.

[No. F. 6/9/82-BO.I]

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1985

का.आ. 1219 — औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा श्री पी. मुरारी, अपर सचिव, उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली को श्री एस.एल. कपूर के स्थान पर भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एफ. 7-9-85-बी.ओ.-]]

New Delhi, the 11th March, 1985

S.O. 1219.—In pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government hereby nominates Shri P. Murari, Additional Secretary, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, New Delhi as a Director of the Industrial Finance Corporation of India vice Shri S. L. Kapur.

[No. F. 7/9/85-BO.I]

का.आ. 1220-भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अनुसरण में और भारत सरकार के आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 11 जुलाई, 1983

अधिसूचना संख्या एफ. 7/5/83-बी.ओ.-I(1) का अधिकमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा श्री एस. विकटरमणन, वित्त सिचय, वित्त मंत्रालय, आधिक वेंकार्य भाग, नई दिल्ली को भारतीय रिजर्य बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में निवेशक नियक्त करती है।

S.O. 1220.—In pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 7/5/83-BO I (1) dated 11th July, 1983, the Central Government hereby nominates Shri S. Venkitaramanan, Finance Secretary in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi to be a Director on the Central Board of the Reserve Bank of India.

[No. F. 7/6/85-BO.I(1)]

तिकक, आ. 1231.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अध-नयम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा 1) के खण्ड (ङ) के उपखंड (i) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतत्द्वारा श्री एस. वेंकिटरमणन, वित्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई विल्ली को श्री पी.के. कौल के स्थान पर भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक मण्डल में निदेशक के रूप में मनोनीत करसी हैं.

[संख्या 7/6/85-बी.ओ.-I(2)]

S.O. 1221.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of sub-section (1) of section 6 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates Shri S. Venkitaramanan, Finance Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi as a Director of the Board of Directors of Export-Import Bank of India vice Shri P. K. Kaul.

[No. F. 7/6/85-BO.I(2)]

का. आ. 1222--- श्रीयोगिक विकास बैंक अग्रिनियन, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (ो) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली में सचिव (वैंकिंग) और मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. विमल जालान को श्री पी.के. कौल के स्थान पर भारतीय औद्योगिक विकास कैंक का निदेशक नामित करती है।

[संख्या एफ. 7/6/85-बी.ओ.-I(3)] एस.एस. हसूरकर, निदेशक

S.O. 1222.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Dr. Bimal Jalan, Secretary (Banking) and Chief Economic Advisor in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi as the Director of the Industrial Development Bank of India vice Shri P. K. Kaul.

[No. F. 7/6/85-BO.I(3)] S. S. HASURKAR, Director

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1985

का. अ. 1223.— बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदक्ष प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिण पर, एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 उप-धारा (1) के उपबंध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 जून, 1987 तक विजय कर्माणयल को-ध्रापरेटिव बैंक लिमिटेड, राजकोट पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. सं. 8-1/85/ए.सी.] अमर सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 6th March, 1985

S.O. 1223.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Vijay Commercial Co-operative Bank Ltd., Rajkot, for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 30th June, 1987.

[F. No. 8-1/85-AC] AMAR SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1985

का. भा. 1234. — प्रादेशिक ग्रामीण वैंक ग्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रयक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक भीर कारपेरिशन बैंक के प्ररामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, भ्रयति:—

- 1. संक्षिप्त नाम भीर प्रारम्भ:--(1) इन नियमों का नाम विकासगलूर-कोडांगू प्रामीण बैंक (बोर्ड के भिध-वेशन) नियम 1985 हैं।
- (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा: --इन नियभों में, जब तक कि संधर्भ से अन्यया अपेक्षित न हो,--
 - (क) "प्रधिनियन" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक ग्रंधि-नियम, 1976 (1976 का 21) ग्रभिप्रेत है ।
 - (ख) "बैंक" से चिकमगलूर-कांड गूग्र मीण बैंक श्रीभ-प्रेत है ।
 - (ग) ऐसे णब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधि-नियम में परिभाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूगतन संख्या:--एक वर्ष में बोर्ड के कन से कम छह अधिवेशन होंगे और हर िनाही में कम से कम एक अधिवेशन होंगा।
- 4. अधिवेशनों का संयोजन :---आधिवेशनों का संयोजन बार्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :--वोर्ड के प्रधिकेशन बैक . कै मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में विसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे वोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:--(1) (क) बोर्ड की प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिष्टियत किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के श्राधियेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को श्राधियेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पनद्रह दिन की सूचना दी जयेगी श्रीर प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उत्ते द्वारा इस निमित विनिद्धिट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) श्रधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी
- (घ) उस कारबार के सिवास जिसके लिए अधियेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधियेशन के अध्यक्ष स्था उपस्थित के बिना तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब सक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सम्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गयी है ।
- (2) यदि बांर्ड का आपात अधिवेशन बुलानः भावस्यक हो सो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त सनय पूर्व सूचना दी जायेगी ।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :--(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशा भुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) श्रीधवेशन मांग श्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।
- 8. त्रोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी ।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विवार-विनर्श में भग लेने के अथवा मत देने में अन्तर्भ हा, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण श्रीधवेशन का स्थगन :— यदि बोर्ड का श्रीधवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो श्रीधवेशन श्रगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, श्रथवा यदि वह दिन नार्वजनिक श्रवकाश-दिन हो, तो उससे श्रगले दिन, जो सार्वजनिक श्रवकाश-दिन न हो, उसी समय श्रौर उसी स्थान के लिये स्वतः स्थगित हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगित श्रिधिन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां श्रध्यक्ष जिस तारीख तक के लिये श्रधिवेशन स्थिगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को श्रधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार :— (1) यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत से बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निविष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के प्रन्त-गत परिचालित किया गया हो और उन निदंशकों के बहुमत द्वारा श्रनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने ग्रपने विचार लेखबढ़ किये हों, उसी प्रकार प्रभावी श्रीर ग्राबद्धकार होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदंशकों के बहुमत द्वारा विनिध्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निवेशकों को संसूचित किया जायेगा ।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को श्रिभिलेख के लिये धगले धिधनेशन में रखा जन्मेगा ।
- 11. कारबार के अभिलेख:—(1) (क) बोर्ड के प्रधिवेगनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पण्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पूष्ठ, यथास्थिति, प्रध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यक्षारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभि- लेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाध्ति के पश्चात् यथा-शीध इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जार्येगी ।

- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के ग्रिभिलेख की श्रध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा श्रौर कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविध्ट की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।
- (5) श्रधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपवंधों के श्रनुसार रखे जायेंगे, उनमें श्रभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एफ. 12-5/85- श्रार श्रार बी (1)]

New Delhi, the 28th February, 1985

- S.O. 1224.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Corporation Bank hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Chikmagalur-Kodagu Gramecna Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force o_n the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Chikmagalur-Kodagu Grameena Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified areas as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this ochalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgen meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less ther four directors.

- (2) The requisit.on shall state the purpose for which the meeting is required to be called,
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

- 9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:
 - Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.
- 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is c'rculated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11 Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the M nutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12—5/85-RRB (I)]

- का. आ. 1325 प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक आंफ़ इंडिया के परामर्ण में निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—
- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:-(1) इन नियमों का नाम गिरि-डिहि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1985 हैं।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- परिभाषा:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —
 - (क) ''अधिनियम'' से प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अनिवेत है।
 - (ख) ''बैंक '' से गिरिंडिहि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अरि:-प्रेत है।
 - (ग) ऐसे मन्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं वहीं अर्थ है जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :--एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- 4. अधिवेशनों का संयोजन :--अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :---बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे जिसे बोर्ड विनिधिचत करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:

 (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिष्टिक्त किया आयेगा।
- (ख) बोर्ड के अधिवेणन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से सधारणता कम से कम पनद्रह दिन की सूचना दो जायेगो और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कार-बार को सूर्वा उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारवार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे वो गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवंश्यक ही तो प्रंत्येक निर्देशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन:--(1) अध्यक्ष, इस प्रयोगन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।

- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारोख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया आयेगा।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई था चार को, इनमें से जो अधिक हो, होगे।:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण हुई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विवार विमर्श में भग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थान:—यिव बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो
सका हो तो अधिवेशन अगले सन्ताह में उसा दिन, उसी
स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक
अवकाश दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक
अवकाश दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये
स्वत: स्थिगत हो जायेगा:

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थिगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेगेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार:---(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निर्देशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबढ़ किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निर्देशकों के बहुमत द्वारा विनिध्चित क्रिया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारोख को उस मामले पर अस्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निवेशकों को संसूचित किया जायेगा।
- (5) कांगजों के परिचालन द्वारा किनी मधन पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जियेगा।
- . 11 कारबार के अभिलेख: -- (1) (क) बोर्ड के अधि-वैभानों के फार्यवृत्तों को पुस्तकों (िन्हें इसमें इसके पश्चात् कर्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।

- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थित अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन का अध्यक्षता की हो, ब्रारा आद्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन का कार्यवाहियों के अस्ति लेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगा।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन को समान्त के पश्चात् यथा-गों। प्र इन कार्यवृत्तों को प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी आर्येगी।
- (3) अब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा,और कार्यवृक्ष पुस्तक में उसको प्रविध्य को आयेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।
- (5) अधिवेशनों के वे क.र्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अधिलिखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एफ 12-5/85-आर आर कार का (2)]

- S.O. 1225.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Giridih Kehetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires.—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Giridih Kshetriya Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings,—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5 Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified areas as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting

and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.

- (2) Where it is necessary to call un urgent meeting of the Board, a not ce of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisit on shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher:

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11 Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of cach meeting of such book shall be dated
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB (2)]

- का. आ. 1206:--प्रादेशिक प्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976का 21) को धारा 29 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्राय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनातों है, अर्थात्:---
- संक्षिप्त नःम और प्रारम्भः (1) इन नियमों का नाम पुजाकरनगर क्षेत्रीय प्राप्तोग बैंक (बोर्ड के अधिवेणन) नियम, 1985 हैं।
- (2) ये राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से लागू होंगे।

 2. परिकाणा: -इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ
 से अन्यथा अपेक्षित न हो---
- (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिनेत है।
- (ख) ''बैंक'' से मुजफ्फ़रनगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभिनेत है।
- (ग) ऐसे शब्दों और पदों, के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं है शिन्तु अधिनियम में परिभाषित है वहीं अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :--एक वर्षे में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- अधिवेशनों का संयोजन :— अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया ज येगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के अधिवेशन में बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिध्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची :—-(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिध्चित किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के अधिवेगन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेगन की तारीख से साधारणत: कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निवेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निभिन्त विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधियेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारवार के सिवाय जिसके लिए अधिवंशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारवार अधिवंशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमित के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारवार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दें दी गई है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना ग्रावध्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।

- 7 बोर्ड का विशेष अधिवेशन:—-(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजना के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, िसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8 बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेसकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार विमर्श में प्र.ग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थान :-यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं
हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी
स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक
अवकाश दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश दिन नहो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वत:
स्थिगित हो जायेगा:

परन्तु जहां गणपूर्तिन होने के कारण स्थिगित अधिवेशन
में कोई निदेणक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख
तक के लिये अधिवेशन स्थिगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक
को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस
तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार :--(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दें, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गर्य निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्त-गंत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख की उस मामल पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है हो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा ।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अधिलेख के लिये अगले. अधिवेणन में रखा येगा।

- 11. कारबार के अभिनख:——(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आङक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन को कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तर्रोख डार्ला जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन को समाप्ति के पश्चात् यथा शोध इन कार्यवृत्तों को प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजो जार्येगी।
- (3) जब कोई कारबार था कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त प्रस्तक में उसकी प्रविध्ट की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।
- (5) अधिवेणनों के वं कार्यवृत्त जो इन नियमों के उपवंधों के अनुसार रखे जायंगे, उनमें अभिलिखित कार्य-वाह्मियों का साक्ष्य होंगे।

[सं० एफ़० 12-5/85-आर. आर. बी. (3)]

- S.C. 1226.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Muzaffarnagar Kshetriya Gramin Bank (Meeting of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Muzaffarnagar Kshetriya Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. M'nimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings,—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified areas as the Board my decide.
- 6. Not'ce of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.

- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisit on shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

- 9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holdiay, till the next succeeding day which is not a public holdiay, at the same time and place:
 - Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum,
- 10. Business by circulation,—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11 Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Cha'rman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation, 1672GI/84—3

- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.
 - [No. F. 12-5/85-RRB (3)]
- का.आ. 1227:---प्रादेणिक ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 29 ग्रारा प्रवत्त गिंक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और देना बैंक के परामर्ग से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात:---
- 1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम साबरकांठा-गांधीनगर ग्रामीण बैंक (बीड के अधिवेशन) नियम 1985 हैं।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगें।

 2. परिभाषा : इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से
 अन्यथा अपेक्षित न हो,—
 - (क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामरेण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
 - (ख) 'बैंक' से सखिरकांठा गांधीनगर ग्रामीण वैंक के अभिप्रेत है।
 - (ग) ऐसे गब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किस्तु अधिनियम में परिभाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेणनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम मे कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- अधिवेशनों का संयोजन : अधिवेशनों का संयोजन योर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान : बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चिय करें।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची: (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष हारा विनिष्चित किया जायेगा। (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके हारा इस निमित विनिदिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की भूषी उक्त सूचना के साथ ही परिश्वालिस की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सियाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना

तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह को लिखित सूचना नहीं देदी गयी है।

- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक पर्याप्त समय पूर्व मूचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन: (1) अध्यक्ष, इस प्रयो-जन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिनं के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपित तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वेत: स्थगित हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीखा तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीखा को अधिवेशन नहीं हुआ ।

10 परिचालम द्वारा कारबार : (1) यदि अध्यक्ष एसा निवेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत से बाहर गये निवेशकों से भिना) को निर्विष्ट किया जा सकता है। (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अंतर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुभत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखाबद किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकार होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वाराः उस[्]तारीख को पारित किया गया माना जाँवेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसृचित किया जाग्रेगा।
- (5) कागजों के पित्चालन द्वारा किसी प्रक्त पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 11. कारवार के अभिलेख: (1)(क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पण्डात कार्यवृत्त पुस्तक कहीं गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, अधास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्याक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ए सी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डालो जाएगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशम की समाप्ति क पश्चाम् यथा-श्रीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक की भेजी जायेंगी ।
- (3) जर्ब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जोयेगा तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा। और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविटि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधियेशन के कार्ययृत्त पुष्टि के लिए गर्ने अधियेशन में रखे जायेंगे।
- (5) अधिवेशनों के कार्यवृत्त जो इन नियमों के उपयंधों के अनुसार रखें जाएंगे उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[स. एफ 12-5/8 5- आर आर बी (4)]

- S.O. 1227—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Dena Bank hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Sabarkantha-Gandhinagar Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Sabarkantha-Gandhinagar Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. M nimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified areas as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be neut to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be be given to each director.
- 7 Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisit on shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four wh chever is higher.

Provided that where by leason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

- 9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:
 - Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quotum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.
- 10. Business by circulation,—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is c'reulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11 Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the M'nutes Book).

- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be torwarded to each, director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB (4)]

- का. आ. 1228—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक श्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक भौर केनरा बैंक के प्रामर्श से निम्नलिखिन नियम बनाती है, श्रथीत्:-
- संक्षिप्त नाम श्रीर प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम सहयाद्री ग्रामीण बैंक (बार्ड के श्रधिवेशन) नियम 1985 हैं।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- परिभाषाः इत नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यया अपेक्षित न हो,--
 - (क) 'श्रिधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक श्रिधिनियम, 1976 (1976 का 21) श्रिभप्रेत हैं।
 - (ख) "बैंक" से मह्याब्री ग्रामीण बैंक ग्राभिन्नेत है।
 - (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं श्रीर परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बार्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बार्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे भीर हर निनाही में कम से कम एक अधिवेशन होंगा।
- प्रधिवेणनों का संयोजन :- अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :- बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. श्रधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:—
 (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
 प्रध्यक्ष द्वारा विनिध्यत किया जायेगा।
- (ख) बार्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्यक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी आयेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उपके द्वारा इस निम्ति विनिदिष्ट पते पर भजी जायेगी।

- (ग) प्रधिवेशन में किये जाने के लिये प्रस्तावित कारबार की सुची उक्त सूचना के साथ ही परिवर्तावत की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलामा गया है, कोई मन्य कारबार मधिवेशन के मध्यक तथा उपस्थित निवेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक सहीं किया जायेगा जब तक कि उस फारबार के बारे में भ्रध्यक्ष को एक सस्ताह की लिखित सुचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात श्रधिवेंशन बुलाना श्रावश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सुचना दी आयगी।
- 7. बोर्ड को विशेष अधिवेशन:- (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिये कम से कमचार निदेशकों से मांग प्राप्त होते पर, बोर्ड का अधिवशन बुलाएगा।
- (2) इस मांग का उस प्रयाजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए प्रधिवेशन बुलाने की ध्येका की गयी है।
- (3) ऋधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 ছিन के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8. बोर्ड के श्रिधियेशन के लिए गणपूर्ति निरेशकों की कुल संख्या के एक निहाई या चार की, इनमें से जो श्रिधिक हो, होगी।

परन्तु जहां इस श्रिधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बार्ड के श्रिधिनेशन में विचार-धिमर्श में भाग लेने के श्रथवा मह देने में ग्रसमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण श्रीधवेशन का स्थान :—
यदि बोर्ड का श्रीधवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं
हो सका तो श्रीधवेशन श्रगले सप्ताह में उसी दिन, उसी
स्थान एवं समय के लिए, श्रथवा यदि वह दिन सार्वजनिक
श्रवकाश—दिन हो, तो उसी श्रगले दिन, जो मार्वजनिक
श्रवकाश—दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए
स्वतः स्थिगत हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगित अधिवेशन
में कोई निदेशक मनुपस्थित रहा हो, वहां स्रध्यक्ष जिस तारीख
तक के लिये मधिवेशन स्थिगत हो, उससे पूर्व उस निदेशक
को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस
तारीख को श्रिधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिभालन द्वारा कारवार:- (1) यदि श्रध्यक्ष ऐसा निषेण दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गय निवेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के श्रंत-गंत परिचालित किया गया हो भौर उन निदेशकों के बहुमत बारा भनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने श्रपने विचार

लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी ग्रीर श्राबद्धकार होगा सतों ऐसा कारबार ग्रधिबेशन में उपस्थित निदेशकों के बहु-मत द्वारा विनिधिचन किया गया हो।

- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोई द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर श्रांतिम हस्साक्षरकर्ता ने हस्साक्षर किये हों।
- (4) याँद कोई मामला परिवालित किया जाता है तो उस परिवालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्त पर किये गये सभी निर्णयों को श्रीमलेख के लिये श्रगले श्रीधवेणन में रखा जायेगा।
- 11. कारवार के श्रिभिलेख:—(1) (क) वार्ड के श्रिधिवेशनों के कार्यवृक्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृक्त पुस्तक कहा गया हो) में एखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निर्देशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यक्षरित या हस्तक्षारित किया जागेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के श्रभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक श्राधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा— शीध्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक की भेजी जायेंगी।
- (3) जब कोई कारबार या कागजो के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के फ्राभि-लेख की अध्यक्ष द्वारा हस्तारित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविध्य की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेगे।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के श्रनुसार रखे जायेंगे, उनमें श्रक्षिलिखित कार्य-वाहियों का साध्य होंगे।

[सं. एक 12-5/85- आरमार बी(5)]

- S.O. 1228.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and canara Bank hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Sahyadri Gramcena Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the content otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).

- (b) "bank" means the Sabyadr, Grameena Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the mean ngs, respectively, assigned to them in the Act.
- . 3. M nimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified areas as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting or the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a not ce of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisit on shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four wh chever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

- 9. Adjournment of meeting for want of quotum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quotum, then the meeting shall automatically stand adjourned tilt the same day in the next week, at the same time and place or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:—
 - Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Charrman shall, before the date to which the meeting stands adjourned sent notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.
- 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directiors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Boaid on the date it was signed by the last signatory to the business.

A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH

- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11 Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (heremafter referred to as the M nutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB (5)]

- का. आ. 1239—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात:—
- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:——(1) इन नियमों का नाम हिसार — सिरसा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधि— वेशन) नियम 1985 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —
- (क) ''अधिनिध्यम'' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
- (ख) 'बैंक' से हिसार– सिरसा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।
- (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परि— भाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :- एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- 4. अधिवेशनों का संयोजन :- अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

- 5. अधिवेशनों का स्थान :- बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिध्धित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारवार की मूची:—
 (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।
- (ख) बांर्ड के अधिवेणन के लिये प्रस्येक निदेशक को अधिवेणन की नारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की मूर्चना दी आयेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिदिष्ट पते पर भेजी आयेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्ताबित कार-बार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जावेगी।
- (घ) उस कारबार के सियाय जिसके लियें अधियेणन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधियेणन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष की एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गयो है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व भूचना दी जायेगी।
- 7. बॉर्ड का विशेष अधिवेशन:— (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिये कम से कम चार निदेशकों में मांग प्राप्त होने पर, बॉर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगां, जिसके लिये अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख में 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8. बांर्ड के अधिवेशन के लिये गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेणन में विचार विमर्श में भाग नेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन :~ यिं बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिये, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाण दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाण दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वत. स्थगित हो जायेगा :

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधियेणन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक

- को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेणन नहीं हुआ ।
- 10. परिचालन द्वारा कारबार :- (1) यदि अध्यक्षेत्र ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्त-गंत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमीदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहु-मत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोई द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 11. कारबार के अभिलेख:- (1) (क) बोर्ड के अधिवेणनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हैं। हारा आद्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अंतिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा-शीद्य इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगो।
- (3) जब काई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभि-लेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्य वृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेणन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये
 अगले अधिवेणन मे रखें जायेंगे।
- (5) अधिवेणनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्य-वाहियों का साध्य होंगे।
 - [सं. 12-5/85- आर आर की (6)]

S.O. 1229.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank hereby makes the following rules, namely :-

_ 1,571____ 14___ 14___

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Hissar-Sirsa Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Roard) Rules, 1985,
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context other-
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Hissar-Sirsa Kshetriya Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. M nimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings,—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisit on for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisit on shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one
- days from the date of receipt of the requisition.

 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors which were to four which were to be to the total number of directors and the state of the total number of directors and the state of the total number of directors and the state of the total number of directors and the state of the total number of directors and the state of the total number of directors and the state of the total number of directors and the state of the total number of directors and the state of the state o tors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at a meeting of the Board, the quorum shall be three.

- 9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :-
 - Provided that where a director is not present at meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notices to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum,
- 10. Business by circulation,—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs. be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers,

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

<u>a deservações de la començão esta especial de la començão de la començão de la començão de la començão de la c</u>

- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) It a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors,
- (5) All decisions on a question arrived at by cirulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11 Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (here nafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation,
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB (6)]

- का. आ. 1230 -- प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदल्त णिक्तियों का प्रयोग करने हुए. केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्घ बैंक और सिडिकेट बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात :⊸–
- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :--(1) इन नियमों का नाम नेत्रवती ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम 1985 គੈ ।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की नारीख़ से लाग होंगे।
- परिभाषा : इन नियमों में, जब तक कि मंदर्भ में अन्यया अपेक्षित न हो.--
 - (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है ।
 - (ख) ''बैंक'' से नेवयती ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।
 - (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जी इन नियमों प्रयुक्त है और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके अधि-नियम में हैं।
- बोर्ड के अधिवेशनों की न्यनतम संख्या :--एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- 4. अधिवेशनों का संयोजन :--अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधियेशनों का स्थान :--बोर्ड के अधियेशन वैंकः के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिष्टित करे।

- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची :---(1)(क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान है अध्यक्ष द्वारा विनिष्चित किया जायेगा।
- ्ष) योर्ड के अधियेशन के लिए प्रत्येक निदेशक की अधियेशन की तारीख़ से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेंगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस विभिन्न विनिधिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूत्रना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदंशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नही किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बृताना आयश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :--(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम में कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके । लिए अधिवेणन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख में 21
 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।
- 6. बोर्ड के अधिवेणन के लिए गणपूर्ति निदेणकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की. इनमें से जो अधिक हो, होगी।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में बिचार-बिमर्ण में भाग लेने के अथवा मन देने में अनमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होते के कारण अधिवेणन का स्थगन :— यदि बोर्ड का अधिवेणन, गणपूर्ति न होते के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेणन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अथकाण-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अथकाण-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतः स्थिगित हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगित अधिवेशन
में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिसतारीख्र
तक के लिये अधिवेशन स्थिगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक
को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति नहोंने के कारण उसतारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 15. परिचालन द्वारा कारबार ——(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश थे. भी बोर्च द्वारा किये जाने क्षाले कारबार की कामजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गर्ये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा कमना है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गतं परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबढ़ किये हो, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्ध हार होगा माना ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा वितिष्टिन किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोई द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्तारकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है सा उस परिचालन परिणाध से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा।
- (5) कागबों के परिचातन द्वारा किसी प्रण्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिनेख के लिये अगते अधिवेशत में रखा जायेगा।
- 11. कारबार के अभिलेख :---(1)(क) बार्ड के अधि-वेशनों के कार्यवृतों को पृस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पण्चात् कार्यवृत्त पृस्तक कहा गया है) में रखा जायेगा ।
- (ख) कार्षवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशका, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, इतरा आद्यक्षारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी ' पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीश्च इन कार्यवृत्तीं की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगीः।
- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालत द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक से उसकी प्रतिष्टि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे ।
- (5) अधिवेणनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्य-वाहियों का साध्य होंगे ।

[सं. एक. 12-5/85-आर. आर. बी. (७)]

- S.O. 1230.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Netravati Grameena Bank (Meeting of Board) rules, 1985.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions: In these rules, unless the context otherwise reulres-
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Netravati Grameena Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the lead office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a):— The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not fess than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, than the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for warr of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorusa.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

1672GI/84—4

- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors,
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business.—(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shalf be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

No. F. 12-5/85-RRB(7)

- का. आ. 1231---प्रादेशिक ग्रामीण वैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सिडिकेट बैंक के परासर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :--
- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम वराडा ग्रामीण वैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम 1985 हैं।
 - (2) ये राजपत में प्रकाशन की तारीख से लाग होंगे।
- परिभाषा : इन नियमों में, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो,—;
 - (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
 - (ख) "बैंक" से वराडा ग्रामीण बैंक अभिन्नेत है।
 - (ग) ऐसे गब्दों और पढों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधि-नियम में परिभाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या:—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- अधिवैणनों का संयोजन —अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :—-बोर्ड के अधिवेशच बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

- 6. अधिवेशन की सूचना तथा काग्यार की सूची :—— (1)(क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के अधियेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधियेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके छारा इस निमित विनिर्दिष्ट पने पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेंगी।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेणन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेणन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं देदी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येकनिदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सुचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :--(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों में मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन वुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8. बोर्ड के अधिवेणन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अधिवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेणन का स्थान — यदि बोर्ड का अधिवेणन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेणन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजितक अवकाण-दिन हो, तो उसमें अगले दिन, जो सार्वजितिक अवकाण-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वत: स्थिगत हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निवेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख़ तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार :--(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार

- को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत हारा अनुमोदित किया जा चुका हों, जिन्होंने अपने विचार नेखबढ़ किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबढ़कार होगा मानो ऐसा कारवार अधिवेणन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत हारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस नारीख को पारित किया गया भाना जायेगा जिस दारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्ष्यरकर्ता ने हस्ताक्षर विधे हों।
- (4) यदि कोई भामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से संभी निदेशकों की संसूचित किया जायेगा।
- (5) कागजों के परिचायन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 1). कारबार के अभिलेख :—(1)(क) बोर्ड के अधिवेणनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, हारा आद्यक्षारिन या हस्ताक्षारित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर नारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के चात् यथाणीध्र इन कार्यवृक्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी ।
- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्षं द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।
- (5) अधिवेक्षनों के ये कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उगर्बंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें प्रभिनिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एक. 12 - 5/85 -आर. आर. बी. (8)]

- S.O. 1231,—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Varada Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
 - (2) They shall come into force on the date of their publi-

- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Varada Grameena Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a).—The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
- (d) No bus ness, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher:

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who bave recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the fast signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinalter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circufation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be Γ^{\dagger} is d before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB(8)]

- का. आ. 1232—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के परामर्ण से, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :---
- मंक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—-(1) इन नियमों का नाम जूनागढ़ अमरेली ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1985 हैं।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा :--इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो--
 - (क) "अधिनियम" से प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 23) अभिप्रेत है।
 - (ख) ''बैंक'' से जूनागढ़ अमरेली ग्रामीण बैंक अभिष्रेत है।
 - (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

- 4. अधिवेशनों का संयोजन :-अधिवेशनों का संयोजन क्षोडं के अध्यक्ष हारा किया जामेगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के अधिवेशन वैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधियेशन की सूचना तथा कारबार की सूची :---(1)(क) बोर्ड के प्रत्येक अधियेगन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की नारीख से साधारणतः कम में कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त अूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बृलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की महमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं वे दी गयी है।
- (2) बिंद बोर्ड का आपात अधिवेसन बुलाना आवस्यक हो तो प्रत्येक निद्धेमक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की शारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी:
- परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपधांध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी ।
- 9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवशन का स्थगन :—
 यिव बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो
 सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान
 एवं समय के लिए, अथवा यिव वह दिन सार्वजनिक अवकाणदिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाणदिन हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतः
 स्थिगत हो जायेगा ।

- परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थिगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्तिन होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।
- 10. परिचालन द्वारा कारबार:---(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेणकों (भारत से वाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्हींने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकार होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेणन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस नारीख़ को पारित किया गया माना जायेगा जिस हारीख़ को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा ।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधि-वेशन में रखा जायेगा ।
- 11. कारबार के अभिलेख :--(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्ह इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अधवा निदेणक, जिसने अधिवेणन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यक्षारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेणन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा-शीध्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक की भेजी जाएंगी ।
- (3) जब कोई कारबार कागजों के परिचासन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे ।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य होंगे ।
 - [सं. एफ-12-5/85/आरआरबी (9)]

- S.O. 1232.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of Saurashtra, hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Junagad Amreli Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Junagad Amreli Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a).—The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarify be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher:

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day, which is not a public holiday, at the same time and place:

- the powers conferred by ral Banks Act, 1976 (21 of adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.
 - 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
 - (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
 - (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the bu iness.
 - (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors,
 - (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
 - 11. Records of business.—(1) (a).—The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinalter referred to as the Minutes Book).
 - (b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
 - (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
 - (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
 - (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
 - (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB (9)]

- का श्रा . 1233. -- प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया के परामर्ण से निम्न-ढ़्विलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :--
 - 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:--(1) इन नियमों का नाम मुशिंदाबाद ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम 1985 है।
- (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे ।
- परिभाषा :---इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--
 - (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधि-नियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है ।
 - (ख) ''वैंक'' से मुणिदाबाद ग्रामीण बैंक अभिन्नेत है ।

- (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रमुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधि-नियम में परिभाषित हैं वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. त्रोर्ड के अधिवेणनों की न्यूनतम संख्या:--एक वर्ष में वोर्ड के कम से कम छह अधिवेणन होंगे और हर निमाही में कम से कम एक अधिवेणन होंगा।
- अधिवेशनों का संयोजन :--अधिवेशनों का संयोजन बीर्ड के अध्यक्ष ब्रारा किया जायेगा ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य भार्यालय में अथवा अधिसूचिन केंद्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची :——
 (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एखं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिध्चित किया जायेगा ।
- (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह् विन की मूचना दी जायेंगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित विनिद्दिष्ट पने पर भेजी जायेंगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारवार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेंगी ।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमित के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारवार के वारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेणन बुलाना आवण्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. वोर्ड का विशेष अधिवेशन :---(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेणकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख रो 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेणकों की कुल संख्या केएक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी :

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन :—
यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं
हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन,
उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन
सर्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो
सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो , उसी समय और उसी
स्थान के लिये स्वत: स्थगित हो जायेगा :

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिति अधि-वेशान में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, बहां अध्यक्ष् जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थिगत हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार :---(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दें, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागओं के परिचालन द्वारा निदेणकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिक्ष) को निदिष्ट किया जा सकता है।
- (2) काई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार देशबद्ध कियें हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्ध-कार होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिध्चित किया गया हो ।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारिन किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम के सभी निदेशकों को संसुचित किया जायेगा ।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभो निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 11. कारबार के अभिलेख :—(।)(क) बोर्ड के अधि-वैणनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पण्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा ।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक की हर पृष्ठ, यथास्थिति अध्यक्ष अथया निदेशक जिसने अधियेणन की अध्यक्षता की हो, इारा आद्यक्षारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधियेणन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अस्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेणन की समाप्ति के पण्चात् यथा-णीध्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक की भेजी जायेंगी ।
- ं (3) जब, कोई कारबार कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये सो इस प्रकार किये गये कारबार के

अभिलेख को अध्यक्ष द्वारा हम्नाक्षरित किया जायेगा और कार्यकृत पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृक्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे ।
- (5) अधिवेंगनों के वे कार्यवृत्त, जो उन नियमों के उपबंधों के अनुभार रखे आयेंगे, उनमें अभिलिखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य होंगे ।

[सं. एक 12-5/85~आर. आर. बी-(10)]

- S.O. 1233—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 11), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Murshidabad Gramin Bonk (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions :-In these rules, unless the context otherwise requires-
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Murshidabad Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board :--The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings:—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings:—The meetings of the Board shall be hold at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business .—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board .—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by hins from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the
- meeting is required to be called.

 (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.... A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

<u> 2007 - Augustin Grand, 1982 - Propinsion (1982 - </u>

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum .—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and hinding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business .—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to us the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of precings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB(10)]

का. ग्रा. 1234: — प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक आफ इंडिया के प्रामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. मंक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :--(1) इन नियमों का नाम हजारीबाग क्षेत्रीय ग्राम्ह्रिण बैंक (बोर्ड के अधि-वेणन) नियम 1985 हैं।

- (2) ये राजपत्र में प्रशाशन को तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा :---इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,----
 - (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधि-नियम, 1976 (1976 का 21) अभिषेत है ।
 - (ख) ''बैंक'' से हजारीबाग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभि-प्रेन है ।
 - (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं है किन्तु अधि-नियम में परिभाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके प्रधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :- एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम मे कम एक अधिवेशन होंगा ।
- 4. अधिवेशनों का संयोजन :—-अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :---बोर्ड के अधिवेशन बैंक के स्कृत कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अक्ष्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची :---(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा ।
- (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्र विनिर्दिश्ट पन पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की भूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगो ।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमित के बिना तब तक नही किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्योप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी ।
- 7. बांर्ड का विशेष अधिवेशन :--(1) अध्यक्ष, इस प्रयाजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।

- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।
- 8 बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी ।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में ६ बिजार-विसर्श में भाग तेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी ।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थान :— यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अथकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अथकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वत: स्थागत हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधि-वेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिम तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधियेशन नही हुआ ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार :—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (शास्त से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अंतर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबढ़ किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबढ़-कर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिसतारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर विये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा ।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर दिये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा ।

- 11. कारबार के अभिलेख:——(1) (क) बोर्ड के अधिवेणनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, हारा आद्यक्षारित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा-शोझ इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी ।
- (3) जब कोई कारवार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारवार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायगे ।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनसे अभिलिखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एक०12-5/85-आर आर बी (11)]

- S.O. 1234.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Hazaribagh Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions:—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Hazaribagh Kshetriya Grangin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board :—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings:—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings :—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide
- 6. Notice of meeting and list of business:—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
 - 1672GI/84-5

- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board .—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meetings:—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section (4 of the Act any director & anable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum .—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (A) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business .—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB(11)]

- का.धा.1235—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त गित्यों का प्रयोग करते द्रुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक आफ इंडिया के परामर्ण से निम्नलिश्वित नियम बनाती है, अर्थात् :—
- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :---(1) इन नियमों का नाम इन्दौर-उज्जैन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम 1985 है।
- (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में लागू होंगे।
- 2. परिभाषा :--इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो---
 - (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधि-नियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है ।
 - (ख) "बैंक" से इन्दौर-उज्जैन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है ।
 - (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधि-नियम में परिभाषित हैं वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3 बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा ।
- 4. अधिवेशनों का संयोजन :---अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के अधिवेणन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:——
 (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा ।
- (ख) बोर्ड के अधियेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधियेशन की तारीख में साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमिन्न विनिर्दिष्ट पते पर भेजी आयेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारवार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायगी।

- (घ) उस कारबार के सियाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदंशकों की ब्रहुमंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व मूचना, दी जायेगी ।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :——(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होंने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिमके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जी अधिक हो, होगी ।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन :यदि श्रीर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण महीं
हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन,
उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन
सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो
सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी
स्थान के लिये स्थतः स्थिगित हो जायेगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थिगत अधि-वेजन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थिगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार :--(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुममत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विश्वार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेश कों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस नारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर श्रान्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा ।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्नपर किये गये सभी निर्णयों को श्रिभिलेख के लिये श्रगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 11- कारबार के श्रिक्षिय :- (1) (क) बोर्ड के श्रिधियेणनों के कार्यवृतों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्ते पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा । (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, ययास्थिति, श्रध्यक्ष अथया निवेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो द्वारा आद्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अन्निलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा शीध्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निवेशक को भेजी जायेंगा।
- (3) जब कोई कारबार या कानजों के परिचालन द्वारा किया जायें तो इस प्रकार किये गये कारबार के ऑल्-लेख, की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षिरित किया जायेगा और कार्य-वृत्त पुस्तक में उसकी प्रविध्टि की जायेगी।
- (4) प्रस्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अंगल अधिवेशन में रखें आयेंगे।
- (5) अधिवेशनों के वे मार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें असिलिखित कार्य वाहियों का साक्ष्य होंगे ।

[सं. एफ॰ 12-5/85-आर. आर. बी(12)]

- S.O. 1235.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Bank of India hereby makes the following rules, namely :—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indore Ujjain Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions:—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Indore-Ujjain Kshetriya Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

- 3. Minimum number of meetings of the Board .—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings:—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the neetings:—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business:—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board .—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required t_0 be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher:

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum .—If a meeting of the Board coulo not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not picsent at a meeting adjourned for want of quotum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copie₅ of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB(12)]

- का. आ. 1236:—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनातों है, अर्थात्:—
- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:--(1) इन नियमों का नाम पाटिलपुत ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1985 हैं।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से लागू होंगे।
- 2. परिष्या :--हन निथमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यया अपेक्षित न हो,--
- (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 को 21) अभिनेत है।
 - (ख) ''बैंक'' से पाटिलपुत्र ग्रामीण बैंक अभिन्नेत है।
- (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन निधमों में प्रयुक्त है और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनिधम में परिभाषित है वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनिधम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: --एक वर्ष में बोर्ड के कम संकम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाई। में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- अधिवेशनों का संयोजन :—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक द्वारा किया जायेगा ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षे में किसी ऐसं अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:--(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिध्चित किया अधिवेश। ।

- (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रःयेक निदेशक को अधिवेशन को तारोख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दो जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमिक्त विनिर्दिष्ट पते पर भेजा जायेगी।
- (ग) अधिवेणन में किये जाने के लिए प्रस्ताधित कार बार की सूची उक्त सूचना के साथ हो परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सुचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दा जायेगा ।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा जिसके लिए अधिवेणन बुलाने की अपेक्षा की गर्या है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर हां बुलाया जायेंगा ।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी:
- परन्तु जहां इस अधिनियम को धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधि-वेशन में विचार विमर्श में भाग लंगे के अथवा मंत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तान को होगा।
- 9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थान:— याद बोर्ड का अधिवेशन गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाण दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाण दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्थत: स्थिगत हो जायेगा:

परन्तु जह गणपूर्ति न होने के कारण स्थाित आधिवेशन
में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख
तक के लिये अधिवेशन स्थाित हो, उससे पूर्व उस निदेशक
को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस
तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारवार :——(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारवार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (कारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारवार जिसे उपनिथम (1) के अन्त-गीत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहु-मत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिष्टिचत किया गया हो ।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना अधेगा जिस तारीख को उस मामले पर ग्रान्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) अदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संस्वित किया आयेगा।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा दिस्ते प्रश्न पर विध्ये गये सभी निर्णयों को अध्यिख के लिये अनले अधिवेशन में रखा जायेगा ।
- 11. कारबार के अधिने स्वार के अधिने वोर्ड के अधिने वेशनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्ता पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा ।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन को अध्यक्षता की हो द्वारा आद्याक्षरित या हस्ताक्षारित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन को कार्यवाहियों के अधिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डालो जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समान्ति के पश्चात् यथा शोझ इन कार्यवृत्तों की प्रतिथां प्रत्येक निदेशक की भेजी जायोगी।
- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये क रवार के अभिलेख को अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत पुस्तक में उसकी प्रविष्टि को जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे ।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एफ॰ 12-5/85-आर. आर. बी (13)]

- S.O. 1236.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Patliputra Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions .:--In these rules, unless the context otherwise requires---
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Patliputra Gramin Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meaings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board:—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings:—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings :—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business:—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the 'Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board .—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the cate of receipt of the requisition.
- 8. Quotum for a meetings:—A quorum for a meeting of the Board shall be one third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum .—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day, which is not a public holiday, at the same time and place:—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who sent from India) by circulation of papers.

- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business .—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, us the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceeding recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB(13)]

का.आ.1237—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और न्यू बैंक ऑफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात :---

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:——(1) इन नियमों का नाम अम्बाला कुल्क्षेत्र ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1985 हैं।
 - . (2) ये राजपछ में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा:---इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,---
 - (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
 - (ख) ''बैंक'' से अस्थाला करूओल ग्रामीण वैंक अभिप्रेत है।
 - (ग) ऐसे मब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या :--एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही से कम एक अधिवेशन होंगा ।

- 4. अधिवेशनों का संयोजन:—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।
- 5. अधिवेशनों का स्थान:—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिध्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची:——
 (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिष्टिचत किया जायेगा ।
- (ख) बोर्ड के अधियेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधियेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उतके द्वारा इस निमित विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधियेशन में किये जाने के लिए प्रस्ताबित कार-बार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (घ) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गई है।
- (2) यदि बोर्ड का आपत अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निवेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन:—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विभार-विमर्श में भाग लेने में अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी ।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थान :—
यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो
सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान
एवं सभय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाणदिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाण-

दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतः स्थगित हो जायेगा ।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेणन
में कोई निदेशक अनुपस्थिति रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस
नारीख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस
निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण
उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार:——(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार तेश्वबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहु- मत द्वारा विनिश्वितं किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से मभी निदेशकों की संसूचित किया जायेगा।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा ।
- 11. कारवार के अभिलेख :--(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वार आयक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा-शीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जार्येगी।
- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यदृत्त प्रसक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी ।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे ।

(5) अधिवेणनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्य-षाहियों का साक्ष्य होंगे ।

[सं०एफ० 12-5/85 आरओरकी (14)]

- S.O. 1237.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and New Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ambala Kurukshetra Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions:—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Royal Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Ambala Kurukshetra Gramin Bank,
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meaning, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board :—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings:—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings:—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business:—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board .—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than tour directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meetings :—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum --If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:--

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute auorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shalf be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business .—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 12-5/85-RRB(14)]

- का.आ. 1238:--प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त कितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :---
- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम यवतमाल ग्रामीण वैंक (बोर्ड के अधिवेंशन) नियम 1985 है।
 - (2) ये राजपत में प्रकाणन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा: —इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित नहो—
 - ्(क) "अधिनियन" से प्रादेणिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
 - (ख) "बैंक" से यवतमाल ग्रामीण बैंक अभिग्रे1.

- (ग) ऐसे णब्दो और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिमाधित नहीं हैं किन्तु आंधिनियम में परिमाधित है बहा अर्थ है, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में वोर्ड के क्या से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- अ. हिन्देननों का संयोजन: --अ. विवेशनों का संयोजन योर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया आर्नेशा।
- 5. अधिवेणनों का स्थान: बार्ड के अधिवेणन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिस्चित क्षेत्र में कितो ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिष्चित करें।
- 6. अधिवेणा की सूचना तथा कारवार की सूची: --(1) (क) बोर्ड के प्रत्यक अधिवेणन का समय एवं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिध्चित किया आयेगा ।
- ै (ख) बोर्ड के आधिबेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधि-वेशन की तारांख से साधारणतः कम मे कम पन्द्रह दिन की सूचना दो अधेगः और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निभित्त विनिद्धिट पते पर भेजी जायेगी।
- (भ) अधिनेशन में विधी आने के लिए प्रस्तावित कारवार की नुवी उक्त सूचन के साथ ही परिवर्णलत की जियेगी।
- (घ) उस कारवार के सिनाय जिसके लिए अधिवेशन वलाया गथा है, फोई अन्य कारवार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों को बहुतंख्या की सहमति के बिना तन तक नहा किया जायेश। अब तक कि उस कारवार के नारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गया है।
- (2) प्रदि बोर्ड का अपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्मेक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सुचना दी जायेगो।
- 7. वोर्ड का विशेष अधिवेशन: ——(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने को अपेक्षा की गर्या है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने को तारीख से 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपवंध के कारण कोई निदेणक बोर्ड के अधिवेशन में विचार विमर्श में भाग नेने के अथता मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गगपूर्ति न होने के कारण अधिवेणत का स्थान: — यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण गहा हो सका हो तो अधिवेशन अगल सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाण-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाण-दिन हो, उसी समय और उसा स्थान के लिये स्वतः स्थान हो जायेगा।

परन्तु जहां भणपूर्ति न होने के कारण स्थामित अधिवेशन में फोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस नाराख तक के लिये अधिवेशन स्थमित हो, उससे पूर्व उस निवेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस नाराख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिवालन द्वारा करिबार: (1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाल कारबार को काशों के परिवालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिश्ट किया जा सकता है (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिवालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विवार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनायवार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनायवार किया गया हो।
- (3) परिकालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस नारीख को पारित किया गया माना आयेगा जिम तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मःमना परिचालिन किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संभूचित किया जायेगा।
- (5) कालजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये समा निर्णयों की अभिलेख के लिये अभले अधिवेशन में रखा लायेला।
- 11. कारबार के अभिलेख: --(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृतों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत पुस्तक कहा गया हो) में रखा आधीगा।
- (ख) कार्यवृत पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथया निदेशक, जिसमें अधिवेणन की अध्यक्षता की हो, हारा आयक्षिरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेणन की कार्यकाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा सोध इन कार्यवृक्षों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी आर्येगी।
- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया आये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख 1672GI/84—6

- का अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृक्ष पुस्तक में उसका प्रविष्टि की जायेगी।
- (4) प्रस्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

ं [सं. एफ़. **↓**2--5/85—आरआर क(ि (15)]

- S.O. 1238.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Central Bank of India hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement .—(1) These rules may be called the Yavatmal Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions :--In these rules, unless the context otherwise requires--
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Yavatmal Gramin Bank
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board .—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings :—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meeting:—The meetings of the board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business:—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along-with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board —(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting .—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher.

Provided that where by meson of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act, any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum:—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation:—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record
- 11. Records of business .—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who preside at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

-[No. F. 12-5/85-RRB(15)]

- का.आ. 1239:---प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शवितयों का प्रयोग करते हुए, तेन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व वैंक और स्टेट जैंक ऑफ हैदराबाद के परामर्ण से निम्निलिखत नियम बनाती है, अर्थान् :---
- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: ——(1) इन नियमों का नाम गोलकंडा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेणन) नियम 1985 हैं।
 - ं (2) ये राजपव में प्रकाणन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

- (क) "अधिनियम" से पादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिन्नेत है।
 - (ख) "बैक" से गोलकंडा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।
 - (ग) ऐंगे अब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधि-नियम में परिभाषित हैं वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: —एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होंगा।
- 4. अधिवेशनों का संयोजन: ——अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिमूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधिवेशन की सूचना तथा कारवार की सूची: —— (1) (क) बोई के अत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिध्चित किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रहःदिन की सूबना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूबना उसके द्वारा इस निमित विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारतार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।
- (प) उस कारबार के सिवाय जिसके लिए अधिवेशन वुलाया गया है, कोई अन्य कारबार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारबार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं दे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।
- 7. बोर्ड का विगेष अधिवेशन: --(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।
- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की लागीख से 21 न के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8 बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें मे जो अधिक हो, होगी

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: — यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगने सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाण-दिन हो, तो उससे अगने दिन, जो सार्वजनिक अवकाण-दिन हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतः स्थगित हो जायेगा:

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्यगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्यगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार:——(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत हारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहत हारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस ख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदि कोई मामला परिचालित क्रिया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जामेगा।
- (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 11. कारबार के अभिलेख: ——(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों को कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।
- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यक्षित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के ग्रंतिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
 - (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथा-

शीघ्र इन कार्यवृशों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेंगी।

- (3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख को अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रक्षिष्ट की जायेगो।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अधि-वेशन में रखे जायेंगे।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे. उनमें अभिलिखिन कार्य-वाहियों का साक्ष्य हांगे।

[सं. एफ. 12-5/85-आर आर बी (16)]

- S.O. 1239.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural-Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of Hyderabad hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement —(1) These rules may be called the Golconda Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions:—In these rules, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976).
 - (b) "bank" means the Golconda Grameena Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board .—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings :- Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Vanue of the meetings:—The meetings of the board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business:—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.
- (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board —(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

- (2) The requisiton shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting .—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of directors or four whichever is higher:

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum :—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:—

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want or quorum, the Chairman shall before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation:—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of Papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Board who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business:—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

INo. F. 12-5/85-RRB(16)1

का.आ1340.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शिंतियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के परामर्ण से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: -- (1) इन नियमों का

नाम श्रीराम ग्रामोण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन,) नियम 1985 हैं।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. परिभाषा: ——इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो——
 - (क) "अधिनियम" से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
 - (ख) "बैंक" से श्रीराम ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।
 - (ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधि-नियम में परिभाषित हैं वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।
- 3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छह अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।
- 4. अधिवेणनों का संयोजन: अधिवेणनों का संयोजन बीर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।
- 5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी अन्य ऐसे स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।
- 6. अधिवेशनों की सूचना तथा कारबार की सूची:—
 (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान
 अध्यक्ष द्वारा विनिष्चित किया जायेगा।
- (ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जायेगी।
- (ग) अधिवेशन में किये जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की · जायेगी ।
- (घ) उस कारवार के सिघाय जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है, कोई अन्य कारवार अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों की बहुसंख्या की सहमति के बिना तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उस कारवार के बारे में अध्यक्ष को एक सप्ताह की लिखित सूचना नहीं वे दी गयी है।
- (2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दे जायेगी।
- 7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन: --- (1) अध्यक्ष, इस् प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

- (2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधियेशन बुलाने की अपेक्षा की गयी है।
- (3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख मे 21 दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।
- 8. बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति निदेशकों की कुल संख्या के एक तिहाई या चार की, इनमें से जो अधिक हो, होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेणन का स्थगन: — यदि बोर्ड का अधिवेणन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन सार्व-जिनक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्व-जिनक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतः स्थगित हो जायेगा:

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधि-वेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष जिस तारोख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारोख को अधिवेशन नहीं हुआ।

- 10. परिचालन द्वारा कारबार: --(1) यदि अध्यक्ष ऐमा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारवार को कींगेजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।
- (2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आबद्धकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।
- (3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उमी तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।
- (4) यदिकोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जायेगा।
- . (5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रण्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।
- 11. कारबार के अभिलेख : (1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों को पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जायेगा।

- (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अंतिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।
- (2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पण्चात् यथाणी ह्य इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायें
- (3) जब कोई कारवार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारवार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविध्टि की जायेगी।
- (4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।
- (5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिलिखित कार्य-वाहियों का साक्ष्य होंगे।

[सं. एफ. 12-5/85-आर आर क्षी (17)] घ. वा. मीरचंदानी, निदेशक

- S.O. 1240.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of Hyderabad hereby makes the following rules, namely):—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Srirama Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1985
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :--
 - (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act. 1976 (21 of 1976),
 - (b) "bank" means the Srirama Grameena Bank.
 - (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.
- 3. Minimum number of meetings of the Board,—The Board shall hold at feast six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.
- 4. Convening of meetings,--Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.
- 5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.
- 6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.
 - (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
 - (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated alongwith the notice.
 - (d) No business, other than that for which the meeting was convened, shall be transacted at a meeting of

- the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the Directors present unless one week's notice of such business has been given in writing to the Chairman.
- (2) Where, it is necessary to call an urgent meeting of the Board, a notice of not less than seven days shall be given to each director.
- 7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
 - (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
 - (3) The meeting shall be called not latter than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.
- 8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total number of cirectors or four whickever is higher:

Provided that where by reason of the provision of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a maeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date of which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

- 10. Business by circulation, -(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chaiman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by such number of directors as are necessary to constitute quorum for a meeting of the Bourd who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors precent at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shalf be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- t5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.
- 11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the necetings of the Board shall be kept in book (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last rage of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such ninutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business 's transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Matters Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings tent in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings reported therein.

[No. F. 13.5 85 RRB(17)] C. W. MIRCHANDANI, Director समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क, मध्य प्रदेश र्इंदौर, 1 जनवरी, 1985

अधिसूचना सं. 12/84

का. आ. 1341 — अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर निम्नलिखित निरीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (च.श्रे.) ने उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथियों को अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिये हैं:—

| कम सं. | 31 | विकारी | का | नाम | तैनाती | स्थान | कार्य ग्रहण की | भार करने तिथि |
|-----------|----|-------------------|----------------|------|-----------------------------------|----------------|----------------------|----------------------|
| | | सर्वश्री | • | , | , | | | |
| | 1. | आर.र्प | ो. मुर | गन | अधीक्षक, रें (भिलाई | | | 10-84 पूर्वाह्न) |
| | 2. | एन . डी | . बसंग | दानी | अधीक्षक, इंदौर | रेंज- V | | ·10-84 पूर्वाह्न) |
| | 3. | डी. वी | े. सिंह | [| अधीक्षक , कुम्हार्र | | | ·11-84 f(病) |
| | 4. | एस. वे | ⊼. रॉ ट | ī | अधीक्षक (परीक्षा), कार्याल | ` | (अष | 12-84 गराह्न) |
| | | | | | [प . सं | . II (a | 3) 5-ग | ीप/84] |

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE COLLECTORATE: HEADQUARTERS

(Madhya Pradesh)

Indore, the 1st January, 1985

NOTIFICATION No. 12/1984

S.O. 1241.—Consequent upon their promotion as Superintendert Central Excise, Group 'B' the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superintendent, Central Excise, Group 'B' with effect from the date as shown against each:—

| S. Name of the Officer No. | | Place of Posting | Date of Assumption of Charges | |
|-------------------------------|----------------|---|-------------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | |
| | S/Shri | | | |
| 1. | R. P. Murgan | Superintendent, Range-IV, Bhilai. | 19-10-84(FN) | |
| z · | N.D. Basandani | Superintendent, Range-V, Indore. | 16-10-84(FN) | |
| 3. | D.V. Singh | Superintendent, Range, Kumhari. | 16-11-84(FN) | |
| 4. | S.K. Rao | Superintendent (Audit), Hqrs.Office Indore. | 3-12-84(AN) | |

[C. No. II(3) 5-Con/84]

केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क समाहर्तालय, मध्य प्रदेश इन्दौर, 28 फरवरी, 1985 अधिसुचना सं. 2/85

का. आ. 1243. — अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क समूह 'ख' के पद पर पदोन्तत होने पर श्री एस.सी. दुवे, निरीक्षक, केन्द्रीय-उत्पाद मुल्क (च.श्रे.) ने अधीक्षक, (लेखा परीक्षा), केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क, मुख्य कार्यालय, इन्दीर के पद पर दिनांक 22/12/84 के पूर्वाह्न से कार्यभार ग्रहण कर लिये हैं।

[प . सं . II (3) 5-गोप/84/1131] एस० के० घर, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M. P.

Indore, the 28th February, 1985 NOTIFICATION NO. 2/85

S.O. 1242.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri S. C. Dubey, Inspector, Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent (Audit), Central Excise, Hqrs. Office, Indore on 22-12-84 (FN).

[C. No. II (3)5-Con/84/1131]

S. K. DHAR, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 मार्च,1985

का. श्रा. 1243.—निर्पात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) श्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एनद्द्वारा मेंढक की प्रशीतित टांगों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1979 में संशोधन करने के लिए और धागे निम्नलिखित नियम बनाती है:—

- (1) इन नियमों का नाम प्रशीतित टांगों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संगोधन नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. मेंढक की प्रशीतित टांगों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1984 में—
- (1) नियम 3 में—-णीर्षक "घ. निरीक्षण की प्रक्रिया" के अंतर्गत, पैरा (1), उप-पैरा (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रर्थान्:—-
- "(क) इन नियमों के श्रधीन निरीक्षण के प्रयोजन के लिए, एक कोड एक नियंत्रण यूनिट का गठन करेगा";
- (2) उपाबंध- Π में—(क) मद 1 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रयति:—
 - "1, मेंढफ की टांगें दो प्रकार की होंगी, ग्रर्थात्:—

- (i) इनका गुलाको और भूरे सहित सफोदया देत. प्रेव (ii) नीला,
 - (व) उप-पैरा, (ii) में---"एफ ई.एल" जहां कहीं भी लागू हो "एफ एफ एल" जहां कहीं भी लागू हो" पढ़ा जाएगा।

[मिसिल सं. 6(10)/77-ई आई एण्ड ई पं] एन. एस. हिन्हिरन, निदेशक

पाद टिप्पण:---

का.भा. 1890 तारीख 9-6-1979 का.आ. 92 तारीख 14-1-1984

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 23rd March, 1985

- S.O. 1243.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Frozen Froglegs (Quality Control and Inspection) Rules, 1979 namely:—
- 1 .(1) These rules may be called the export of Prozen Froglegs (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1985;
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2. In the Export of Frozen Froglegs (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1984.—
 - (1) in rule 3, under the heading "D. Procedure of Inspection," in paragraph (i), for sub-paragraph (a) the following shall be substituted, namely:—
 - "(a) For the purpose of inspection under these rules, one code shall constitute a control unit";
 - (2) In Annexure-II.—(a) in item 1, for the brackets, letters and words "(ii) light blue" the brackets, letters and word "(ii) blue" shall be substituted;
 - (b) in sub-paragraph (ii), for the letters "FEL" the letters "FFL" shall be substituted.

[F. No. 6(10)]77-EI&EP] N. S. HARIHARAN, Director

Foot Note:

S.O. 1890 dated 9-6-1979. S.O. 92 dated 14-1-1984.

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय) मद्रास, 5 दिसम्बर, 1984

आदेश

विषय: गर्बश्री पी. एम. मीरा हुसेइन एण्ड कंपनी, 150, वेगेरी हाई रोड, मद्रास-3 को बफ काफ स्किन्स के 30,360 टुकड़े को निर्यात करने के लिए जारी किये गये लाइमेंस संख्या 020437 दिनांक 9-5-1984 की रद्दीकरण आवेश।

का. आ. 1344 — सर्वश्री पी. एम. मीरा हुसेइन एण्ड कंपनी, 150, वेपेरी हाई रोड, मद्रास-3 को बफ काफ स्किन्स के 30,360 ट्रकड़े को निर्यात करने लाइसेंस संख्या 020437 दिनांक 9-5-1984 जारी किया गया था। लाइसेंसधारी ने

उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इसलिए आवेदन किया है कि उक्त लाइगेंस सर्वश्री भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड, मद्रास से पंजीकृत करवाये विना खो दी गयी है अथवा अस्थानस्थ हो गयी है। वफ काफ स्किन्स के 30,360 टुकड़े की निर्यात के लिए अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में -आवेदक ने अधिवक्ता ग्रापथ-अधिकारी, मद्रास तथा जन लेख्य प्रमाणक, सेलम के सम्मुख विधिवत ग्रापथ लेकर एक ग्रापथ-पन्न दाखिल किया है।

अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि बफ काफ स्किन्स के 30,360 टुकड़े के मूल लाइमेंस संख्या 020437 दिनांक 9-5-1984, भारतीय राज्य व्यापार निगम, मद्रास ने पंजीकृत करवाये बिना खो दी गयी है अथवा अस्थानस्य हो गयी है और आदेश देता है कि आवेदक को अनुलिपि प्रति जारी किया जाए। लाइमेंस संख्या 020437 दिनांक 9-5-1984 की मूल प्रति एतद्दारा रह किया जाता है।

[फा. सं. डी आर/977/ईडीसी]

ही. एस. नर्रासहेया, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports)

Madras, the 5th December, 1984

ORDER

Subject: Order of cancellation of licence No. 020437 dated 9-5-1981 for export of 30,360 pieces of Buff Calf Skins issued in favour of M/s. P. M. Mecra Hussain & Co., 150, Vepery High Road, Madras-3.

S.O. 1244.—M|s. P. M. Meera Hussain & Co., 150, Veperv High Road, Madras-3 were granted a licence. No. 020437 dated. 9-5-1984 for export of 30,360 pieces of Buff Calf Skins. They have applied for duplicate copy of licence as the original is stated to have been lost/misplaced, without registering with M/s. State Trading Corporation of India 1 d. Madras. The quantity for which the duplicate copy has been applied for is 30,360 pieces of Buff Calf Skins.

In support of their contention the applicant has filed an effidavit on stamped paper duly sworn in before the Advocate, Commissioner for Oaths, Madras and Notary, Salem.

I am satisfied that the original licence No. 020437 dated 9-5-1984 for 30,360 pieces of Buff Calf Skins has been lost misplaced without registering with the State Trading Corporation of India Ltd., Madras and a duplicate copy of the licence is being issued to the applicant. The original licence No. 020437 dated 9-5-1984 is hereby cancelled.

[F. No. DR/977/EDC]
D. S. NARASIMHIAH, Dy. Chief Controller
of Imports & Exports
for Joint Chief Controller of Imports & Exports

उद्योग और कंपनी कार्य मंद्रालय (कंपनी कार्य विभाग) नई दिल्ली, 14 मार्च, 1985

का.श्रा. 1245.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी (केन्द्रीय सरकार) साधारण नियम और प्ररूप, 1956 के नियम 5क के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, श्राय-कर श्रधिकारी समूह 'क' गोहाटी को कंपनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 108 की उपधारा 1क के खंड (क) के प्रयोजनों के लिख विहित प्राधिकारी के रूप में नियस करती है।

[फा .सं . 5/2/84-सी.एल-V] ए० एम० चक्रवर्ती, उप सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
(Department of Company Affairs)
New Delhi, the 14th March, 1985

S.O. 1245.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 5A of the Companies (Central Government's) General Rules and Forms, 1956, the Central Government hereby appoints the Income-tax Officer, Group 'A', Gauhati, as the prescribed authority for the purposes of clause (a) of sub-section (1A) of section 108 of the Companies Act,

[File No. 5/2/84-CL. V]
A. M. CHAKRABORTI, Dy. Seey.

इस्पात, खान और कोयला मंद्रालय (कोयला विभाग) नई दिल्ली, 2 मार्च, 1985

1956 (1 of 1956).

का. आ॰ 1316:—केन्द्रीय संग्कार को यह प्रतीत है कि इससे उपावक्ष अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने को संभावना है ;

अतः, केन्द्रीय संग्कार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं राजस्व/83/84 तारीख 10 मई, 1984 का निरीक्षण सेंट्रल कोल फील्डम लिमिटेड, (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउम, रांची के कार्यालय में या जिला मजिस्ट्रेट, धेन कनाल (उड़ीसा) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1-काऊंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाजी भूमि में हितवड़ सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्ष्णों, चार्टी और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, सेंट्रन कोलफील्डस लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को भेजेगा।

अनुसूची

ब्राह्मणी ब्लाक

तालचर कोलफील्ड (उड़ीसा)
पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित सूमि

| ऋ. मं० ग्राम | थाना | उप्रमंडल | थाना सं. | जिला | क्षेत्र | टिप्पणियां |
|----------------------------------|--------------|------------|----------|-----------|---------|------------|
| 1 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | | | • | घेन | | |
| 1. पदमावतीपुर | कोलियरी | नालचर | 34 | कनाल | 43.13 | भाग |
| - - | तालचर | | | | | |
| 2. राकास | 11 | " | 92 | ,, | 294,50 | भाग |
| अल्ह्दानगरः | n | " | . 93 | 11 | 293.00 | भाग |
| बृन्दावनपुर | 1) | 7) | 94 | 11 | 104.65 | सम्पूर्ण |
| 5. यदुनाथपुर | 11 | 11 | 103 | ** | 160.00 | भाग |
| विलोचनपुर | " | 71 | 104 | ,,, | 27.00 | सम्पूर्ण |
| 7. कान्धाल | \vec{n} | ,, | 105 | ,, | 1464,00 | सम्पूर्ण |
| 8. मानिकमरा | " | 11 | 110 | 11 | 30.00 | भाग |
| 9. कान्कींल | '1 | . 11 | 119 | 77 | 130,00 | भाग |
| 10. स्काटलैंडपुर | 11 | 11 | 132 | 71 | 55.00 | भाग |
| 11. विद्याधरपुर | 11 | 17 | 135 - | 11 | 71.00 | सम्पूर्ण |
| 12. रामोलपुर | " |) T | 136 | 13 | 12.00 | स्र∓पूर्ण |
| 13. वनमालीपुर | 77 | ,, ii | 137 | " | 57,00 | स∓पृणं |
| 14. दणरथीपुर | , | j j | 138 | ,,, | 8.00 | भाग |
| 15. जेंगुटिया | 21 | 71 | 139 | 11 | 26.00 | भाग |
| 16. तालबेदा | " | " | 140 |) T | 217,00 | भाग |
| 17. एकादशीपुर | 7, | 11 | 141 | " | 151.00 | सम्पूर्ण |
| 18 दयानिधिपुर | " | " | 142 | 1) | 25.00 | भाग ै |
| 19. डब्लीन | m_{γ} | " | 143 | ,, | 91.00 | सम्पूर्ण |
| 20. दुलारपुर | ,, | *** | 145 | *,, | 30.00 | स∓पूर्ण |
| 21. आनन्दपुर | 11 | ** | 146 | <i>51</i> | 52,77 | सम्पूर्णं |
| 2.2. बार्लुगा <mark>खा</mark> मर | 11 | J j | 147 | 33 | 273,00 | भाग |
| 23. मदनमोहनप्र | *1 | ,, | 148 |)+ | 200.00 | भाग |
| 24. अनादिपुर |) ī | 11 | 149 | 1) | 152.00 | सम्पूर्ण |
| 25. नरहरिपुर | 77 | ", | 150 | 1) | 540.00 | सम्पूर्ण |
| 26. जिलिठ . | 11 | 11 | 151 | 17 | 646.00 | सम्पूर्ण |
| 27. खांडुअल बहाल | n | ,,, | 152 | ,, | 93.00 | सम्पूर्ण |
| 28. हंसमृल | ", | 1) | 153 | ,, | 954,00 | भाग |
| 29. अम्बामुंडा | | 17 | 154 | ,, | 45.00 | भाग |
| ₃₀ . नकुलवासपुर | , | ,, | 155 | 11 | 16.00 | भाग |
| 31. लोंगीजोडा | 71 | 11 | 156 |),)1 | 65.00 | भाग |
| 32. बालुंगा रायती | , , , , , | 71 | 158 |);); | 5.00 | भाग |
| 33 मानिक गोडा | " | " | तालचेर | ,, ,, | 3.00 | भाग भाग |
| , | | | र्नगर | ,, | 5.00 | *11*1 |
| | | | पालिका | | | |

| 1456 | THE GA | ZETTE OF INDIA: MAR | CH 23, 1985 | /CHAITRA 2 | , 1907 | [PART II | Sec. 3(ii)] |
|---------------------|----------|---------------------|---------------|-------------------|------------------------|----------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 34. कान्धाल | | कोलियरो तालयर | तालचर | E | निकनील | 105.00 | भाग |
| 35 पतुरिया | • | ,,, | " | | 17 | 28,00 | भाग |
| 36. कृत्रिवार | सपुर | " | 1) | | 71 | 50.00 | सम्पूर्ण |
| 37. कृ ष्णाच | न्द्रपुर | , 11 | " | 144 | 11 | 93.00 | सम्पूर्ण |
| 38 प्रमोद १ | प्रसाद | *) | " | 134 | ,, | 70.00 | भाग |
| | | | 0.00 | 5,05 एकड़ (° | _ _ लगभग) | | |
| • | | યુ .લ | क्षेत्र : 663 | ठ.∪ठए,कड़ (सर | લ ગમ ગ <i>)</i> | | |

या

2685.07 हेक्टेयर (लगभग)

| सीमा वर्णन: | |
|--------------|--|
| क∸ख | रेखा पद्मावतीपुर ग्राम की पश्चिमी सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है। |
| ख- ग | रेखा पद्मावतीपुर, राकास, अल्हदानगर. हंसमूला ग्रामों से होकर जाती है और "ग" विन्दु पर मिलती है । |
| ग्-भ-ङ | ग्खा, हंसमूला, अम्बामुंडा, नकुलवासपुर, लौगीगोडा, बालुंगा रायती, बालुंगा खामर, तालाबेदा, गेंगुटिया ग्रामों से होकर जाती है और "ङ" बिन्दु पर मिलती है। |
| ङ –•ध | रेखा गेंगुंटिया, मानिक गोड़ा, तालबेदा, दशरथी ग्रामों से (जो देउसवरा कोलियरी की सीमा के सार्थ सम्मिलित सीमा बनाती है) होकर जाती है और ''च'' बिन्दु पर मिलती है। |
| ৰ-ভ | रेखा दशरथी, प्रमोद प्रसाद, स्कॉटलेंडपुर, कांकिल ग्रामो से होकर जाती हैं और "छ" बिन्दु पर मिलती है। |
| ন্ত-জ | रेखा कांकिल, दयानिधिपुर, मानिकमारा, यतुरिया (आर. एफ.), कान्धाल (आर. एफ.) और यदुनाथपुर ग्रामों से होकर जाती है और "ज" बिन्दु पर मिलती हैं। |
| ज–क | रेखा वंगरुजोरा की केन्द्रीय रेखा के भाग के साथ-साथ (जो यदुनाथपुर ग्राम की पूर्वी सीमा और नरहरिपुर, जिलिदा. खांडुअल-वहल, हंसमूला, अल्हदानगर, वृन्दावनपुर, राकस और पद्मावतीपुर ग्रामों की उत्तरी सीमा भी है) जाती है "क" बिन्दु पर मिलती है। |

[सं. 43019/15/84-सी. ए.]

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL (Department of Coal)

New Delhi, the 2nd March, 1985

S. O. 1246.—Whereast it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition an Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan No. Rev/83/84 dated the 10th May, 1984 of the area covered by this notification can by inspected at the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the Office of the District Magistrate, Dhenkanal (Orissa) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

BRAHMANI BLOCK TALCHER COALFIELD (ORISSA)

Lands notified for prospecting

| Serial Village No. | Police Station | Sub-Division | Thana number | District | Area Remarks |
|-----------------------|---------------------|--------------|-----------------|-----------|--------------|
| 1 2 | 3 | 4 | | 5 | 6 |
| 1. Padmabatipur | Colliory Talcher | Talcher | 34 | Dhenkanal | 43.13 Part |
| 2. Rakus | ,, | 12 | 92 | 17 | 294.50 Part |
| 3. Alhadanagar | 79 | 71 | 93 | | 293.00 Part |

| <u> </u> | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-------------------------------|------------------|--------------|--------------|----------|---------------------------|
| 4. Brundabanpur | Colliery Talchar | Talch; r | 94 | Dhankand | ·· ·· - ·-···- |
| 5. Jadunathpur | " | " | 103 | | 104.65 Full |
| 6. Trilochanpur | | " | 103 | " | 160.00 Part |
| 7. Kandhal | | | 104 | ,, | 27.00 Full |
| 8. Manikamara | | ** | 110 | ,, | 1464.00 Fall |
| 9. Kankil | | 21 | | ** | 30.00 Part |
| Scatlandpur | | ** | 119 | " | 130.00 Part |
| 11. Bidyadharpur | | 71 | 132 | 27 | 55.00 Part |
| 12. Rasolapur | | " | 135 | " | 71.00 Full |
| 13. Banamalipur | | ** | 136 | 12 | 12.00 Full |
| 14. Dasarathipur | | " | 137 | *1 | 57.00 Full |
| 15. Gengutia | | ** | 138 | ** | 8.00 Part |
| 16. Talabeda | | ** | 139 | *) | 26.00 Part |
| 17. Ekadasipur | | ", | 140 | *** | 217.00 Part |
| 18. Dayanidhipur | | ", | 141 | 1, | 151.00 Full |
| 19. Dubline | | 79 | 142 | *1 | 25.00 Part |
| 20. Dullarapur | | ,, | 143 | 1, | 91.00 Full |
| 21. Anandapur | | ,, | 145 | 1, | 30.00 Full |
| 22. Balunga Khamar | | " | 146 | " | 52.77 Full |
| 23. Madan Mohanpur | | ** | 147 | ts. | 273.00 Part |
| 24. Anadipur | | ** | 148 | 11 | 200.00 Full |
| 25. Naraharipur | | ** | 149 | 19 | 152,00 I-uil |
| 26. Jillinda | |) 1 | 150 | ,, | 540.00 Full |
| 7. Khandual Bahal | | 70 | 151 | 11 | 646.00 Full |
| 8. Hensamula | | ** | 152 | 17 | 93.00 Full |
| 9. Ambamunda | | ٠, | 153 | ** | 945.00 Part |
| 0. Nakulbasapur | | ** | 154 | ** | |
| | | " | 155 | 73 | · • - |
| Longijoda Balunga Rayati | | ** | 156 | | 16.00 Part |
| | | ,, | 158 | T 7 | 65.00 Part |
| 3. Manikagoda | | 34 | Talcher | ,, | 5.00 Part |
| C. Read Harly D. Tills | | | Manicipality | • | 3.00 Part |
| 4. Kandhal (R. F.) | | 11 | | | 105.00 |
| 5. Paturia (R.F.) | | ** | | ** | 105.00 Part |
| 6. Krutibaspur | | 11 | | 1) | 28.00 Part |
| 7. Krushna Chandrapur | | ,, | 144 | ", | 50.00 Full |
| 8. Pramoda Prasad | > 1 | ** | 134 | 71 | 93.00 Full |
| | | , " " | . 134 | ** | 70.00 Part |

Boundary description ;

F-G

G-H

H---A

line passes along the part western boundary of village Padmabatipur and meets at point 'B'. A-- B B-C

line passes through villages Padmabatipur, Rakas, Alhada Nagar, Hensamula and meets at point 'C'.

lines pass through villages Hensamula, Ambamunda, Nakulbasapur, Longijoda, Balunga Rayati, Balunga Khamar, Talabeda, Gengutia and meet at point 'E'. **C**—**D** −€ E - F

line passes through villages Gengutia, Manikagoda, Talabeda, Dasarathipur (which also forms part common boundary with Deulbera Colliery) and meets at point T.

line passes through villages Dasarathipur, Pramoda Prasad, Scotlandpur, Kankil and meets at point 'G'.

line passes through villages Kankil, Dayanidhipur, Manikamara, Paturia (R. F.), Kandhala (R.F.) and Jaduna-

line passes along the part Central line of Bangaru Jore (which are also eastern boundary of village Jadunathpur and northern boundary of villages Naraharipur, Jillinda, Khandual Bahal, Hensamula, Alhadanagar, Brundabanpur, Rakas and Padmatipur) and meets at point 'A'.

[No. 43019/15/84-CA]

का. आ. 1247:--केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत **के राजपत्न भाग 2, खंड** 3, उपखंड (ii) तारीख 19 मार्च, 1983 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1564 तारीख 1 मार्च, 1983 द्वारा उससे संलग्न अनुसूची में तथा इससे संलग्न अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 2230.00 हैक्टर (लगभग) या 5510.33 एकड़ (लगभग) माप की भूमि की बाबत कोयले का पूर्वीक्षण करने के अपने आंशय की सूचना दी थी ;

और, उक्त भूमि की वाबत उक्स अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई थी ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए 18 मार्च, 1985 में प्रारंभ होने वाली एक वर्ष की और अविध को ऐसी अविध के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दे सकती है।

अनुसूची पथखेड़ा पश्चिमी ब्लाक सं. 1 पथखेड़ा कोलफील्ड्स जिला बैत्ल (मध्य प्रदेश)

| क्रम सं. ग्राम | पुलिस चौकी सं. | नहमील | जिला | क्षेत्र हैंक्टर टिप्पणियां |
|--------------------|-------------------|---------------|----------|----------------------------|
| 1. मोभापुर | 23 | बै तल | बैतूल " | 100.00 भाग |
| 2. छत्तरपुर | 23 | बैतूल | बैतूल | 1202.00 सम्पूर्ण |
| 3. केरिया उमरी | 23 | बैन्ल | बैतूल | 620.00 सम्पूर्ण |
| 4. सालैय्या | 24 | बै तूल | बैतूल | 110.00 भाग |
| 5. बोगडोना | 23 | बैतूल | बैतूल | 195.00 भाग |
| 6. एम. पी. ई. बी. | <u></u> | बं त्ल | बैनूल | 3.00 भाग |
| | | | | |

कुल क्षेत्र : 2230.00 हैक्टर (लगभग) या 5510.33 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन:

क-ख रेखा, ग्राम बागडोनो से होकर एम पी ई बी की रेल साइडिंग भूमि की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है . और बिन्दु ''ख'' पर मिलती है।

ख--ग रेखा, ग्राम बागडोना और आरक्षित वन की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और फिर ग्राम बाग-डोना से होकर जाती है और ग्राम छलरपुर और बागडोना की सम्मिलित सीमा पर बंदु "ग" पर मिसती है।

ग–घ रेखा, ग्राम छत्तरपुर और बागडोना की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और ग्राम बागडोना और शोकापुर की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-ड-च रेखा, कोयलाधारक क्षेत्र (अर्जन और जिकास अधिनियम, 1957 को धारा 9 (1) के अधीन अजित पथखेड़ा ब्लाक 111 की पश्चिमी और उत्तरों मीमा के साथ-साथ जाती है, देखिए अधिसूचना का० आ० सं. 2017 तारीख 9 सितम्बर 1978 और बिन्दु ''च'' पर मिलता है।

च⊸छ⊸ज⊸झ रेखा, तवा नदी को मध्य रेखा के माथ साथ जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलतो है ।

म्न— ज्ञा रेखा, ग्राम केरिया उमरो और आरक्षित बन की सम्मिलित सोमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "হা" पर मिलतो हैं।

क-ट-2-ड रेखा, ग्राम केरिया उमरो और सार्लेय्या को सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और ग्राम सार्लेय्या तथा बागडोना में से होकर आर्राम्भक बिन्दु ''क'' पर मिलतो है।

[मं. 19/79/82-सी. एल./मी ए]

S.O. 1247 - Where is by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, (Department of Coal) No. S.O 1564 date if the 1st March, 1983 under sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) published in Part-II, section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 19th March, 1983, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 2230:00 hectares (approximately) or 5510.33 acres (approximately) in the locality specified in the Schedule appended thereto as also in the Schedule hereto annexed;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (i) of Section (7) of the said Act has been given;

Naw, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (i) of section 7, of the said Act, the Central Government hereby specific, a further period of one year commencing from the 18th March, 1985 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

PATHAKHERA WESTERN BLOCK NO. I PATHAKHERA COALFIELD

| | | | • |
|----------|-------|---------|----------|
| DISTRICT | BETUL | (MADHYA | PRADESH) |

| SI, Village | P.C. No. | Tehsil | District | Aras in hectares | Romarks |
|----------------|----------|--------|----------|------------------|---------|
| Ло. | | | | | |
| I. Sobhapur . | 23 | Betul | Betul | 100,00 | Part |
| 2. Chhattarour | 23 | Betul | Betul | 1202.00 | Full |
| 3. Keria Umri | 23 | Betul | Betul | 670.00 | Full |
| 4. Salaiva | 24 | Betul | Betul | 110.00 | Part |
| 5. Bagdona | 23 | Betul | Betul | 195.00 | Part |
| 6, M.P.E.B. | | Betul | . Betul | .3.00 | Part |

Total Area: 2230, 00 hectares (approximately)
OR 5510.33 acres (approximately).

BOUNDARY DESCRIPTION:

- A -B Line passes through village Bagdona along southern boundary of MPLB's railway siding land and meets at point 'B'.
- B = C Line passes partly along the common boundary of village Bagdona and reserve forest and again passes through village Bagdona and meets at common boundary of villages Chhattarpur and Bagdona at point 'C'.
- C-D Line passes partly along the common boundary of villages Chhattarpur and Bagdona and partly along the common boundary of villages Bagdona and Shobhapur and meets at point 'D'.
- D-E-F Line passes along the western and northern boun ary of Pathakhera Block III acquired under section 9(1) of the Coap Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O.No. 2017 dated the 9th September, 1978 and meets at point 'F'.
- F-G-H-I Line passes along the central line of River Tawa and meets at point 'I'.
- p-J Line passes along the common boundary of village Keria-Umari and reserve forest and meets at point 'y'
- J-K-L-M-A Line passes partly along the common boundary of villages Keria-Umri and Salaiya and proceeds through villages Salaiya and Bagdona and meets at the starting point 'A'.

[No. 19/79/82-CL/CA]

का. अ. 1248 -- केन्द्रीय राग्णार को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपायह अनुमूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए आमें की मंजावता है,

अतः, केन्द्रोय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसक्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आणय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अबीन जाने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्व/90/84 दिनांक 19 मई, 1984 का निरीक्षण सेन्ट्रल कोल-फ़ील्ड्स लिमिटेड, (राजस्य अनुजार) दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय में या कलक्टर, सीधी (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1 कार्जन्सल हाउस स्ट्रोट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधोन आने वाली भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उक्त आधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टी और अन्य दस्तायेंजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अनुभाग, मेन्ट्रल कोलफोल्डस लि., दरभंगा हाउस, रांची को भेजेगा ।

> ं अनुसूचो बिनौलो ब्लाक सिंगरौली कोलफील्ड्स जिला सोधी (मध्य प्रदेश)

पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि:

| %म, ग्राम सं. | तहमील | | — | भेन दि | प्पणियां |
|------------------|---------------------------------------|-------------|---------|--------|----------|
| 1 2 | . 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. विनीला | — — — — — — — — — — — — — — — — — — — | 170 | मीघो | 205.00 | भाग |
| 3. इंटबा | | • <u>,,</u> | _ " _ ~ | 105.00 | भाग |

| 1 | 460 |
|---|-----|
| | |

| 1 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|----------------------------|------------------|-------|---------------|------------|---------------------------|
| 3. घोरीला कला | सिंगरोलिः | 170 | : सोधा | 75.00 | · · |
| 4. घोरीली खुर्द |) 1 | " | 11 | 45.00 | 47.1 |
| 5. नवा नगर | 1) | 1) | 11 | 25.00 | भाग |
| 6. माजन कला | 7) | ,,, | 1) | 230.00 | ाग |
| 7. माजन खुर्द | 11 | 11 | 11 | 180.00 | भाग |
| 8. कचनो | 17 | " | 17 | 460.00 | 1ग |
| 9. नीगढ़ | 1) | " | 11 | 205.00 | . 121 |
| (०. अमलौरो | " | ,, | " | 145.00 | भाग |
| 1. पारासीना | 71 | 11 | 11 | 375,00 | क्रीम. |
| 2. प्रडानिया | 11 | 11 | n | 87.91 | सम्पूर्ण |
| देवारी | \boldsymbol{n} | , ,,, | 11 | 349,22 | स्म्पूर्ण |
| .4. जिना ह र | 11 | 71 | , | 140.00 | भाग |
| 5. राजवंध · | · n | 11 | " | 75,00 | भाग |
| 16. लूरी | " | " | 11 | 102.00 | भाग |
| .7. काजन | 11 | 13 | 11 | 307.00 | भाग |
| 8. गोदाहरा | " | 11 | . 17 | 588,40 | सम्पूर्ण |
| 9. पोडो नौंगई | ** | ,, |) τ | 946.23 | सम्पूर्ण |
| 0. राजा सराय | " | ,, | 11 | 514,20 | सम्पूर्ण |
| ा. ठेकी | 1) | 1.) |) t | 193.71 | सम्पूर्ण |
| 2. तेलदह | ** | 11 | ,, | 235.00 | भाग |
| 3. दिनघो | , , | 7 7 | 11 | 478.03 | सम्पूर्ण |
| 4. पिपराञ पापी | J 1 | " | 1) | 995,00 | सम्पूर्ण |
| 5. बंघेला | . 11 | "1 | 7) | 340.00 | सम्पूण |
| 6. पंचलोरा |) 1 | 11 | ,,, | 185.00 | भाग |
| 7. गडासा | " | 11 | 11 | 510.00 | भ(ग ' |
| • | | , | नुल क्षेत्र ∗ | 8096.70 | ————— কুর (লগ ণ |
| 4 | | | या | 3276.57 हे | |

| सीमा वर्णनः— | |
|----------------|--|
| पर –ख | रेखा, नेलइह, गडासः और पिपराज पापी ग्रामीं से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है। |
| ख् ⊶ग | रेखा, पियराज पापा और बधेला प्रामी में होकर जाता है और बघेला, पोड़ा चीनाई ग्रामी का दक्षिणा सोमा के पूरा के साथ-साथ चलकर बिन्यु ''ग'' पर मिलता है। |
| गघ | रेखा, काजन, लूरो, राजबंध, जिनाहर, परनौना, कबनो, माजन खुर्द, पंचखोरा ग्रामों से होकरढेको ग्राम को दांकणी और पूर्वी सीमा के साथ-माथ और बिनौनो ग्राम की दक्षिणी सीमा के माध जातो है और बिन्दू "घ" पर मिनती है। |
| घ⊸ङ | रेखा, बिनौली ग्राम की भागतः पूर्वी सीमा के साथ-साथ जातो है और विन्दु ''इ'' पर मिलतो है। |
| ङ-च | रेखा, ब्रितौतो, इटका, घोरौलो कता, घरौको खुर्द और नवानगर अर्थात् (निघई ब्लाक को सम्मिनित सीमा क খান के साथ-पाथ) जातो है और बिन्दु ''च'' पर मिलतो है। |
| খ~ ত ~র | रेखा, नवानगर, माजन कता, कचनी, नौगढ़ और अमलौरी ग्रामों से होकर (अर्थात् अमलौरी ब्लाक की सम्मि- लित सीमा के भ्राग के साथ-साथ) जातो है और बिन्दु ''ज'' पर मिलतो है। |
| ज∽झ | रेखा, नदी को मध्य रेखा के साथ-साथ (अर्थात् अमलीरो प्राप्त को दक्षिणो सीमा के भाग के और चोकरा ग्राप्त की दक्षिणी ग्रीमा के साथ-साथ जो मुहर ब्लांक की सम्मिलित सीमा का ाग भी बनाति हैं) जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलता है। |
| भ —क | रेखा नदी को मध्य रेखा के भाग के साथ-साथ होकर पोड़ी नौगाई, राजा सराय की उत्तरों सीमा और तेलदह ग्राम के भाग के साथ-साथ जाती है और आर्राम्मक विन्दु 'क' पर मिलती है। |

[फ़ा. सं. 43019/25/84-सी. ए.] समय सिंह, अवर सचिव S.O., 1248 - Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therfore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Deve lopment) Act, 1957 (20 of 1947), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan No. Rev/80/84 dated the 19th May, 1984 of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Central Coalfiels Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the Office of the Collector, Sidhi (Madhya Pradesh) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Section, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 day from the date of the publication of this notification in the official Gazette.

SCHEDULE BINAULI BLOCK Singrauli Coalfield District Sidhi (Madhya Pradesh)

Lands notified for prospecting

| Sl. Village No. | Tehsil | Teshsil No. | District · | Area | Remarks |
|----------------------------------|-------------|-------------|------------|---------------|----------------|
| 1 - | . 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. Binauli | Singrauli . | 170 | Sidhi | 205.00 | Part |
| 2. Itwa | ' 91 | ** | ** | 105.00 | Part |
| Ghorauli Kala | " | 1) | ** | 75.00 | Part |
| Ghorauli Khurd | ** | ·,** | ** | 45.00 | Part |
| 5. Nawa Nagar | " | ** | ** | 25.00 | ' Part |
| 6. Majan Kala | ** | ** | ** | 230.00 | Part |
| 7. Majan Khurd | ** | ** | - ,, | 180.00 | Part |
| 8. Kachani | ** | ** | ** | 460.00 | Part |
| 9. Naugarh | ** | ** | ** | 205.00 | Part |
| 10. Amlori | ** | ** | ** | 145.00 | Part |
| 11. Parasauna | ** | ** | ** | 375.00 | Part |
| 12. Padaniya | ** | ** | ** | ,87.91 | Full |
| 13. Dewari | ?, | ** | ** | 349.22 | Full |
| 14. Jinahar | ** . | ** | ** | 140.00 | Part |
| 15. Rajbandh | ** | ** | ,, | 75.00 | Part |
| 16. Luri | , ,, | ** | ,, | 102.00 | Part |
| 17. Kajan | " | " | " | 307.00 | Part |
| 18. Godahara | ** | " | ** | 588.40 | Full |
| 19. Podi Naugai | ` ** | ** | 99 | 946.23 | Full |
| 20. Raja Sarai | ** | ,, | ** | 514.20 | Full |
| 21. Dheki | ** | " | ,, | 193.71 | Full |
| 22. Teldah | 79 | " | ** | 235.00 | Part |
| 23. Digghi | . ** | ** | ** | 478.03 | Full |
| 24 Piparaj Papi | ** | ** | ** | 995.00 | Full |
| 25. Bughela | ** | " | ** | 340.00 | Full |
| 26. Pachkhora | ** | ** | ,, | 185.00 | Part |
| 27. Gadasa | , | ** | ** | 510.00 | Part |
| | | Total Area | | 8096.70 acres | (approximately |

BOUNDARY DESCRIPTION

- A-B line passes through yillages Teldah, Gadasa and Piparajpapi and meets at point 'B'.
- B-C line passes through villages Piparajpapi and Bughela and passes along the part Southern boundary of villages Bughel, Podi Naugai and meets at point 'C'.
- C-D line passes through villages Kajan, Luri, Rajbandh, Jinahar, Parasauna, Kachani, Majan Khurd, Panchkhora, along the southern and Eastern bounary of village Dheki and along, southern boundary of village binauli and meets at point 'D'
- D-E line passes along the part eastern boundary of village Binauli and meets at point 'E'.
- E—F line passes through villages Binauli, Itwa, Ghorauli Kala, Ghorauli Khurd and Nawa Nagar, i.e. (along part common boundary of Nighani Block) and meet at point 'F'.
- F-H-G lines pass through villages Nawa Nagar, Majan Kala, Kachani, Naugarh and Amlori (i.e. along part common bounadry of Amlori Block) and meets at point 'H'
- H—I line passes along the Central line of the River (i.e. along the part Southern bounary of village Amlori and Southern boundary of Village Chokra (which forms also part common boundary of Muher Block) and meets at point 'I'.
- I.A line passes along the part central line of the River (along northern boundary of village Podi Naugai, Rajasarai and part of village Teldah and meets at starting 'point' 'A'.

3276.57 hectars (approximately)

पदालियम मंत्रालय

नई विल्ल:, 13 फरवरी, 1985

का. आ. 1249 : -- पनः कंन्द्रीय भरकार की यह प्रतिन होता है कि लोकहित में यह आयक्ष्यक है कि उत्तर प्रदेश में हमें रा-बरेल -- अगदी शपुन तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन भारत ये गैस प्राधिकरण ति. द्वारा विद्याई जानी चाहिए।

और याः प्रतान होता है कि ऐसः लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एनशुपाबद्ध अनुसूचः के वर्णिन भूमि में उपयोग का अधिकार अजिन करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम और खितिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) क. धारा 3 के उपधारा (1) द्वारा प्रवन्त गिनियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एनबुद्धारा घोषित किया है।

बलतें कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नंब पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग य - 58/ब , अलोगंज लखनऊ - 226020 यू. प. को इस अधिसूचना का सारच्य से 21 दिन के भानर कर सकेगा।

और ऐसा आंक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भा कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसका सुनवाई व्यक्तिगत घण से हो या किस विधि व्यवसाई क मार्फतः

अनुसूचं हाजिश—बरेल —जगदं मपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला | तहर्म, ल | पर्यना | ग्राम | गाटा भट | र्कवा | बिवरण |
|-------|-------------|---------|--------|---------|--------------------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | , 7 |
| | _ · | | | | —— . – वि.वि.वि | T. |
| बरेली | औवला | वन्तिया | टण्टा- | 788 | 0-4-16 | |
| | • | 1 | यामपुर | 787 | 0-6-0 | |
| | | | | 785 | 0-10-16 | į. |
| | | | | 784 | 0-0-6 | |
| | | | | 778 | 0-0-10 | |
| | | | | 775 | 0-1-4 | |
| | | | | 773 | 0-12-0 | |
| | | | | 767 | 0- 4- 4 | |
| | | | | 766 | 0-16-16 | i |
| | | | | 765 | 0-1-5 | |
| | | | | 764 | 0-1-10 | |
| | | | | 763 | 0~3~12 | |

[सं. **O**-14016/152/85-जं: पी.]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 13th February, 1985

S.O. 1249.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil ad Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aligani, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Barelly Jagdishpur Pipe line Project.

| 1 7 | 3 | 4 | 5 | | 6 | 7 |
|---------------|--------|--------|-------------|-----|---------|---|
| — — arelly | A wala | Baliya | Donta shyam | 788 | 0-4-16 | |
| u. Çi. | | | pur | 787 | 0-6-0 | |
| | • | | | 785 | 0-10-16 | |
| | | | | 784 | 0-0-6 | |
| | | | | 778 | 0-0-10 | |
| | | | | 775 | 0-1 | |
| | | | | 773 | 0-12-0 | |
| | | | • | 767 | 0-4-4 | |
| | | | | 766 | 0-16-16 | |
| | | | | 765 | 0-1-5 | |
| | | | | 764 | 0-1-10 | |
| | | | | 763 | 0-3-12 | |

[No. O-14016/152/85-GP]

नई विल्ली, 12 मार्च, 1985

का. भा. 1250: — यमः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा-बरेली से जगर्दाशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों की विख्याने के प्रयोजन के लिये एतदुपायद्व ग्रनुसूची में वर्णित भृमि में उपयोग का ग्रधिकार ग्राजित करना ग्रावश्यक है।

श्रतः, श्रवः, पेट्रोलियम श्रीर खानिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिधकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधकार श्रिजन करने का श्रपना श्रामय एनवृद्धारा धीयिस किया है।

बगानें कि उक्त भूमि में हिनबड़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए भ्राक्षेप मध्यम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक ग्रस भ्रायोग, एच बी.जे. पाईप लाईन 15, मुभाष नगर सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस श्रिधसूचना, की तारीख़ से 21 दिनों के भीनर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत। असुरानं.

प्रानु .

एच .बी .जे . गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम—वर्या तहसील—राघोगढ़ जिला⊸-गुना राज्य (मध्य-प्रदेश)

| भगुतूषा | |
|---------|------------------------------|
| | |
| | उपयोग भक्षिकार भ्रजंन का |
| | ல ிக (சீகசக் ப ்) |

| 事. | | क्षेत्र (हैक्टर्स में) |
|------|--------------------------|------------------------|
| | | |
| 1 | 12 | 0.178 |
| 2. | 14 | 0.010 |
| 3. | 16 | 0.052 |
| 4. | 17 | 0.021 |
| 5. | 18 | 0,324 |
| 6 | 20 | 0.073 |
| 7. | 29 | 0.300 |
| 8. | 38 | 0.031 |
| 9. | 39 | 0.073 |
| 10 | 43 | 0.088 |
| 1 I. | 45 | 0,273 |
| 12. | 46 | 0.409 |
| 13 | 140 | 0.157 |
| 14. | 144 | 0,209 |
| 15. | 145 | 0.167 |
| 16. | 146 | 0.343 |
| 17. | 191 | 0.031 |
| 18. | 205 | 0.438 |
| 19. | 209 | 0.031 |
| 20 | 210 | 0,531 |
| 21. | 215 | 0.179 |
| 22. | 216 | 0.083 |
| 23. | 217 | 0.361 |
| 24 | 218 | 0.606 |
| 25. | 225 | 0.031 |
| 26. | 44 | 0.011 |
| 27 | 142 | 0.011 |
| 28- | 37 | 0.021 |
| 29. | 13 | 0.011 |
| 30. | 5 | 0.011 |
| 31. | 4.2 | 0,031 |
| 3 2. | 2 4 — - | 0.031 |
| | योग : —कुल क्षेत्रफल | 5.126 |

[स. O-14016/143/85-जी पी.]

New Delhi, the 12th March, 1985

S.O. 1250.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent 1672 GI/84—8

Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Gas Pireline 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBI GAS PIPE LINE PROJECT

Village---Varya Tehsil---Raghogarh Distt.---Guna SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hec. |
|------------|------------|--|
| 1. | 12 | 0.178 |
| 2. | 14 | 0.010 |
| 3. | 16 | 0.052 |
| 4. | 17 | 0.021 |
| 5. | 18 | 0.324 |
| 6. | 20 | 0.073 |
| 7. | 29 | 0.300 |
| 8. | 38 | 0.031 |
| 9. | 39 | 0.073 |
| 10. | 43 | 0.088 |
| 11, | 45 | 0.273 |
| 12. | 46 | 0.409 |
| 13. | 140 | 0.157 |
| 14. | 144 | 0,209 |
| 15. | 145 | 0.167 |
| 16. | 146 | 0.343 |
| 17. | 191 | 0.031 |
| 18. · | 205 | 0.438 |
| 19. | 209 | 0.031 |
| 20. | 210 | 0.531 |
| 21. | 215 | 0.179 |
| 22, | 216 | 0.083 |
| 23. | 217 | 0.361 |
| 24. | 218 | 0.606 |
| 25. | 125 | 0.031 |
| 26. | 44 | 0.011 |
| 27. | 142 | 0.011 |
| 28. | 37 | 0.021 |
| :9. | 13 | 0.011 |
| 30. | 5 | 0.011 |
| 31. | 42 | 0.031 |
| 32. | 24 | 0.031 |
| • | TOTAL AREA | 5,126 |

[No. O-14016/143/85-GP]

का. घा. 1251. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीग बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भाग्तीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद अनुसूची में अणित भूमि में उपयोग अधिकार अजित करना झावण्यक है।

श्रतः, श्रवः, पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइप लाइन (भृमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रिजित करने का श्रपना शासय एनदेंद्वारा घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस भागोग, एच.की.जे. पाईप लाईन 45, सुभाष नगर सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस मधिसूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सुकेता।

भौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर ष्यनित विनिर्देश्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत — से हो या किसो विधि व्यक्सायी की सार्फत।

एच .श्री .जे . गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट ग्राम-बहराखेडी तहसील-राघोगढ़, जिला-गुना राज्य (मध्य-प्रदेश)

| प्रनुसूची प्रनु. खनरानं. उपयोग प्रश्निकार प्रजैन का | | | | |
|--|---|--|--|--|
| ख सरा नं. | जपयोग प्रश्निकार श्रर्जन का | | | |
| | तेख (हैक्टर्स में) | | | |
| 2 | 3 | | | |
| B3 | 0.021 | | | |
| 129 | 0.282 | | | |
| 149 | 0.035 | | | |
| 151 | 0.105 | | | |
| 155 | 0.010 | | | |
| 156 | 0,010 | | | |
| 157 | 0.157 | | | |
| 158 | 0.334 | | | |
| 159 | 0.052 | | | |
| 163 | 0.052 | | | |
| 164 | 0;063 | | | |
| 165 | 0.083 | | | |
| 166 | 0.031 | | | |
| 167 | 0.418 | | | |
| 189 | 0.063 | | | |
| 199 | 0.021 | | | |
| 200 | 0.188 | | | |
| 201 | 0.052 | | | |
| 202 | 0 031 | | | |
| 203 | 0.021 | | | |
| 205 | 0.105 | | | |
| 206/1 | 0,063 | | | |
| | 0.052 | | | |
| | 0.042 | | | |
| | 0.042 | | | |
| 207 " | 0.010 | | | |
| 208 | 0.335 | | | |
| 209 | 0.470 | | | |
| 211 | 0.107 | | | |
| | 0.550 | | | |
| | 0.157 | | | |
| | 0.428 | | | |
| 236 | 0.157 | | | |
| 238 | 0.052 | | | |
| | 0.052 | | | |
| 240 | 0.366 | | | |
| 191 | 0.042 | | | |
| योग:-—कल क्षेक्रफल | 5.059 | | | |
| | 2 63 120 149 151 155 156 157 158 159 163 164 165 166 167 189 199 200 201 202 203 205 206/1 206/2 207 भ में 207 207 208 209 211 215 232 235 236 238 239 240 191 | | | |

[सं. **O**-14016/144/85-जीवी]

S.O. 1251.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in

Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Gas Pipeline 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village-Vaharakhedi Tehsil-Raghogarh Distt.-Guna

SCHEDULE

| S.No. | Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hec. |
|-------|------------|--|
| 1. | 63 | 0.021 |
| 2. | 129 | 0.282 |
| 3. | 149 | 0.035 |
| 4. | 151 | , 0,105 , |
| 5. | 155 | 0.010 |
| 6. | 156 | 0.10 |
| 7 | Í57 | 0.157 |
| 8. | 158 | 0.334 |
| 9. | 159 | 0.052 |
| 10. | 163 | 0.032 |
| 11. | 164 | 0.063 |
| 12. | 165 | 0.083 |
| 13. | 166 | 0.031 |
| 14. | 167 | 0.418 |
| 15. | 189 | 0.063 |
| 16, | 199 | 0.021 |
| 17. | 200 | 0.188 |
| 18. | 201 | 0.052 |
| 19. | 202 | 0.031 |
| 20. | 203 | 0.021 |
| 21. | 205 | 0.105 |
| 22. | 206/1 | 0.063 |
| 23. | 206/2 | . 0.052 |
| 24. | 207 M.S. | 0.042 |
| | 207 M.S. | 0.042 |
| 26. | 207 M.S. | 0.010 |
| 27. | 208 | 0.335 |
| 28. | 209 | 0.470 |
| 29. | 211 | 0.107 |
| 30. | 215 | 0.550 |
| 31. | 232 | 0.157 |
| 32. | 235 | 0.428 |
| 33. | 236 | 0.157 |
| 34. | 238 | 0.052 |
| 35. | 239 | 0.052 |
| 36. | 240 | 0.366 |
| 37. | 191 | 0.042 |

DI O MANGEMANICE CID

TOTAL AREA

5.059

का,आ, 1252:----यतः केर्न्बच सरकार को यह प्रतंत होता है कि लोकहित में यह आयम्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हर्ज रा-बरेल से अगद शपुर तक पेटोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतेय गैस प्राधिकरण सि. द्वारा बिछाई जार्न∂ भाष्टिए;

और यत: यह प्रश्ने स हीता है कि ऐसं: लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद्ध अनम्बं में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और म्हनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा उकं उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आगय एतवृद्धारा घोषित किया है:

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नेंचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, नेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच.वी.जे. पाइप लाईन 45, सुभाष नगर, सांधेर रोडः उज्जैन 456001 (म.प्र.) को इस अधिमूचना की तारंख से 21 दिनों के भंतर कर सकेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति, विनिर्विष्टतः यह र्भः कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगन क्या से हो या किर्मः विधि व्यवसार्यः की भार्यतः।

अनुसूर्भः एज , बी, जे , गैस पाईप लाइन प्रोजेक्ट ग्राम कोटरा : तहर्स ल राघोगढ़ : जिला-गुना राज्य (मध्य-प्रदेश)

| अनु. क. | खसरा नं. | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में) |
|------------|---|---|
| 1. | 9 | 0.209 |
| 2 | 10 | 0.105 |
| 3. | 11 | 0.127 |
| 4. | 1 5/1 | 0.052 |
| 5. | 16 | 0.141 |
| 6. | 17 | 0.271 |
| 7. | 18 | 0.345 |
| 8. | 22 | 0.031 |
| 9. | 23 | 0 637 |
| 10. | 34 | 0.370 |
| 11. | 37 | 0.219 |
| 1 2. | 39 | 0.081 |
| 13. | 8 | 0.261 |
| | — — — — — — — — — — — — — — — — योगः - –– कुल क्षेत्रफल | 2.849 |

[सं. O-14016/145/85-जंपी]

S.O. 1252.-Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petrolcum from Hazira-Barielly to Jacdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the I and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Gas Pipeline 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.);

And every person making such an objection state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

| Village | K otara | Tehsil Raghogarh | Distt. Guna | | |
|---------|----------------|------------------|--|--|--|
| S.Ne. | Survey No. | | a to be Acquired R.O.U. in Hectares | | |
| 1. | 9 | | 0.209 | | |
| 2. | 10 | | 0.105 | | |
| 3. | 11 | | 0.127 | | |
| 4. | 15/1 . | | 0.052 | | |
| 5. | 16 | | 0.141 | | |
| 6. | 17 | | 0.271 | | |
| 7. | 18 | | 0.345 | | |
| 8, | 22 | | 0.031 | | |
| 9. | 23 | | 0.637 | | |
| 10. | 34 | | 0.370 | | |
| 11. | 37 | •1 | 0.219 , | | |
| 12. | 39 | | 0.081 | | |
| 13. | 8 | | 0.261 | | |
| | TOTAL AR | EA: | 2.849 | | |

[No. O-14016/145/-85-GP]

का. आ 1253:---यमः केन्द्रंय सरकार को यह प्रतंत होता है कि लोकहित में यह आव⊾यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हर्ग रा-बरेर्ल से जगर्द गपुर तक पेट्रोलियम के परिश्रहन के लिये पाइप लाइन भारत य गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतात होता है कि ऐसा लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद्ध अनुमूर्चः में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिल यःरना आवध्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (मृमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रिय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आगय एनदुद्वारा घोषित किया है :

बपार्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के र्सके पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकार, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच.र्व..जे. पाइप लाइन 45, सुभाष नगर सबिर रोड, उज्जैन 456001 (म.प्र.) को इस अधिसुचना, की तार्र खं से 21 विशें के भीतर कर सकेगा :

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भः कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूचे: एच .व/.जे. रीम पाइप ल(इन प्रोजेक्ट

ग्राम चेटावरी : तहस.ल राघोगढ : जिला गुना : राज्य (मध्य-प्रदेण)

| अनु. ऋ. | ख मरा नं, | | उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में) |
|------------|---------------------|---------------|---|
| 1. | 1/5 | | 0.314 |
| 2. | 1/6 | , | 0.031 |
| | योग:कुल क्षे | त्रफल विकल | 0.345 |

[मं. 0-14016-146/85-जीपीत]

फर

S.O. 1253.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Bareilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.);

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission H.B.J. Gas Pipeline 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Chetawari: Tehsil Raghogarh: Distt. Guna

| S.No | . Survey No. | Area to be Acquired for R.O.U. in Hectares |
|------|--------------|--|
| 1. | 1/5 | 0.314 |
| 2. | 1/6 . | 0.031 |
| | TOTAL AREA: | 0.345 |
| | | |

INo. O-14016/146/85-GPI

का. 31. 1254: ----यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हर्जारा-वरेजी--जगदीगपुर तक पेट्रोलियम के परिवह्त के लिए पाइपलाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिए ;

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतपुराबदा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है :

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के धारा 3 की उपयोग (1) द्वारा प्रवत्न मक्सियों को प्रयोग करने हुए, केन्द्रिय सरकार ने उम में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आमय एसंदुद्वारा बोधिन किया है:

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के तीच पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, बी-58/वी, अर्लागंज, लक्षानऊ-226020, यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा !

और ऐसा आक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाहका है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

अनुसूच हाजिरा-बरेर्ल-जगर्द.शपुर तक गैस पाइप लाइन विळाने हेतु

| | | | _ | | | |
|------------|---------|---------------|-----------|--------|-----|------------------|
| भा | तह्सं ज | परग्ता | ग्राम | गाटा | | क्षेत्रफल विषर्ण |
| | | | | संख्या | एकर | डिसमिल |
| - रुखा- | छिबरा- | ताल- | चिदा- | 1026 | 1 | 87 |
| ब(द | मऊ | ग्र ाम | सर | 1023 | 1 | 37 |
| | | | | 1014 | - | 23 |
| | | | | 1012 | | 22 |
| | | | | 1013 | _ | 21 |
| | | | | 1010 | _ | 15 |
| | | | | 1002 | | 28 |
| | | | | 1001 | _ | 25 |
| | | | | 1000 | _ | 21 |
| | | | | 1005 | _ | 09 |
| | | | | 999 | - | 03 |
| | | | | 902 | _ | 16 |
| | | | | 901 | _ | 17 |
| | | | | 897 | | . 28 |
| | | | | 898 | - | 21 |
| | | | | 896 | - | 10 |
| | | | | 917 | - | 60 |
| | | | | 854 | _ | 03 |
| | | | | 853 | - | 08 |
| | | | | 852 | - | 17 |
| | | | | 851 | - | 40 |
| | | | | 850 | _ | 22 |
| | | | | 846 | _ | 50 |
| | | | | 846 | _ | 0.4 |
| | | | | 849 | _ | 40 |
| | | | | 848 | - | 26 |
| | | | | 833 | _ | 01 |
| | | | | 834 | - | 03 |
| | | | | 843 | _ | 03 |
| | | | | 842 | _ | 1 5 |
| | | | | 841 | _ | 0.5 |
| | | | | 1003 | - | 01 |
| | | | | | | |

[सं. **O**--14016/147/85 ज.प]

S.O. 1254.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Bateilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gus Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land deserbed in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipalina from HAJIRA-BAREILLY--JAGDISHPUR
Project

| | Village | No. | ARE. Acd. 1 1 1 | | marks | जिला - फुरुखा- बाद | तहसील सदर फरुखा- बाद | परगना परमन- नगर |
|--------|----------|---|----------------------------------|--|---|--|--|--|
| Talgra | am Chias | 1023 1014 1012 1013 1010 1002 1001 1000 1005 999 | - t | 37 23 22 21 15 28 25 21 | | | फरखा- | |
| - | | 1023 1014 1012 1013 1010 1002 1001 1000 1005 999 | | 23 22 21 15 28 25 21 | | | फरखा- | |
| - | | 1012 1013 1010 1002 1001 1000 1005 999 | | 22 21 15 28 25 21 | | | फरखा- | |
| | | 1013 1010 1002 1001 1000 1005 999 | | 21 15 28 25 21 | | | फरखा- | नग₹ |
| | | 1010 1002 1001 1000 1005 999 | | 15 28 25 21 | | ••• | | |
| | | 1002 1001 1000 1005 999 | | 28 25 21 | | | 412 | |
| | | 1001 1000 1005 999 | | 25 21 | | | | |
| | | 1000 1005 999 | •• | 21 | | | | |
| | | 1005 999 | | | | | | |
| | | 999 | | ()9 | | | | |
| | , | | | | | | | |
| | | 902 | | 03 | | | ~ | |
| | | | | 16 | | | | |
| | | 901 | | 17 | | | | |
| | | 897 | | 28 | | | | |
| | | 898 | | 21 | | | | |
| | | 896 | _ | 10 | | | | |
| | | 917 | _ | 60 | | | | |
| | | 854 | | 03 | | | | |
| | | 853 | | 08 | | | | |
| | | 852 | | 17 | | | | |
| | | 851 | | 40 | | | | |
| | • | 850 | | 22 | | | | |
| | | 846 | _ | 50 | | | | |
| | | 847 | _ | 04 | | | | |
| | | 849 | | 40 | | | | |
| | | 848 | _ | 26 | | | | |
| | | 833 | _ | 01 | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | | _ | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | 1003 | · | 01 | | | | |
| | | [No. | 0-14 | 1016/14 | 7/85-GP1 | | | |
| | | | 834 843 842 841 1003 | 834 | 834 03 843 15 842 15 841 05 1003 01 | 834 — 03 843 — 15 842 — 15 841 — 05 1003 — 01 [No. O—14016/147/85-GP] | 834 03 843 15 842 15 841 05 1003 01 [No. O-14016/147/85-GP] | 834 — 03 843 — 15 842 — 15 841 — 05 1003 — 01 [No. O-14016/147/85-GP] |

का. भा. 1255 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भाषवयक है कि उत्तर प्रदेश में हुशीरा-वरेली-जगर्वाशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइन नावन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यत : प्रतित होता है कि ऐसी लाइतों को बिछासे के प्रयोजन के लिए एतदुपाश्रत भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का मधिकार भजित करता प्रावश्यक है।

श्राः भव पेशेलियम भीर खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का अर्जन) मधिनियस, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा भदल गक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का भ्रधिकार भजित करने का भ्रपना भ्रामय एतदुद्वारा श्रीपित किया है।

ं बगर्ते कि उपत भूमि में हितब; कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग वी-58/बीं, प्रायोगंत्र, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस प्रधिस्चना की तारीख से 21 विन के भीतर कर सकेगा।

भ्रीर ऐसा धाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्िटन यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यक्तमाई की मार्फत।

धनुसूची ः हाजिरा-वरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन विछाने हेन्

| जला | तहसील | परगना | ग्राम | माटा | क्षे श्र फल | विवरण |
|---------|--------|-------|-------|------------|--------------------|----------------------|
| | | | | संख्या | एकडे | डिस . |
| फरुखा- | सदर | परमन- | सिया | 12 | | 18 |
| बाद | फरुखा- | नग₹ | | 13 | 1 | 3.2 |
| | बाद | | | 2.1 | | 01 |
| | | | | 25 | | 01 |
| | | | | 28 | 1 | 10 |
| | | | | 48 | | 16 |
| | | | | 49 | | 60 |
| | | | | 50 | | 24 |
| | | | | 51 | | 01 |
| | | | | 53 | | 45 |
| | | | | 54 | | 30 |
| | | | | 65 | | 01 |
| | | | | 99 | 1 | 20 |
| | | | | 100 | 0 | 02 |
| | | | | 101 | | 96 |
| | | | | 102 | | 35 |
| | | | | 133 | | 04 |
| | | | | 205 | | 54 |
| | | | | 208 | | 01 |
| | | | | 211 | | 45 |
| | | | | 216 | | 59 |
| | | | | 217 | | 42 |
| | | | | 232 | | - 01 |
| | | | | 238 | 1 | 7 1 |
| | | | | 241 | | 01 |
| | | | | 244 | | 50 |
| | | | | 245 | | 04 |
| | | | | 246 | | 87 |
| | | | | 247 | ' | 02 |
| | | | | 30 | | 51 |

[म. **O-**14016 / 148 / 85 -जी. पी.]

S.O. 1255.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals P pelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of the notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner. ...

SCHEDULE

Gas Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

| | | | - | | | | | |
|-------------------------|-----------------------------|----------------|---------|-------------|------|--------|--------|--|
| District | Tehsil | Tehsil Pargana | Village | Plat No. | Area | | - | |
| | | | | ., | A¢d. | Disl. | Remark | |
| Far- rukha- bad k | Sadar (Farru- chabad) | Param Nagar | Siya | 12 | | 18 | | |
| Data F | ciaoad, | | | 13 | 1 | 32 | , | |
| | | | | 24 | _ | 01 | | |
| | | | | 25 | | 01 | | |
| | | | | 28 | · 1 | 10 | | |
| | | | | 48 | | 16 | | |
| | | | | 49 | _ | 60 | | |
| | | | | 50 | _ | 24 | | |
| | | | | 51 | | 01 | | |
| | | | | 53 | | 45 | | |
| | | | | 54 | _ | 30 | | |
| | | | | 55 | | 01 | | |
| | | | | 99 | 1 | 20 | | |
| | | | | 100 | _ | 02 | | |
| | | | | 101 | | 96 | | |
| | | | | 102 | | 35 | | |
| | | | | 133 | | 04 | | |
| | | | | 205 | _ | 54 | | |
| | | | | 208 | _ | 01 | | |
| | | | | 211 | _ | 45 | | |
| | | | | 216 | _ | 59 | | |
| | | | | 217 | | 42 | | |
| | | | | 232 | _ | 01 | | |
| | | | | 238 | 1 | 71 | | |
| | | | | 241 | | 01 | | |
| | | | | 244 | _ | 50 | | |
| | | | | 245 | | 04 | | |
| | | | | 246 | | | | |
| | | | | 247 | _ | 02 | | |
| | | | | 30 | _ | 51 | | |
| | | | | | | 16/140 | | |

[No. O-14016/148/85-GP]

का. था. 1256 यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि उत्तर प्रदेण में हजीरा-प्रदेशी-जगवीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइंपलाउन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. भारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्रपाबद्ध अनुसूची से वर्णिन भूमि में उपयोग का मधिकार मजित करना मावश्यक है।

धतः श्रत्र पेट्रांलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का श्रिर्जन) श्रिविनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवन मिननों को प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का श्रिविकार प्रजित करने का भागा भागय एतद्वारा घोषित किया है:

बगर्ते कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस झायोग, बो-58 / बी, झलीगंज, लखनऊ-226020, यू: पी, को इस अक्षियुचना की तारीख़ से 21 दिन के भीतर कर सकेगा। भौर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर विकित विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या बह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत अन्य से हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

श्रनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाईन प्रोजेक्ट

| जिला | नहसी ल | परगना | ग्राम | गौटा सं. | रकवा | विवरण |
|--------------|-----------------|--------------|-------|----------|---------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | — 7 |
| — - बरेली | म्राव ला | _ बल्लिया | कटका | 128 | 0-18-10 | |
| | | | भरद | | | |
| | | | | 127 | 0-2-16 | |
| | | | | 131 | 0-8-8 | |
| | | | | 132 | 0-7-10 | |
| | | | | 133 | 0-2-10 | |
| | | | | 124 | 0-0-12 | |
| | | | | 139 | 0-7-5 | |
| | | | | 137 | 0-9-12 | |
| | | | | 136 | 0-0-10 | |
| | | | | 135 | 0-0-5 | |
| | | | | 145 | 0-0-18 | |
| | | | | 146 | 0-5-0 | |
| | | | | 147 | 0-4-16 | |
| | ~ | | | 148/1 | 0-2-16 | |
| | | | | 148/2 | 0-7-5 | |
| | | | | 129 | 0- 1-4 | |
| | | | | 116 | 0-0-12 | |
| | | | | 143 | 0-0-12 | |
| | | | | 140 | 0-0-12 | |

S.O. 1256.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its lateration to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project, B-18/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Bareilly Jagdishpur Pipeline Project

| Distt. | "Tchsil | Pargana | Village | | Area Acquired | Re- mark |
|----------|---------|---------|---------|-----|------------------|---------------------------------------|
| Bareilly | Awala | Baliya | | 100 | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| | | | Bharat | | 0-18-10 | |
| | | | | 127 | 0-2-16 | |

| 131 (32 133 124 139 | 0-8-8 0-7-10 0-2-10 0-0-12 0-7-5 |
|---------------------------------|--|
| 133 124 | 0-2-10 0-0-12 0-7-5 |
| 124 | 0-0-12 0-7-5 |
| | 0-7-5 |
| 120 | |
| 139 | 0 0 4 5 |
| 137 | 0-9-12 |
| 136 | 0-0-10 |
| 135 | 0-0-5 |
| 145 | 0-0-18 |
| 146 | 0-5-0 |
| 147 | 0-4-16 |
| 148/1 | 0-2-16 |
| 148/2 | 0-7-5 |
| 129 | 0-1-4 |
| 116 | 0-0-12 |
| 143 | 0-0-12 |
| 140 | 0~0~12 |

[No. O-14016/149/85-GP]

का. मा. 1257—यात: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में बहु मावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली जगवीश-पुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइ नों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुराबद धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना धावस्यक है।

श्रत श्रव पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के श्रिधिकार का श्रजेंन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की आग 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए केस्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का श्रिधिकार श्रित करने का श्रपना श्राणय एतदुद्वारा श्रोषित किया है:

बशर्त कि उक्त भूमि में हितकड़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए धाक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायाग, बी-58 / बी, प्रलीगंज, लखनऊ-226020, यू. पी. को इस प्रधि-सुजना की तारीक से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टत: यह भी कथन करेना कि क्या वह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगन कप से हो यो किसी विधि व्यवसाई की मार्फन।

मनुसूची
झाजिरा बरेली जगवीश पर पाइप ला इन प्रोजेक्ट

| _— जिला | तहसील | परगना | ग्राम | भाद्य सं. | रकवा | विषय- रण | | | | | | | | |
|------------|--------------|----------|-----------|-----------------|-----------|-------------|--|--|--|--|--|---|---|--------|
| बरेना | फरी श्वर | फ रीवपुर | सैदपुर | ण् तमानी | नी.वि.वि. | | | | | | | | | |
| | _ | _ | - | 1 | 1-8-10 | | | | | | | | | |
| | | | | 2 | 0-3-0 | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | 3 | 3 | 0-10-0 |
| | | | | 4 | 0-3-5 | | | | | | | | | |

S.O. 1257.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barcilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed here.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Lind) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project -

| Distt. | Tehseel | Per- gana | Village | Plot No. | Area Acquired | Re- marks |
|---------|---------|--------------|--------------------|-------------|------------------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Barrily | Farced- | Fared | Saidpur Aitmali | ì | 1-8-10 | - , - |
| | - | • | , | 2 | 0-3-0 | |
| | | | | 3 | 0-10-0 | |
| | | | | 4 | 0-3-5 | |
| | | | No | o. O-11 | 4016/150/85 | -GPI |

का. आ. 1258,— यत: केर्न्याय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हर्जारा—बरेर्लः क्रमविष्युर तक पेट्रोलियम के परिवहतं के लिए पाइपलाइ न भारतीय गैस प्राधिकरण जि. ढारा विष्णाई कार्नी वाहिए।

अर यतः प्रतात होता है कि ऐसे लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुगाबद अनुसूची में विशित भूमि में उत्तयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खाजिन पाइपजाइन (सूमि में उपयोग के अधिकार का अर्गन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वाररा प्रदेश पाकिनमें की प्रयोग करते हुए, केलीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजिन करने का अपना आश्रय एलब्रहारा धोषिन किया है:

अभार्ते कि उक्त भूमि में हिन्त्रग्र कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन ब्रिष्ठाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक रीम आयोग, वी-58/बी, अलीग्रंज, लखनक- 229020, यू ,पी. को इस अधिसचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर मकेगा।

अं(र ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्देष्टन: यह भी कथन करेगा पि क्या वह चाहता है कि उसकी सूतलाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाईकी मार्फत।

अनुभूवी हाजिरा बरेली: फगर्दाण पुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

| | — नहमी | परगना | ग्राम | गाट। स | र्क्कवा | विव- रण |
|--------------|------------|---------|----------|--------|--------------|------------|
| 1 | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| ⊸ — खरेशी | — জাৰপা | यत्तिया | गहरी | | र्यः वि. वि, | |
| | | | | 282 | 0-1-10 | |
| | | | | 281 | 0-8-8 | |
| | | | | 280 | 0-12-0 | |

6

0-12-12

0-6-12

0-8-0 0-9-12

0 - 5 - 12

[No. O-14016/151/85-GP]

0-6-0

18

19

20

21 22 0-8-16 23 0-2-0 24 0-1-16 25 0-2-8 26 0-3-4 30 0-2-8 0-3-0 31 32

35

36 0 - 1 - 438 0-15-12

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|-----|---------|----|
| | | _ | | 278 | 0-4-16 | |
| | | | | 277 | 0-0-10 | |
| | | | - | 276 | 0-0-8 | |
| | | | | 261 | 0-4-16 | |
| | | | | 44 | 0-1-10 | |
| | | | | 42 | 0-0-16 | |
| | | | | 41 | 0-2-16 | |
| | | | | 40 | 0-2-8 | |
| | | | • | 18 | 0-12-12 | |
| | | | | 19 | 0-6-12 | |
| | | | | 20 | 0-8-0 | |
| | | | | 21 | 0-9-12 | |
| | | | | 22 | 0-8-16 | _ |
| | | | | 23 | 0-2-0 | |
| | | | | 24 | 0-1-16 | |
| | | | | 25 | 0-2-8 | f |
| | | | | 26 | 0-3-4 | 7 |
| | | | | 30 | 0-2-8 | 2 |
| | | | | 31 | 0-3-0 | · |
| | | | | 32 | 0-5-12 | - |
| | | | | 35 | 0-6-0 | पे |
| | | | | 36 | 0-1-4 | 4 |
| | | | | 38 | 0-15-12 | |
| | | | | | | |

[सं. 0-14016 | 151 | 85-जीं, पीं.]

S.O. 1258.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government bereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may. within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

| | Hajira B | arelly Ja | gdeshpur | Pipe L | ine Project | |
|---------|----------|--------------|----------|-------------|------------------|--------------|
| Distt. | Tehseel | Par, gana | Village | Plot No. | Area Acquired | Re- marks |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Barelly | Awala | Balliya | Gaharra | 282 | 01-10 | |
| | | | | 281 | 0-8-8 | |
| | | | | 280 | 0-12-0 | |
| | | | | 278 | 0-4-16 | |
| | | | | 277 | 0-0-10 | |
| | | | | 276 | 0-0-8 | |
| | | | | 261 | 0-4-16 | |
| | | | | 44 | 0-1-10 | |
| | | | | 42 | 0-0-16 | |
| | | | | 41 | 0-2-16 | |
| | | | | 40 | 0-2-8 | |

का. आ. 1259.-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हर्जारा बरेली-जगदीशपुर भक्त पेटोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन भारतीय सैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

_ 3

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदपब्दि अनुसुकी में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है। र

असः अब पेट्रोलियम और स्वनिज्ञ पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आ गय एतदबारा धोषित किया है।

बगतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल गया प्राकृतिक ग्रेस आयोग बी:-58 / बी:, अलीग्रंज, लखनऊ-226020 में . पी: को इस अधिसूचना की सार्रीखा से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

आर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टमः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उनकी सूनवाई अ्यक्तिगम रूप से हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

अनुसूर्च(हाजिए। अरेली जगवीशप्र पाईप लाईन प्रोजेक्ट

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | रक्षा | विवरण |
|---------|-------------|---------|-------------------|----------|---------------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| बरैर्ल(| आवला | बह्मिया | रामपुर | | र्वा. वि. वि. | |
| | | | तः कार | 18 | 0-1-5 | |
| | | | | 24 | 0-4-10 | |
| | | | - | 25 | 0-1-5 | |
| | | | | 48 | 0-9-0 | |
| | | | | 49 | 0-12-0 | |
| | | | | 52 | 0-7-5 | |
| | | | | 50 | 0-9-0 | |
| | | | | 55 | 0-1-5 | |
| | | | | 58 | 0-1-15 | |
| | | | | 54 | 0-12-0 | |
| | | | , | 59 | 0-18-5 | |
| | | | | 70 | 0-19-5 | |
| | | | | 68 | 0-1-15 | |

| · | 2 | 3 | | 5 | 6 | 7 | | | Vhereas it ary in th | | |
|---|-------|---|------------|------|------------------|---|----------------------|-----------------------|-------------------------|----------------------|-------------|
| | | | 69 | | 0-1 2-5 | | port of | Petrol | eum from | en Hajir | a-Ba |
| | | | 67 | | 0-2-2 | | Ottar P. Authorit | radesh y of Inc | State Pir lia Limite | peline sh ed. | bluor |
| | | | 72 | | 0-1-5 | | | | it appea | | for |
| | | | 545 | 9 | 0-5-10 | | such pip | eline, it | is neces | sary to | acqu: |
| | | | 550 |) | 0-17-0 | | | | bed in th | | |
| | | | 543 | | 0-1-5 | | | | ore, in ex of the | | |
| | | | 545 | | 0-12-15 | | Minerals | Pipeli | nes (Acc | quisition. | οf |
| | | | 66 | | 0-0-15 | | | | 62 (50) c its inter | | |
| | | | 548 | | 0-0-15 | | therein | | | | |
| | | | 544 | | 0-1-5 | | Provid | led that | any per | son inte | reste |
| | | | 521 | | 0-16-8 | | to the la | 21 days wing of | from the | he date line unde | of er th |
| | | | 522 | | 0-2-6 | | Authorit | y Oil a | nd Natur | al Gas | Com. |
| | | | 520 | | 0-1-0 | | | | Aliganj I | | |
| | | | 513 | | 0-9-5 | | And state sn | every p ecifically | ocison m y whethe | aking su r he wi | ich : |
| | | | 511 | | 0-5-10 | | or by | legal p | ractitioner | r, | DILLO |
| | | | 515 | | 0-0-10 | | | | | | |
| | | | 514 516 | | 0-14-0 1-2-35 | | | | SCI | HEDULE | Ξ |
| | | | 510 | | 1-2-15 0-0-5 | | Haji | га Ваг | eilly J | a gd ishpu | r Pi |
| | | | 506 | | 0-0-5 | | | | | | |
| | | | 508 | | 0-1-8 | | Distt. | Tehsil | Pargana | Village | |
| | | | 466 | | 0-4-0 | | | | | | N |
| | | | 611 | • | 0-1-5 | | 1 | 2 | 3 | 4 | |
| | | | 467 | | 0-4-5 | | | | | | |
| | | | 468 | | 0-1-5 | | Bareilly | Awala | ı Baliya | Rampu | |
| | | | 482 | | 0-0-15 | | | | | kanker | 18 24 |
| | | | 488 | ; | 1-4-0 | | | | | | 25 |
| | | | 487 | | 0-15-0 | | | | | | 48 |
| | | | 486 | | 0-1-2 | | | | | | 49 |
| | | | 485 | | 0-6-0 | | | | | | 52 50 |
| | | | 481 | | 0-0-15 | | | | | | 55 |
| | | | 479 | | 0-6-0 | | | | | | 58 |
| | | | 463 | | .0-7-0 | | | | | | 54 |
| | | | 345 | 835 | 0-9-5 | | | | | | 59 70 |
| | | | 345 | /836 | 0-7-10 | | | | | | 68 |
| | | | 345 | 841 | 0-0-10 | | | | | | 69 |
| | | | 385 | | 0-7-0 | | | | | | 67 |
| | | | 391 | | 0-1-15 | | | | | | 72 549 |
| | | | 386 | | 0-2-15 | | | | | | 550 |
| | | | 384 | | 0-0-10 | | | | | | 543 |
| | | | 379 | | 0-12-0 | | | | | | 54: |
| | | | 378 | | 0-0-5 | | | | | | 66 |
| | | | 377 | | 0-0-15 | | | | | | 548 554 |
| | | | 354 | | 0-5-5 | | | | | | 52 1 |
| | | | 353 | | 0-15-10 | | | | | | 522 |
| | | | 347 | | 0-10-2 | | | | | | 520 |
| | | | 346 | | 0-4-0 0-0-10 | | | | | | 513 511 |
| | | | 304 | | 0-0-10 0-5-15 | | | | | | 515 |
| | | | 303 | | 0-5-15 | | | | | | 514 |
| | | | 302 301 | | 0-7-15 | | | | , | | 516 |
| | | | 301 | | 1-11-4 | | | | | | 510 |
| | | | 307 | | 0-15-12 | | | | | | 506 508 |
| | | | , 307 | | U 10 12 | | | | | | -00 |

the Central Government terest that for the trans-arcilly to Jagdishpur in d be laid by the Gas

the purpose of laying uire the right of user in annexed hereto;

the powers conferred by of the Petroleum and Fight of User in the the Central Government equire the right of user

ted in the said land may, this notification, object he land to the Competent mmission, H.B.J., Pipeline 6020 U.P.

an objection shall also to be heard in person

ipeline Project

| Distt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired | Re- mark |
|----------|--------|---------|---------|-------------|------------------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | . 6 | 7 |
| Bareilly | Awala | Baliya | Rampur | | | |
| | | | kanker | 18 | 0-1-5 | |
| | | | | 24 | 0-4-10 | |
| | | | | 25 | 0-1-5 | |
| | | | | 48 | 090 | |
| | | | | 49 | 0-12-0 | |
| | | | | 52 | 0-7-5 | |
| | | | | 50 | 0-9-0 | |
| | | | | 55 | 0-1-5 | |
| | | | | 58 | 0-1-15 | |
| | | | | 54 | 0-12-0 | |
| | | | | 59 | 0-18-5 | |
| | | | | 70 | 0-19-5 | |
| | | | | 68 | 0-1-15 | |
| | | | | 69 | 0-12-5 | |
| | | | | 67 | 0-2-2 | |
| | | | | 72 | 01-5 | |
| | | | | 549 | 0-5-10 | |
| | | | | 550 | 0–17–0 | |
| | | | | 543 | 0-1-5 | |
| | | | | 545 | 0-12-15 | |
| | | | | 66 | 0-0-15 | |
| | | | | 548 | 0-015 | |
| | | | | 554 | 0-1-5 | |
| | | | | 521 | 0–16–8 | |
| | | | | 522 | 0-2-6 | |
| | | | | 520 | 0-1-0 | |
| | | | | 513 | 0-9-5 | |
| | | | | 511 | 0-5-10 | |
| | | | | 515 | 0-0-10 | |
| | | , | | 514 | 0–14–0 | |
| | | | | 516 | 1-2-15 | |
| | | | | 510 | 0-0-5 | |
| | | | | 506 | 0-0-5 | |
| | | | | 508 | 0-1-8 | |
| | | | | 466 | 0-4-0 | |
| | | | | 611 | 0-1-5 | |

| ! - _ | 2 | | | | 6 | <i>1</i> | | | _ | | ઝ ન્ | | | |
|-----------------|-----------------------|----------------------------|-------------------|--------------------------|--|---------------------|---------------|---------------|-----|---------|-------------|------------------|---------------------|------|
| | | | | 467 | 0-4-5 | | हा | अपरा इ | रिस | त जगदीय | ग पुर प | गर्ड प लाईन - | पीजेक्ट | |
| | | | | 468 | 0-1-5 | | जिला | तहमी | ল | परगना | ग्रीम | गाटा मं. | रकथा | विवर |
| | | | | 482 | 0-0-15 | | 1 | | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | | | 488 | 1-4-0 | | | | | | | | यीः(वैःनिः | , |
| | | | • | 487 | 0-15-0 | | ब रेली | आंवर | ग | वस्तिया | | | याः।वाः।नः | |
| | | | | 486 | 0-1-2 | | | | | | प्र | | | |
| | | | | 485 | 0-6-0 | | | | | | | 764 | 1-8-0 | |
| | | | | 481 | 0-0-15 | | | | | | | 765 | 0-12-16 | |
| | | | | 479 | 0-6-0 | | | | | | | 766 | 0-1-15 | |
| | | | | 463 | 0-7-0 | | | | | | | 761 | 11-9 | |
| | | | | 345/835 | | | | | | | | 762 | 0-1-4 | |
| | | | | 345/836 | 0-7-10 | | | | | | | 769 | 0-1-11 | |
| | | | | 345/841 | 0-0-10 | | | | | | | 770 | 0-1-4 | |
| | | | | 385 | 0~7–0 | | | | | | | 775 | 0-13-16 | |
| | | | | 391 | 0-1-15 | | | | | | | 776 | 0-0-18 | |
| | | | | 386 | 0-2-15 | | | | | | | 1005 | 0-0-18 | |
| | | | | 384 | 0-0-10 | | | | | | | 1006 | 0-0-10 | |
| | | | | 379 | 0-12-0 | | | | | | | 1007 | 0-0-10 | |
| | | | | 378 | 005 | | | | | | | 1004 | 1-5-8 | |
| | | | | 377 | 0-0-15 | | | | | | | 1003 | 0-18-10 | |
| | | | | 354 | 0-5-5 | | | | | | | 1001 | 0-13-16 | |
| | * | | | 353 | 0-15-10 | | | | | | | 1002 | 0-1 -4 | |
| | | | | 347 | 0-10-2 | | | | | | | 1027 | 0-0-12 | |
| | | | | 346 | 0-4-0 | | | | | | | 1028 | 0-7-1.1 | • |
| | | | | 304 | 0-0-10 | | | | | | | 1029 | 0-0-15 | |
| | | | | 303 | 0-5-15 | | | | | | | 1030 | 0-0-12 | |
| | | | | 302 | 0-7-15 | | | | | | | 1031 | 0-9 - 15 | |
| | | | | 301 | 0-2-5 | | | | | | | 1035 | 1-10-0 | |
| | | | | 306 | 1-11-4 | | | | | | | 1050 | (-9-12 | |
| | | | | 307 | 0-15-12 | | | | | | | 1081 | 0-13-16 | |
| | | | | · | | | | | | | | 1100 | 1-0-8 | |
| | | | | INo O | 14016/153/85~ | CDI | | | | | | 1096 | 0-7-7 | |
| | | | | [140. O- | 14010/(33/63~ | -OF] | | | | | | 1099 | 0-0-6 | |
| 9 67 | ि. आस्ति १० | 60- ਬਰ : | केल्द्रीय व | ध रकार क ी | यह प्रतीत होता | ≜ फ | | | | | | 1097 | 0-10-16 | |
| | | | | | ्षह्यसम्बद्धाः हर्णारा-बदेली ज ग | | | | | | | 1116 | 0-2-8 | |
| हपेट | े जियम के विभिन्नम | त्याच्या है। परिवासन के | ा उपार जिल्लाम | ्ययम् य विक्रमार्थितः | हगरा=अरला आरग भारतीय ग्रैम प्रार् | व्यासायुर केकटाल | | | | | | 1136 | 0-13-8 | |
| | | भारतहुस का जानी चाहि | | . च्यापा . च् या | मस्यात्र श्रम आ। | वभारण | | | | | | 1136 | | |
| | | | _ | | | | | | | | | | - 0-7-2 | |
| | | | | | को बिछाने का प्र | | | | | | | 1134 | | |
| स्तिः | र एसदेवाद्व | त अनमची | में वर्णित | । भिम में | उपयोग का अ | धिकार | | | | | | 1138 | 0-1-1 | 3 |

[स.O ~14016 / 154 /85 जीं. पी.]

क लिए एसद्पाद्धत अनुभूची में बणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित क^रना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पार्टंप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार ऑजित करने का अपना आशय एतदक्कारा धोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेम तथा प्राकृतिक ग्रैस आयोग बी- 58 | बी, अलीगंज, लखनऊ -2260 20 यू. पी. की इस अधि-सुचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से ही या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

S.O. 1260.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein. therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Hajira Barelly Jagdishpur Pipeline Project

| istt. | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired | Re- mark |
|---------|--------|---------|---------|-------------|-------------------|-------------|
| i | 2 | 3, | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Barelly | Awala | Baliya | Nau- | | | · |
| • | | - | rangpur | 764 | 1-8-0 | |
| | | | | 765 | 0-12-16 | |
| | | | | 766 | 0-1-15 | |
| | | | | 761 | 1-4-9 | |
| | | | | 762 | 0-1-4 | |
| | | | | 769 | 0-1-11 | |
| | | | | 770 | 0-1-4 | |
| | | | | 775 | 0-13-16 | |
| | | | | 776 | 0-0-18 | |
| | | | | 1005 | 0-0-18 | |
| | | | | 1006 | 0-0-10 | |
| | | | | 1007 | 0-0-10 | |
| | | | | 1004 | 1-5-8 | |
| | | | | 1003 | 0-18-10 | |
| | | | | 1001 | 0-13-16 | |
| | | | | 1002 | 0-1-4 | |
| | | | | 1027 | 0-0-12 | |
| | | | | 1028 | 0-7-14 | |
| | | | | 1029 | 0-0-15 | |
| | | | | 1030 | 0-0-12 | |
| | | | | 1031 | 0-9-15 | |
| | | | | 1035 | 1-10-0 | |
| | | | | 1050 | 0-9-12 | |
| | | | | 1091 | 0-13-16 | |
| | | | | 1100 | 1-0-8 | |
| | | | | 1096 | 0-7-4 | |
| | | | | 1099 | 0-0-6 | |
| | | | | 1097 | 0-10-16 | |
| | | | | 1116 | 0-2-8 | |
| | | | | 1136 | 0-13-8 | |
| | | | | 1136 | | |
| | | | | 1134 | 0-7-2 | |
| | | | | 1138 | 0-1-10 | |
| | | | | | 14016/154/85_ | |

का. आ 1261.--यन: केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हुआरा--बरेली पैदोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन भारतीय गैम प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई आनी चाहिए।

श्रीर यन प्रतीन होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाङ्खं धनसूर्चा में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार मर्जित करना श्रावश्यक है।

मनः श्रव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपसाइन (भूमि उपयोग के भ्रधिकार का अर्जन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की 3 की उपनारा (।) इतम प्रदर्गणिकयों का प्रयोग हये कंट्यीय संस्कार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करते. श्राणय एनवृद्धारा योषित किया है।

वर्णों कि उक्त भूमि में हिनक्षद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षंप सक्षम प्राधिकारी, प्राकृतिक गैस भ्रायांग बों-58 बी भ्रालीगंज , लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाई को सार्फत ।

हाजिरा बरेली जगबीमपुर पाइप लाइन प्रीजेश्ट

| - जिला | ्तहसी ल ——— | परगना | ग्राम | गाटा सं० | रक्षवः | विवरण |
|------------|-----------------------|-------------|--------|----------|----------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 7 |
| रिलो | भांवला | -— मन्हा | नीगांव | | वार्वावि | |
| | | | ठकुरान | 950 | 0-1-7 | |
| | | | | 958 | 0-2-12 | |
| | | | | 959 | 0-15-0 | |
| | | | | 984 | 0-1-4 | |
| | | | | 983 | 0-11-4 | |
| | | | | 982 | 0-10-0 | |
| | | | | 981 | 0-1-0 | |
| | | | | 995 | 1-13-0 | |
| | | | | 991 | 0-0-12 | |
| | | | | 1003 | 0-19-4 | |
| | | | | 1009 | I- 5- 15 | |
| | | | | 1011 | 0-1-12 | |
| | | | | 1010 | 0-14-16 | |
| | | | | 1008 | 0-18-0 | |
| | | | | 1016 | 0-1-4 | |
| | | | | 1031 | 0-10-16 | |
| | | | | 1023 | 0-6-15 | |
| | | | | 1024 | 0-10-0 | |
| | | | | 1025 | 0-2-5 | |
| | | | | 1028 | 0-3-0 | |
| | | | | 1029 | 0-5-0 | |
| | | | | 1032 | 0-2-0 | |

S.O. 1261.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission. H.B.J., Pipeline Beside B. St./B. Aligni Luckgay 226020 11 P. Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall algor state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

| | | ŞC | HEDUI | Æ | | • | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|----------|----------|-----------|---------|------------|--------------|-----|---|---|---|-----|------------|-----------------|-----------|
| Haj | jira—Bar | eilly—Jag | dishpur | Pipe Li | ne Project | | | | | | 15 | 0-5-10 | |
| Distt. | Tehscel | Pargana | Village | Plot | Агеа | Re- | | | | | 20/2 | 0-1-15 | |
| | | • | - | No. | Acquired | | | | | | 21 | 0-3-10 | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | | | | | 19 | 0-11-16 | |
| Rarailly | Awala | Sanha | Nau- | 950 | 0-1-7 | | | | | | 23 | 0-3-0 | |
| arom, | 1 | D-21.14 | gawa | 958 | 0-2-12 | | | | | | 105 | υ - 5- υ | |
| | | • | Thaka- | 959 | 0-15-0 | | | | | | 106 | 0-3-15 | |
| | | • | ram | 984 | 0-1-4 | | | | | | 107 | 0-19-0 | |
| | | | | 983 | 0-114 | | | | | | 109 | 0-12-0 | |
| • | | | | 982 | 0-10-0 | | | | | | 110 | 0-10-16 | |
| | | | | 981 995 | 0-1-0 | | | | | | 111 | 0-9-12 | |
| | | | | 993 991 | 1130 0012 | | | | | | 112 | 0-0-2 | |
| | | | | 1003 | 0-0-12 | | | | | | 114 | 0-1-12 | |
| | | | | 1009 | 1-5-15 | | | | | | | | |
| | | | | 1011 | 0-1-12 | | | | | | 22 | 0-0-10 | |
| | | | - | 1010 | 0-14-16 | | | | | | 120 | 1-4-0 | |
| | | | | 1008 | 0-18-0 | | | | | | 121 | 0-8-0 | |
| | | | | 1016 | 0-1-4 | | | | | | 125 | 0-2-0 | |
| | | | | 1031 | 0-10-16 | | | | | | 155 | 1-0-8 | |
| | | | | 1023 | 0-6-15 | | | | | | 156 | 0-9-18 | |
| | | | | 1024 | 0-10-0 | | | | | | 158 | 0-16-4 | |
| | | | | 1025 | 0-2-5 | | | | | | 159 | | |
| | | | | 1028 | 0-3-0 | | | | | | | 0-16-0 | |
| | | | | 1029 | 0-5-0 | | | | | | 162 | 0-3-0 | |
| | | | | 1032 | 0-2-0 | | | | | [सं | . O-14016/ | | [۹۲. |

[No. O-14016/155/85---G P.]

का.मा. 1262.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतिति होता है कि लोकहित में यह मावरयक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-वरेली --जगरोगपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. हारा विछाई जानी चाहिए।

भौर यतः प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवृपायतः अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करना प्रावश्यक है।

धत: प्रव, पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मिकार का धर्जन) मिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रंय सरकार ने उसमें उपयोग का मिधकार मिंजल करने का भपना ग्रागय एसदृद्वारा पोषित किया है।

बगर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीमें पाइप साइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस मायोग की 58/का, प्रजीगंज, लखनऊ 226020 यू. पा. की इस मधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतयः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहताहै कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

मनुसूची हाजिरा-बरेली,⊸-जगदीशपुर पाईप लाइन प्रोजेक्ट जिला तहसील परगना प्राम गाटा संख्या रक्षमा विवरण 1 2 6 7 बरेली अविला सन्हा जमालपुर विवि. वि. 2 0~4~0 3 0~1-16 14 0~4-0

S.O. 1262.—Whereas it appears to the Central Government

S.U. 1262.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals P.pelines (Acquisition of Right of User in the Lend) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government bereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58|B, Aligarh, Lucknow-226020 PP.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

| На | ijira Bar | eilly Jag | d ishpur | Pipe I | ine Project | |
|----------|-----------|-----------|---------------|---|---|-------------|
| Distt. | Tehscel | Pargana | Village | Plot No. | Arca Acquired | Re- mark |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Bareilly | Awala | Samha | Jamal- pur | 2 3 14 15 20/2 21 19 23 105 | 0-4-0 0-1-16 0-4-0 0-5-10 0-1-15 0-3-10 0-11-16 0-3-0 0-5-0 | |

| 1 | 13 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|----|---|---|-------|--|---|---|---|------------|------|-------|-----------|-------|
| | | | | 106 | 0-3-15 | | | | PRINCE NO. | 7 (| 3 | 0-1-2 | |
| | | | | 107 | 0-19-0 | | | | | 96 | 3 | 0-16-5 | |
| | | | | 109 | 0-12-0 | | | | | | | 0-3-5 | |
| | | | | · 110 | 0-10-16 | | | | | 9 5 | | | |
| | | | | 111 | 0-9-12 | | | | | 97 | 7 | 0-3-12 | |
| | | | | 112 | 0-0-2 | | | | | 96 | 6/184 | 0-0-18 | |
| | | | | 114 | 0-1-12 | | | | | 16 | 3 | 2-0-10 | |
| | | | | 22 | 0-0-10 | | | | | 10 | 0 | 0-2-15 | |
| | | | | 120 | 1-4-0 | | | | | 10 |) 1 | 1-6-10 | |
| | | | | 121 | 0-8-0 | | | | | | | | |
| | | | | 125 | 0-2-0 | | | | | 10 |) Z | 0-6-0 | |
| | | | | . 155 | 1-0-8 | | | | | 10 |) 4 | 0-0-5 | |
| | | | | 156 | 0-9-18 | | | | | 10 | 3 | 0-11-0 | |
| | | | | 158 | 0-16-1 | | | | | 17 | 76 | 0-0-12 | |
| | | | | 159 | 0 -16-0 | | | | | | | 0-10-18 | |
| | | | | 162 | 0-3-0 | | | | | 1; | | 0-10-18 | |
| | | | | | ا مدينيم واستندي فاحاث د لينينين الوده عد يومدسن و سيند | | | | | [सं० | 0-140 | 16/157/85 | -जी∘ष |

INo. O-14016/156/85---GP

S.O. 1263.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hapra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

का. ग्रा. 1263-यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावण्यक है कि उत्तर प्रदंश में हर्जा रा-बरेल --जगदीश पूर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारताय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जाने चाहिए।

And whereas it appears that for the purpose of laving such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

भीरयतः प्रतत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतदापाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधि-कार ग्रजित करना ग्रावश्यक है।

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals P pelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declates its intention to acquire the right of user therein :

ग्रत: ग्रब, पैट्रोलियम ग्रौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) कें; 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार ने उस में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का ग्रपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58 B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

बशर्ते कि इक्द गमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उन भूमि के नाचे पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृ-तिक गैस अ ार्ग बी-58 बी, अल गंज, लखनऊ-2260 20 यू. पा की इस अधिसुचना की तारंख से 21 दिन के भातर कर सकेगा।

And every person making such an objection shall also state spec fically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

ग्रौर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसका सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसा विधि व्यवसायी को मार्फत।

अन्सूर्च:

हाजिरा-बरेली-जगदाश पुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

SCHEDULE Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

| जिला | तहसील | परगना | ग्राम | गाटा सं. | रकवा वि | वरण |
|-------|----------|-------|--------|----------|-----------|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | | | | बा.वि.वि. | |
| बरेली | ग्रांवला | सन्हा | नकटपुर | 12 | 0-1-8 | |
| | | | | 13 | 0-13-9 | |
| | | | | 14 | 0-14-8 | |
| | | • | | 1.5 | 0-12-0 | |
| • | | | | 16 | 0-16-4 | |
| | | | | 17 | 0-0-16 | |
| | | | | 21 | 2-0-17 | |
| | | | | 24 | 0-1-12 | |
| | | | | 19 | 0-7-0 | |
| | | | | 20 | 0-0-0 | |
| | | | | 98 | 0-10-19 | |

| Distt. | Tehseel | Pargana | Village | Plot No. | Arca Acquired | Rc- mark |
|----------|---------|---------|---------|-------------|------------------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Bareilly | Awala | Sanha | Nakat- | 12 | 0-1-8 | |
| | | | pur | 13 | 0-13-9 | |
| | | | | 14 | 0-14-8 | |
| | | | | 15 | 0-12-0 | |
| | | | | 16 | 0-16-4 | |
| | | | | 17 | 0-0-16 | |
| | | | | 21 | 2-0-17 | |
| | | | | 24 | 0-1-12 | |
| | | | | 19 | 0-7-0 | |
| | | | | 20 | 0-0-9 | |
| | | • | | 20 | 0-10-19 | |
| | | | | 76 | 0-1-2 | |
| | | | | 96 | 0-16-5 | |
| | | | | 95 | 0 -35 | |
| | | | | 97 | 0-3-12 | |
| | | | | 96/184 | 00-18 | |
| | | | | 105 | 2-0-10 | |
| | | | | 100 | 0-2 15 | |
| | | | | 101 | 1-6-10 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|---|---|---|---|------|------------|--------|----------|
| | | | | 102 | 0-6-0 | _ | |
| | | | | 104 | 0-0-5 | | |
| | | | | 103 | 0-11-0 | | |
| | | | | 176 | 0-0-12 | | |
| | | | | 178 | 0-10-18 | | |
| | | | | [No. | 0-14016/15 | 7/85—(| - 3P] |

और यतः यह प्रतीत है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के के लिए एतद्पाबद्ध अनुमूर्वः में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अत: अब पैट्रोलियम आर खिनज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपप्रारा (1) द्वारा प्रदत्त मित्तयों की प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित कर नेका अपना आगय एनद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उन्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नोचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग वी-5 थ्वी, अर्लीगंजा, लखनऊ-226030 यू. पी. को इस अधिमुचना की तारीख में 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

ओर ऐसा आक्षेप करते वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रुप से हो या किसी विधि व्यवसर्या की मार्फन ।

अन्सर्चः

| हाजि रा | ं बरे | र्लाः | ज गर | िशपुर | पाइप ल.इन इ | ग्र ाजक ्ट |
|---------|----------------|--------|-------------|-------|-------------|-----------------------|
| जिला | नहस <i>े</i> ल | पर्गन। | ग्राम | गाटा | सं रकवा | विवरण |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7. |
| | | | | | वातिः | वि. |
| बरेली | अविला | सन्हा | दबी,पुर | j | 0-10-4 | |
| | | | | 2 | 0-12-0 | |
| | | | | 3 | 0-1-12 | |
| | | | | 4 | 0-0-18 | ; |
| | | | | 5 | 0-12-0 | 1 |

S.O. 1264.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public merest that for the transport of Petroleum fr to Jagdishpur in Uttar Pradesh State laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedale annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals P pelines (Acquinton of Right of User in the Land) Act, 1962 (5) of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object

to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gos Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Tehseel | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired | Re- mark |
|----------|---------|---------|--------------|-----------------------|--|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Barcilly | Awala | Samha . | Devi- pur | 1 2 3 4 5 | 0-10-4 0-12-0 0-1-12 0-0-18 0-12-0 | |

[No. O-14016/158/85-GP]

का. आ. 1265.—यतः केन्द्रय सरकार को यह प्रतंत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हर्जरा-बरेलंं --जगदं। भपुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइपलाइन भारतंय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानें चाहिए।

और यतः प्रतंत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एनदुपाबद्ध अनुसूर्च में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खिति पाइपताइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों की प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आश्रय एत्दुद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारों. तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ब - 58/ब', अर्लागंज लखनऊ-226020 यू. पा. को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भं कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसके सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसार्यः को मार्फत।

अनुसूर्च

| | हाजिरा | बरेलं ज | गद जपुर | पाइप व | ताइन प्रोज ेक ्ट | |
|---------|----------|--------------------|---------------------|-----------------|-----------------------------|-------|
| जिला | तहसं ल | परगना | प्राम | गाटा सं | रकाबा | विवरण |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| बरेर्ला | फरं दपुर | फरं दपुर चटनपुः | चढ़िया र मुस्तबि | न् य | <i>ਹ</i> ਂ .ਕਿ.f | व. |
| | | _ | Ŭ | 89 | 0-17-1 | 0 |
| | | | | $\{(i,i)\}$ | 6-5-1 | 5 |
| | | | | 91 | 1)-9-0 | |
| | | | | υ; | 0-6-0 | |
| | | | | 6.1 | 0- (- A | |
| | | | | ·) , | 0-15- | ን |
| | | | | V_{I}^{r} | 1-0-0 | |
| | | | | 6,0 | 2-10- | t) |
| | | | | Cr., | 0 1~0 | |
| | | | | 1.22 | () 1 5 | |

3

| <u></u> | | | - <u></u> | _= ~ | , : , | |
|-------------|-----|---|-----------|------|-------------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 1 | 3 | G | 7 |
| | ~ · | _ | - | 127 | 0-16-5 | |
| | | | | 128 | 0→16−15 | |
| | | | | 133 | 0 → 1 → 5 | |
| | | | | 137 | 1-1-0 | |
| | | | | 134 | 0-1-0 | |
| | | | | 136 | 0-4-0 | |
| | | | | 135 | 0-9-10 | |
| | | | | 142 | 0-17-10 | |
| | | | | 143 | 0-5-0 | |
| | | | | 147 | 0-1-10 | |
| | | | | 324 | 1-8-15 | |
| | | | | 325 | 0-11-0 | |
| | | | | 326 | U− J − 1 U | |
| | | | | 339 | (i- 0 | |
| | | | | I 44 | 0-0-10 | |
| | | | | 100 | 0-0-10 | |
| | | | | 327 | 0-0-5 | - |
| ~-········· | | | | | | |

[मं. O→14016/159/85-र्जाः पी]

S.O. 1265.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barcilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

| | Hajira 1 | Bareilly J | agd ishpu | ır Pipe | Line Proje | ect |
|----------|---------------|------------|------------------------------------|-------------|--|-------------|
| Distt. | Tchseel | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired | Re- mark |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Bareilly | Fareed pur | pur | Chatia Chatan- ur Mustkil | | 0-17-10 0-5-15 0-9-0 0-6-0 0-6-0 0-16-0 1-0-0 2-10-0 0-1-5 0-16-5 0-16-5 0-1-5 1-1-0 | |
| | | | | 134 136 | 0-1-0 0-4-0 | |

का.आ. 1266:--- यन फेर्न्ड्राय संस्कार की यह प्रतित होता है कि लोकहिल में यह आवस्यक है कि उत्तर प्रदेश में हर्ज ग-बरेख -क्रमद्शियपुर तथा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारताय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा यिछाई जान। चाहिए ।

135

142

143

147

324

325

326

339

144

100

327

0 - 9 - 10

0 - 17 - 10

0 - 5 - 0

0.1 - 10

1-8-15

0-11-0

0 - 1 - 10

0~9 0

0-0-10

0-0-10

0.0-5[No. O-14016/159/85--GP]

और यतः यह प्रति म होता है कि ऐसं लाइनी को बिछाने के प्रयोजन के लिए एसदपाबद अन्मूचः में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिन करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रालियम और खनिज पाडपलाइन (भृषि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की द्यारा 3 की जपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रंय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणय एतद्दारा घोषित किया है।

बगार्ने कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइन बिछाने के लिए अक्षेप सभम प्राधिकार, तेल तथा प्राकृतिक गैम आयोग वी~58/बी, अर्ज गोज, लखनऊ~226020 यू प .को इस अधिसूचना की तारंख में 21 दिन के भीतर कर संकेशा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिन्दत. यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहना है कि उसके सुनवाई व्यक्तिगम रूप से हो या किर्मा विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूर्यः साजिस बरेखं: अगर्दाशाप र पाइप लाइन प्रोडीक्ट

| जिला | तस्रमं≀ल | पर्गना | ग्राम | गाटा सं | रकबा विवर | ų |
|---------------|----------|---------|-------|---------|-----------|---|
| — <u> </u> | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| —- घरेर्ल≀ | <u> </u> | मन्ह्या | खंग | | व∴िव√वि. | |
| | | | | 1 | 0-1-16 | |
| | | | | 10 | 0-18-10 | |
| | | | | 13 | 0-4-16 | |
| | | | | 14 | 0-9-13 | |
| | | | 18 | 0-0-16 | | |
| | | | 19 | 0-0-12 | | |
| | | | 20 | 0-12-16 | | |
| | | | | | 0-1-14 | |
| | | | | | 0-1-5 | |
| | | | | 23 | 0-9-12 | |
| | | | | 118 | 0-1-15 | |
| | | | | 119 | 0-1-15 | |
| | | | | 516 | 0-2-10 | |
| | | | | 522 | 0- 7- 4 | |
| | | | | 524 | 0-1-12 | |
| | | | | 525 | 0-0-12 | |
| | | | | 526 | 1-1-0 | |

S.O. 1266. Wheteas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Perfoleum from Hajina-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 5 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Vigus von of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government bereby declares its intention to become the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this unification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Cas C. mmission, H.B.J., Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226/20, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he, wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHI DULF
Haira Baryilly Ladishna Pro Lin Dali s

| Distt. | Tehseel | Pargana | V Page | Pk t No. | Arca Aeguired | Re- mark |
|----------|---------|---------|--------|-------------|------------------------------------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | -1 | 5 | 6 | 7 |
| Bareilly | Awala | Saraha | Karla | 1 | 0.(-16 | |
| | | | | 10 | 0 - 8- 10 | |
| , | | | | 13 | 0-4-16 | |
| | | | | [] | 0-9-12 | |
| | | | | 15 | 0-0-16 | |
| | | | | 19 | 6-0-15 | |
| | | | • | 20 | 0-12-16 | |
| | | | | | () -1, 4 | |
| | | | | | (i-1-5 | |
| | | | | - 3 | 0.0-10 | |
| | | | | 118 | () '=1.3 | |
| | | | | 119 | 0-, -15 | |
| | | | | 516 | ()-2-10 | |
| | | | | 522 | ti 7 4 | |
| | | | | 57.3 | 0, -12 | |
| | | | | 525 | ()-()- ¹ - ³ | |
| | | | | 520 | 1-1-0 | |

[No. O-14015/160.85-GP]

का आ. 1267.—यन केड र सरकार हो यह प्रवृत्त होता है कि लोकहित में यह धावण्यक है कि उत्तर प्रदेश में हब रा-वरेतं — जगद शपुर तक पेट्रोतियम के परियहन के किए प्रदूष लाइन भारत प्र गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यक्षः प्रतीत होता है कि ऐसी जाइनों को किछने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में बर्णित भूति में उपयोग का जिल्हार अजित करना आवश्यक है ।

अतः अत्र पेद्रोलियम और चिनिज पाइपलाइन ॥(भृति में उपयोग के अधिवार का अर्जन) अधिनियः, 1962 (१९६२ चा ५७) की द्वारर 3 की उपथारा (1) द्वारा प्रदत्त पक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अधना आक्रय एतद्वारा घोषित किया है ।

बणतें कि उक्त भूमि में हिनबड़ें कोई व्यक्ति उस भूमि के र्हांच पाइप लाइन बिछाने के लिए अलीप सक्षय प्राधिकार तेल तथा प्राकृतिक गैम अपीय व — 58/बा, अर्थगंक, लाइनाइ - १५७० व पी, को इस अभिवृत्तना को नारान में ता दिन के भी पर पर सकेगा।

और ऐसा आक्षप करन वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकः मुनवाई व्यक्तिगत हम से हो या सिन् विधि व्यक्तिको सः गार्फन ।

अनुसूचः हाजिरा बरेनः जगदःभार गाइप नाइन प्रांजेस्ट

| जिला | नहम ल | परसना | ग्राम | गाटा सं. | रक्षा | विवरण |
|--------|---------------|---------|----------|----------|---------------------|-------|
| l | 2 | 3 | 4 | | 6 | 7 |
| - | - | | | | वि.वि.वि. | |
| वरेकाः | ऋण 'द्वपुत्र, | फर दणुर | में दपुर | 3 | 1-4-1 | 0 |
| | | | मुस्तकिल | 1 | () 1 ¹) (|) |
| | | | | 143 | n= (= 1. | กั |
| | | | 160 | 3- 7-0 | | |
| | | | | 161 | 0-1-1 | O |
| | | | | 162 | 0-3-5 | |
| | | | | 163 | 0-1-1 | 0 |
| | | | | 164 | 0-11- | t) |
| | | | | 165 | 0-14- | 15 |
| | | | | 167 | () () 0 | |
| | | | | 168 | (r - 6 0 | |
| | | | | 1 | 0~ 0~ 1 | 0 |

[गं. O-14016/161/85-जापा]

S.O. 1267.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petrolevan from Hajire-Barefly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And wheteas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Lancia's Pipelines (Arquisition of Right of User in the Lana) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying or the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58/B, Migam, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Tehseel | Pargana | Village | Plet No. | Area Acquired | Re- mark |
|----------|---------|---------|---------|-------------|------------------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Bareilly | Fareed- | Firecd- | Saidpu | ır 3 | .1-4-10 | |
| • | pur | pur | Must- | 4 | 0-19-0 | |
| | • | ` | kil | 143 | 0-0-15 | |
| | | | | 160 | 3-7-0 | |
| | | | | 161 | 0-1-10 | |
| | | | | 162 | 0-3-5 | |
| | | | | 163 | 0-1-10 | |
| | | | | 164 | 0-11-0 | |
| | | | | 165 | 0-14-15 | |
| | | | | 167 | 0-9-0 | |
| | | | | 168 | 0-6-0 | |
| | | | | 1 | 0-0-10 | |

[No. O-14016/161/85-GP]

का था. 1268.—यतः केन्द्राय सरकार को यह प्रनात होता है कि लोकहिन में यह श्रावण्यक है कि उत्तर प्रवेश में हर्जाना-अनेकी जगदीणपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई आमी चाहिए।

ग्रांर यतः प्रतीत होता है कि ऐसा लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एक्ट्राबद्ध श्रनुसूचः में वर्णित भूमि मे उपयोग का ग्रधिकार श्रजित करना श्रावस्थकः है ।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का ग्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गिक्सियो का प्रयोग करते हुए केर्द्राय सरकार ने उस में उपयोग कौ श्रधिकार श्रजित करने का अपना श्राभय एतबुद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उत्तन भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे बाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा आकृतिक गैम श्रायोग बा-58/बंत ग्रलंगज, लखनऊ-226020 सू.पी. को इस अधिसूचना की सारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि स्नवाई व्यक्तिगत रूप से हो या कि विधि व्यवसाई को भार्फन ।

प्रनुसूर्चः

हाजिरा बरेर्काः जगर्दाशपुर पाइप लाइन प्राजेनट

| জিলা | सहस्।न्य | परगना | ग्राम | गाटा सं. | रक्षा | विवरण |
|-------|-------------------|-------------|---------|----------|-------------------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | | | | वी.वि. | च. |
| बरेली | फरी द गुरः | फरं₁दपुरः ' | चढ़ियाच | :नपुर | | |
| | | | एत मा | र्ला 99 | 030 | |
| | | | | 94 | 0-19- | 10 |
| | | | | 113 | 0-9-0 | |
| | | | | 112 | 0-3-0 | |
| | | | | 105 | (⊢ 1− () | |
| | | | | 104 | 0-0-1 | O |
| | | | | 100 | 0-2-5 | |
| | | | | 102 | 0-3-0 | |
| | | | | 101 | 0- 0- 5 | |
| | | | | 164 | () 10 | U |
| | | | | 161 | 3- (1- () | |
| | | | | 163 | 0-0-5 | |
| | | | | | | |

सिं. अी~14016/162/85--- जी पी]

S.O. 1268.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

1672 Gt/84-10

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas, Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajien-Bareilly-Jagdishpur Pipe Line Project

| Distt. | Tehseel | Pargana | Vill, | Plot No. | Area Acquired | Re- mark |
|----------|----------------|----------------|---|--|--|-----------------|
| 1 | 2 | | 4 | 5 | - : 6 | 7 |
| Bareilly | Fareed- pur | Farced- pur | Chaia Chatan pur Ahut- mali | 97 99 113 112 105 104 100 102 101 164 161 163 | 0-3-0 0-19-10 0-9-0 0-3-0 0-1-0 0-0-10 0-2-5 0-3-0 0-0-5 0-10-0 3-0-0 0-0-5 | |
| | | | | 162 [No. | 0-10-0 0-14016/162/ | 85— GP] |

का, आ. 1269.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हज़ीरा बरेलो— जगवं।गणर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि द्वारा विद्यार्थ जान। चाहिए !

श्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसा लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध श्रनसूच। में बणित भूमि में उपयोग का श्रिकार प्रजित करना श्रायस्यक है।

श्रतः अब पेट्रोलियम श्रीर खितज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजेन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की जुमधारा (1) द्वारा श्रदम मिलतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का श्रधिकार श्रीत्रत करने का अपना श्रामय एनद्द्वारा धोपिस किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हितबाई कोई व्यक्ति उस भूमि के तीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम धायोग बी-58/बी, धालीगंत्र, लखनऊ-2260 20, यूर्पि. को इस प्राधिसूचना की तारीख में 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

श्रौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसार्ट का मार्फत।

श्रनुसूर्चः

हाजिरा बरेला जगदोशपुर पाइप लाइन प्रोजैक्ट
जिला तहसीस परगना ग्राम गाटा सं. रक्तवा विवरण

1 2 3 4 5 6 7

वा , वि , वि
बरेल: फरीबपुर फरीबपुर बरेदा 8+ 0-2-12
85 0-4-10

[सं. ऑ-14016/163/85-जी पी]

एम, एस. श्रीनिवासन, उप सन्निव

S.O. 1269.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barcilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50) of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the snid land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, H.B.J., Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Hajira Barelly Jegdesh Pur Pipe line Project

| Distt. | Tchsecl | Pargana | Village | Plot No. | Area Acquired | Re- mark |
|----------|----------------|----------------|---------|-------------|------------------|-------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Bareilly | Fareed- pur | Fareed- pur | Barenda | 84 85 | 0-2-12 0-4-10 | |
| | | | | | | |

[No. O-14016/163/85-GP] M.S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1985

का. आ. 1 270 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवण्यक है कि गुजरात राज्यों में जी. एस. जी.-II से सी. टी. एफ. सोशासन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त जिल्लायों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आजय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उक्त. भूमि में हितबह कोई व्यक्ति, उस वृिम के तीचे पाईप लाइन बिष्यते के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखमान प्रयाग, मकर पूरा रोड, बढोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जी. जी. एस. में सोभासन सी. टी. एफ. तक पाइप लाइन विछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला व ताल्लुका: मेहसाना

| गांव | ब्लाक नं. | हेक्टेयर | आर. | सेंटीयार |
|---------------|------------------------|----------|-----|----------|
| <u>पुनासन</u> | 404/2 | 0 | 05 | · 70 |
| | 403 | 0 | 03 | 0.0 |
| | 360 | . 0 | 00 | 10 |
| | 402 | 0 | 00 | 40 |
| ٠ | 372 | 0 | 01 | 70 |
| | 373 | 0 | 04 | 40 |
| | 374 | 0 | 03 | 75 |
| | 393 | 0 | 01 | 00 |
| | 392 | 0 | 03 | 50 |
| | कार्टद ्रैक | 0 | 00 | 50 |
| | 391 | 0 | 02 | 60 |
| | 390 | 0 | 04 | 30 |
| | 432 | 0 | 02 | 10 |
| | 433 | 0 | 01 | 75 |
| | 434 | . 0 | 02 | 75 |
| | 90 | 0 | 0 1 | 50 |
| | 4 | 0 | 02 | 60 |
| | 3 | 0 | 02 | 25 |
| | काटेट्रैक | 0 | 00 | 15 |
| | 68 | 0 | 05 | 50 |
| | 87 | 0 | 01 | 10 |
| | 73 | 0 | 00 | 15 |
| | 74 | 0 | 02 | υψ |
| | कार्टट्रैक | 0 | 0.0 | 50 |
| | 86 | 0 | 06 | 0.0 |
| | 80 | 0 | 0 1 | 0.0 |
| | 82 | ō | 04 | 50 |
| | 81 | 0 | 01 | 50 |
| | कार्टद्रैक | O | 0.0 | 25 |

नि. ओ-12016/31/85-ओं एन जी-डी-4] पी. के. राजगोपालन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th March, 1985

S.O. 1270.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from G.G.S.-HI to C.T.F. Sobhasan in Gujarat State Pipeline should be faid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

| Now, therefor | ore, in exercise of | the powers | conferr | ed by | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------------|---|---------------|---------------------|------------------|---|------------------|------------|----------|----------|
| Minerals Pipel | of the Section ines (Acquisition | of Right of | · | 393 | 0 | O1 | 00 | | |
| Land) Act, 19 | 962 (50 of 1962). | , the Centra | | 392 | 0 | 03 | 50 | | |
| hereby declare: | s its intention to | acquire the | right o | f user | | Cart track | ō | 00 | 50 |
| therein ; | | | | | | 391 | 0 | 02 | 60 |
| Provided tha | t any person inter- | ested in the | said lane | d may, | | 390 | õ | 04 | 30 |
| within 21 day | s from the date | of this notif | ication, | object | | 432 | ŏ | 02 | 10 |
| Authority. Oil | f the pipeline under and Natural Gas (| Commission | Construc | tion & | | 433 | a | 01 | 75 |
| Maintenance D | ivision, Makarpura | Road. Vade | dara-390 | 0009. | | 434 | 0 | 02 | 75 |
| | person making suc | | | | | 90 | 0 | 01 | 50 |
| state specificall | y whether he wis | hes to be be | ion sna. eard in | neteon H also | | 4 2 | Ü | 02 | 60 25 |
| or by legal pra- | ctitioner, | non to be me | ara III | person . | | Chet tradit | 0 | 02 | |
| | SCHEDUL | E | | | , | Cart track 68 | 0 | 00 | 15 |
| Pineline from | GGS II to C.T.F. | | | | | 87 | . 0 | 05 01 | 50 10 |
| State : Gujarat | | istrict & Ta | huka • 1M | aheana | | 73 | ŏ | 00 | 15 |
| | | | | | | 74 | 0 | 02 | ōŏ |
| Village | Block No. | Hectare | Arc Co | entiare | | Cart track | 0 | 00 | 50 |
| PUNASAN | 404/2 | 0 | 0.5 | 70 | | 86 | 0 | 06 | 00 |
| | 403 | 0 | 03 | 00 | | 80 | 0 | 01 | 00 |
| | 360 | Õ | 00 | 10 | | 82 81 | ŭ | 04 | 50 |
| | 402 | ŏ | 00 | 40 | | Cart track | ň | 01 00 | 50 25 |
| | 372 | ŏ | 01 | 70 | | | | | |
| | 373 | ő | 04 | 40 | | [No. | O-12016/31 | 1/85-ONG | 3-D4] |
| | 374 | 0 | 03 | 75 | | P.K. RAJAG | OPALAN, | Desk Of | fficer, |

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विमाग) ारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1985

का. ग्रा. 1271 :---समय-समय पर संगोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिल्ल) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के प्रनुसार अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या-1184041, जिसके क्यौरे नीचे दिये गये हैं, दिनांक 1984-10-11 से रह कर दिया गया है।

ग्रन्थकी

| | | મપુત્ર | | |
|--------------|------------------------------|--|---|---|
| ऋम संख्या | लाइसेंस की संख्या और दिनां ह | लाइसेंसधारी का नाम श्रीर पता | रह लाइसेंस के प्रधीन वस्तु प्रक्रिया | सम्बद्ध भारतीय मानक |
| . 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | ল-1184041 1983-05-16 | मैं सर्ज श्रीरंग वीड़ी लिमि ., गांव दुवे हे, जिला में डेक | बीड़ियां | IS: 19251974 बीडियों की विशिष्टि (इसरा पुतरीक्षण) |
| | | | | |

[संख्या सी एम की 55: 1184041] ए. एस. चीमा, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES
(Department of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 4th March, 1985

S.O.1271;—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. 1184041 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1984-10-11.

| | | | SCHEDULE | |
|-------------------|--------------------|--|--|---|
| Sl. Lice No. | ence No. & Date | Name and Address of the licensee | Article/Process covered by the licence cancelled | Relevant Indian Standards |
| 1 | | 3 | 4 | 5 |
| 1. L-118 1983- | 34041 -05-16 | M/s. Shrirang Bidi Ltd., Dubbak Village, Medak Dt. | Bidia | 18: 1925—1974: Specification for Bidis (Second Revision). |
| - | | · | | [CMD/55:1184041] |

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1985

का. आ. 1272 ----यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के उपबंध के अनुसरण में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय परिषद् ने प्रोफेसर जे. एन. भादुड़ी को 30 जनवरी, 1984 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा-3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम-1 में निम्नलिखित और संगोधन करती है, अर्थात्:——

उक्त अधिनियम में "धारा-3 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत कम संख्या 63 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियां रखी जाएं।

"64. प्रोफेसर जे. एन. भादुड़ी प्रिसिपल नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज, डाकखाना, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल।"

[संख्या वी. 11013/11/84-एम. ई. (पी.)]

चन्द्र भाम, अवर सधिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Departent of Health)

New Delhi, the 5th March, 1985

S.O. 1272.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Professor J.N. Bhaduri has been elected by the North Bengal University Council to be a member of the Medical Council of India with effect from the 30th January, 1984;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13|59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", after serial number 63 and the entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

"64. Professor J. N. Bhaduri, Principal North Bengal Medical College, Post Office North Bengal University, Darjeeling, West Bengal."

[No. V. 11013]11[84-ME(P)] CHANDER BHAN, Under Secy.

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1985

णुद्धि पक्ष

का.आ.1273:—भारत के राजपत्न, भाग-दो, खण्ड-तीन (ii), दिनांक 22 सितम्बर, 1984 के पृष्ठ 2876-2979 पर प्रकाशित भारत सरकार, ऊर्जा मंत्रालय (विद्युत विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 3106, दिनांक 15 सितम्बर, 1984 में पृष्ठ 2876-2879 में मुद्रण संबंधी निम्नलिखित गसतियां हैं:—

- (क) हिन्दी पाठ
- (1) मद (i) पहली लाइन, अल्प विराम का चिह्न "ii" के बाद होना चाहिए, इसके पहले नहीं
- (2) मंत्रालयों की सूची में मद 3 एक मुख्य शीर्ष होगा तथा उनत सूची में मूद्र 2 का उपशीर्ष (3) नहीं होगा।

[फा. सं. 25/4/81 डी-आई/एसईबी (भाग)/सीओपी] जे.सी. गुप्ता, संयुक्त सचिव पी.सी.

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER

(Department of Power)

New Delhi, the 6th March, 1985

CORRIGENDUM

S.O. 1273.—In the Notification of the Government of India, Ministry of Energy (Department of Power) No. S.O. 3106 dated the 15th September, 1984 published at pages 2876-2879 of the Gazette of India, Part II, Section 3(ii) dated the 22nd September, 1984 at pages 2876-2879, following are the printing mistakes:—

English Version

- (i) the word 'notification' in line 2 of item (4) shall read as 'notification'.
- (ii) the first word of 4th line in the list of Union Territories shall read 'Lakshadweep' and not 'Lakshadeep'.
- (iii) the word 'Nagrik' appearing in line 2 of sub item(ii) of item 11 in the list of Ministries shall be deleted.
- (iv) the word 'Secretalriat' appearing in item 34 shall read as 'Secretariat'.

[F. No. 25/4/81-D,I|SEB(Part)COP]J. C. GUPTA, Jt. Secy. (PC)

सूचता और प्रसारण मंद्यालय नई दिल्ली, 1 मार्च, 1985

ग्रादेश

का. था. 1274--फिल्म सलाहकार बोर्ड के कार्यालय से संबंधित विनियमों के नियम 14(ख) के उपबन्धों में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा इसके साथ लगी श्रनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को, उनके सभी भाषात्रों के रूपान्तरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उनत श्रनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :--

श्रनुसूची

| क्रम संख्य | Т | फिल्म का नाम | फिल्म की लम्बाई (मीटरों में) | स्रविद्यक्त का नाम | निर्माताकानाम | नया वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार भौर सामयिक घटनाम्रों की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है। |
|---------------|---------------------|--------------|------------------------------------|--|---------------|---|
| 1 | | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | न्यूज में संख्या | | 361 | फिल्म प्रशाम, नारत सरकार, 24, पैंडर रोड, बम्बई-400026 | | समाचार भ्रौर सामयिक घट- नाश्रों की फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |
| 2. | 1) | 33 | 582 | 77 | | 71 |
| 3. | 17 | 34 | 365 |)1 | | n |
| 4. | " | 35 | 363 | . ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | | m |
| 5. | 7.1 | 36 | 285 | , | | •11 |
| 6. | " | 37 | 304 | , ,,, | | *7 |
| 7. | ,, | 31 | 226 | " | | D |
| 8. | 11 | 39 | 288 | 11 | | " |
| 9. | ,,, | 40 | 283 | 11 | | n |
| 10. | 11 | 41 | 292 | " | | . ,,, |
| 11. | " | 42 | 471 | " | | " |
| 12. | 11 | 43 | 517 | 'n | | • 7 |
| 13. | न्यूज मैं | गजीन | | | | |
| , | संखपा | | 549 | , | | n |
| 14. | ** | | 354 | | | 11 |
| 15. | | 46 | 354 | . 27 | | 11 |
| 16. | | 47 | 577 | 11 | | n |
| 17. | ,, | 48 | 359 | 11 | | ,,, |
| 18. | " | 49 | 456 | ** | | " |

[फाइल संख्या 315/2/84-एफ (पी)] सुकुमार मंडल, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 1st March, 1985

ORDER

S.O. 1274:—In exercise of the powers vested under the provisions of Rule 14(b) of the Regulations relating to the working of the Film Advisory Board, the Central Government hereby approves films specified in column 2 of the schedule annexed hereto in all its/their languages versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

| S. No | Title of the film | | of fil | ngth the lm netres) | Name of the applicant | Name of the Producer | Brief synopsis, whether a scientific film or for educational purposes or a film dealing with news, current events, and documentary film. | |
|----------|-----------------------|---|-----------|------------------------------|--|----------------------------|--|--|
| 1 | 2 | | | 3 | 4 | 5 | 6 | |
| 1. | News Magazine No. 32 | • | | 361 | Films Division, Government of of India 24-Peddar Road, Bombay-400 026. | •• | News and current events General release | |
| 2. | News Magazine No. 33 | | | 582 | -do- | | -do- | |
| 3. | News Magazine No. 34 | | | 365 | -do- | | -do- | |
| | News Magazine No. 35 | | | 363 | -do- | | -do- | |
| 5. | News Magazine No. 36 | | | 285 | -do- | | -do- | |
| 6. | News Magazine No. 37 | | • | 304 | -da- | | -do- | |
| 7. | News Magazine No. 38 | | | 226 | -do- | | -do- | |
| ,8. | News Magazine No. 39. | | | 288 | -do- | | - do- | |
| 9. | News Magazine No. 40 | | | 283 | -do- | | -do- | |
| 10. | News Magazine No. 41 | | | 292 | -do- | | -do- | |
| 11. | News Magazine No. 42 | • | | 471 | -do- | | -do- | |
| 12. | News Magazine No. 43 | | | 517 | -do- | | -do- | |
| 13. | News Magazine No. 44 | | | 549 | -do- | | -do- | |
| 14. | News Magazine No. 45 | | , | 354 | -do- | | -do- | |
| 15. | News Magazine No. 46 | | | 354 | -do- | | -do- | |
| 16. | News Magazine No. 47 | | | 577 | •do- | | -do- | |
| 17. | News Magazine No. 48 | | | 359 | -đo- | | -do- | |
| 18. | News Magazine No. 49 | | | 456 | -do- | | -do- | |

[File No. 315/2/84-F] SUKUMAR MANDAL, Desk Officer

रेल मंत्रालय .(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1985

का श्रा. 1275.—भारतीय रेल श्रधिनियम, 1890 (1890 का श्रधिनियम ^{IX}) की धारा 82 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 23-2-85 को ६.पू. रेलवे कर्म पर मुकरा तथा जतकानहेर स्टेशनों

के बीच 327 प्रप सवारी गाड़ी के धाग की दुर्घटना के परिणामस्वरूप सभी दावों का निपटारा करने के लिए जिला एवं सत न्यायाधीण, दुर्ग, मध्य प्रदेश श्री डी.पी. पाण्डेय को तदर्थ दावा श्रायुक्त के रूप में एतत्यारा नियुक्त करती है। उनका मुख्यालय दुर्ग में होगा।

[सं. 85/ई(भ्रो) II/1/2] ए.एन. वांचू, सिचव, रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सिचव।

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 11th March, 1985

S.O. 1275.—In exercise of the powers conferred by section 82B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890), the Central Government hereby appoints Shri D. P. Pandey, District and Session Judge, Durg, Madbya Pradesh as Adhoc Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of the fire accident of 327 Up Passanegr Train between Musra and Jatkanhar stations on S.E. Railway on 23-2-85. His headquarters will be Durg.

[No. 85/E(O) II/1/2]

A. N. WANCHOO, Secy.
Railway Board and ex-officio Jt. Secy.
to the Government of India

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1985

का आ. 1276.—कर्मचारी राज्य बीमा श्रिधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 16 मार्च, 1985 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उका श्रिधिनियम के श्रध्याय 4 (धारा 44 श्रीर 45 के सिवाय जो पहले ही प्रमृत्त की जा चुकी है (श्रीर श्रध्याय 5 श्रुषेर 6 (धारा 76 का उप-धारा (1) श्रीर धारा 77, 78, 79 श्रीर 81 के सिवाय जो पहले ही प्रमृत्त की जा चुकी है। श्रेष्ठ को जा चुकी है। श्रेष्ठ को जा चुकी है। के उपबंध तिमल नाडु राज्य के निम्लेखित क्षेत्र में प्रमृत्त होंगे, श्रथीत् :—

"जिला रामताथपुरम, ताल्लुस सत्तूर में सत्तूर नगरणालिका सीमाएं घोर अम्मापट्टी, चत्तरापट्टी, चीना गोलापट्टी (सिन्ता कोलापट्टी), चिन्तापल्ली (सिदापल्ली), कत्तलामपुरपट्टी, मंत्तामलाई, मेट्टूपट्टी (श्राटैयल) ई. मृत्तुलुंगापुरम, धोटैयल, पडाण्डल घोर पेरिया कोलापट्टी के राजस्व ग्रामों के प्रन्तर्गत श्राने वाले केता।"

[संख्या एस-38013/3/85-एस.एस.-I]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 14th March, 1985

S.O. 1276.—In exercise of the powers conferred by subsection (3), of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th March, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu, namely:—

"The areas comprised within Sattur Municipal limits and the Revenue villages of Ammapatti, Chattra ppati, China Gollappati (Sinna Kollapatty), Chintappalli (Sindapalli), Kattalampatti, Mettamalai, Mettuppatti (Ottaiyal), E. Muttulungapuram, Ottaiyal, Padandal and Periakolapatty in Sattur Taluk, Ramanathapuram District."

[No. S-38013/3/85-SS-1]

का.ग्रा. 1277.—कर्म खारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की घारा 1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदक्ष याक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्बारा 16 मार्च 1985 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त प्रधिनियन के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के नियत जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उप-धारा (1) ग्रीर धारा 77, 78, 79 भीर 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी ही प्रवृत्त की जा चुकी है। के उपबंध राजस्थान राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

"सिरोही जिले के निम्नि खित क्षेव:--

- 1. आबू रोड नगरपालिका सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र,
- 2. श्रांचोगिक क्षेत्र श्राबू रोड के निम्नीलिखत राजस्व ग्राम:--
 - (1) चन्द्रावती
 - (2) सान्तपुर
 - (3) कारोली
 - (4) **दानय**≀व''

[संख्या एस-38013/4/85-एस.एस.-🎵

S.O. 1277.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th March, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Rajasthan, namely:—

"The areas within the :---

- 1. Municipal limits of Abu Road,
- 2. Industrial Area Abu Road comprising of the following revenue villages:—
 - (i) Chandrawati,
- (ii) Santpur,
- (iii) Karoli
- (iv) Danwav

in Sirohi District."

[No. S-38013/4/85 SS-I]

का. श्रा. 1278.— कर्मचारी राज्य बीमा प्राधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रमस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्दारा 16 मार्च 1985 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उकर शिधिनाम के अध्याय 4 (धारा 44 श्रीर 45 के सिवाय जो पहले ही प्रकृत की जा खुका है (श्रीर श्रध्याय 5 शोर 6) धारा 76 की उप-धारा (1) श्रीर धारा 77, 78, 79 श्रीर 81 के सिवाय जो पहले

ही प्रवृत्तं की जा चुकी है) के उपबंध राजस्थान राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, स्थीत्:——

"श्रीगंगानगर जिले के निम्नलिखित क्षेत्र:---

- हनुमानगढ़ नगर पालिशा सीमाभ्यों के अन्तर्गत आने बाले क्षेत्र।
- 2. हनुमानगढ़ जंकशन के क्षेत्र, चक्र 50 एन.जी.सी., 51 एन.जी.सी., चक्र 3 एनडब्ल्यू एन., चक्र 1 के.एन.जे., पंचायत क्षेत्र खुंजा भौद्योगिक क्षेत्र, चक्र 45 एन.जी.सी. ग्राम पंचायत सतीपुरा जिसकी सीमाएं निम्न-लिखित हैं:---

उत्तर में : ग्राम रोड़ावली, जोड किया

दक्षिण में हनुमानगढ़ टाउन

पूर्व में : ग्राम ल्यान

पश्चिम में : ग्राम मक्कासर

3. हनुमानगढ़ टाउन के क्षेत्र,

वक 15 एव.एम.एच., चक 17 एच.एम.एच. जिसको सामाएं निम्नालखित हैं:--

उत्तर मे : हनुमानगढ़ जनगन, ज्वालासिह पुरा।

दांक्षण में : ग्राम कॉल्हा।

पूर्व म : प्राम अमरपुरा थेड़ी।

पारचम में ग्राम नावावली थेड़ी।"

[संख्या एस-38013/5/85/एस.एस.-I]

S.O. 12/8.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Contrat Government hereby appoints the 16th March, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into rorce) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 71, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Rajasthan, namely:—

"The areas within the:

- 1. Municipal limits of Hanumangarh and
- Areas of Hanumangarh Junction comprised by Chak 50 NGC, 51 NGC, Chak 3 NWN, Chak 1 KNJ. Panchayat Kshetra Khunja Industrial Area, Chak 45 NGC, Gram Panchayat Satipura and bounded by following:—

North: Village Rodawali, Jodkiya

South: Hanumangarh town

East: Village Nawan

West: Village Makkasar

 The areas comprised of Hanumangarh Town Chak 15 HMH, Chak 17 HMH and bounded by following:—

North: Hanumargarh Junction,

Jawalasinghpura

South: Village Kolha

East: Village Amarpura Thedi West: Village Nathawali Thedi

in Sriganganagar District."

[No. S-38013|5|85-S.S.-I]

का. शा. 1279.— कर्म चारी राज्य बीमा प्रिधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप-धारा (3) द्व.रा प्रवत्त गांक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 16 मार्च, 1985 का उस तारीख के रूप में नियंत करती है, जिसका उक्त अधांन्यम के प्रध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) भौर प्रध्याय 5 भौर 6 (धारा 76 की उपधारा (1) भौर धारा 77, 78, 79 भौर 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध तिमलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अथित्ः—

"जिला मदुराई, तालुक मेरियाकुलम में धेनी (थेनी-अल्लोनागरम), बीरापाण्डी कत्तूर, सिलियामपट्टी, उन्जामपट्टी, कुष्पामपट्टी, ताल्पुकुण्डू, ताडिवेरी कुन्नूर, पुमालाक्कुण्डू, गावन्दानगरम्, जंगालपट्टी, अण्डीपट्टी और जाक्कमपट्टी के राजस्य ग्रामों के अन्तर्गत ग्राने वाले केंद्र।"

[संख्या एस.-38013/2/85-एस. एस.-1]

S.O. 1279.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employees' State insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th March, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into froce) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been broght into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu, namely:—

"The area comprised within the Revenue villages of Theni (Theni-Allinagaram) Virapandi Kattur, Silayampatti Unjampatti, Kuppampatti, Tappukundu, Tadicheri Kunnur, Pumalakkundu, Govindanagaram, Jangalpatti, Andipatti and Jakkampatti in Periyakulam Taluk, Madurai Districi."

[No. S-38013/2/85-SS-I]

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1985

शुद्धि पत्न

का. आ. 1280 — भारत के राजपन , भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में तारीच 19 नवम्बर, 1983 को प्रकाशित भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) की श्रिधिसूचना संख्या का. आ. 4238, तारीख 5 नवम्बर, 1983 में पंकित 2 में "भक्काधास" के लिए "मक्काधान" पढ़ा जाय।

[एस. 35019/322/83- पी. एफ. II] ए. के. भट्टाराई, अवर सचिव

New Delhi, the 15th March, 1985 CORRIGENDUM

S.O. 1280.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour), No. S.O. 4238, dated the 5th November, 1983, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 19th November, 1983, in line 3 for "Mukkadas" read "Mukkadan".

[No. S-35019(322)/83-PF.II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1985

का. था. 1281:— केन्द्रीय सरकार ने सह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था श्रीबोधिक विवाद श्रीधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ह) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम श्रीर पुनर्वास मंत्रालय श्रम विभाग को श्रीध्मूचना संख्या का. श्रा. 3131 दिनांक 12 सितम्बर, 1984 द्वारा सीमा उद्योग को उक्त श्रीधिन्यम के प्रयोजनी के लिए 24 सितम्बर, 1984 से छः भाम की कालाविध के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

भ्रौर केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालार्वाध को छ: मास की ध्रौर कालार्वाध के लिए बढ़ाया जाना भ्रपेक्षित है;

अतः, अब, भौद्योगिक विवाध श्रांधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ह) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त श्रीधिनयम के प्रयोजनों के लिए 24 मार्च, 1985 से छः मास की और कालाबधि के लिए कोक अपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. संख्या एस. -11017/4/81-डो-1(ए) (ii)]

New Delhi, the 14th March, 1985

S.O. 1281.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour S.O. No. 3131 dated the 12th September, 1984 the Lead Mining Industry to be a public utility service for a period of six months, from the 24th September, 1984;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest require the extension of the said period by a further period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declared the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 24th March, 1985.

[No. S-11017/4/81-D.I(A)(ii)]

का. श्रा. 1282.—केन्द्रीय मरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रपेक्षित था श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्टित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (इ) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के श्रनुसरण में भारत मरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय श्रम विभाग की श्रिष्टिमुचना संख्या 3130 दिनांक 12 सितम्बर, 1984 द्वारा जिंक उद्योग को उक्त श्रिष्टियम के प्रयोजनों के लिए 19 सितम्बर, 1985 में छः भाम की कालाविध के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

श्रीर केन्द्रीय सरकार की राय है कि लागहित में उक्त कालावधि को छः मास की श्रीर कालावधि के लिए बढ़ाया जाना श्रपेक्षित है,

ग्रतः, श्रव, श्रौद्यौगिक विवाद श्रीधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (इ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त श्रीधिनियम के प्रयोगनों के लिए 19 मार्च, 1985 से छः मास की श्रौर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. संख्या एस.-11017/4/81डी-1(ए) (i)] श. ह. सु. घ्ययर, अवर सचिव

S.O. 1282.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour S.O. No. 3130 dated the 12th September, 1984, the Zinc Mining Industry to be a public utility service for a period of six months, from the 19th September, 1985;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 19th March, 1985.

[No. S-11017/4/81-D,1(A)(i)] S. H. S. IYER, Under Secy.

नई विल्ली, 16 मार्च, 1985

का.श्रा. 1283 — औद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय मरकार, डिविजनल श्राफिस नार्दन रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रधिकरण, कानपुर के पंचाट को श्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 मार्च, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th March, 1985

S.O 1283.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Divisional Office, Northern Railway, Hazratganj, Lucknow, and their workmen which was received by the Central Government on the 2nd March, 1985.

BÉFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFI-CER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBU-NAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

I.D. No. 191/1983

In the Dispute between.

S. K. Misra-Workmen.

V/s.

Northern Railway Administration of Lucknow Division— Employer.

AWARD

The Central Govt, vide its order No. L-41012(14)|82-D. II(B) dated 17-5-83 referred the following dispute for adjudication:—

"Whether the action of the management in relation to their Divisional Office Northern Railway, Hazratganj, Lucknow in not stepping up the pay of Shri S. K. Mishra to the level of pay of Shri Daya Shankar, who is junior to Shri Misra is justified? If not, to what relief is Shri Misra entitled?"

The case of the workman is that he was a Senior Clerk in trains Section of the D. R. M. office, Northern Railway Lucknow. He was erroneously made junior to one Shri Daya Shankar of the same office which mistake was rectified on demand by the Union, but despite no arrears were paid. On raising the Industrial Dispute the Railway administration admitted that an administration error has taken place which was set right but refused to made a proforma fixation of Pavequal to that of Shri S. K. Misra on the basis of next below Rule. The Railway Administration appeared at the initial stage and requested for better particulars.

The workman submitted better particulars required by affidavit by 6-2-85 whereby he stated that Shri Daya Shanker was promoted as Senior Clerk w. e. f. 12-10-59.

Despite sending several notices the management did not appear to contest. But none appear for the management.

Workman filed affidavit statement in proof of his case alongwith annexure I and II. The annexure I is specifically mentions as follows:—

"The representatives have represented against incorrect assignment of seniority to Shri Daya Shanker Srivastava, Clerk Train Branch and after careful consideration of the case, it has been observed that the seniority of Shri Daya Shankar Srivastava was incorrectly fixed which has now been changed. He is now assigned seniority at item No. 42A. i. e. below to Shri C. K. Pandey and above Shri G. D.Misra in the seniority list issued vide this office letter of even No. dated 13-8-75. Necessary correction at your end may be made and the staff concerned may be advised accordingly."

At the time of argument the workman representative submitted Seniority list which shows that workman whose name appeared at SL. No. 37|38 and who was senior to Shri C. K. Pandey whose name appeared at SINo. 41|42 were both senior to Dava Shanker who was ordered to be placed below Shri C. K. Pandey at SI. No. 42 and above Shri G. D. Misra. Thus Shri S. K. Misra could not have drawn pay legser than Shri Daya Shankar who was made junior to him. This seniorty list was prepared in view of the Senior Divisional Personnel Officer order quoted above. According to the seniority list Shri S. K. Misra was appointed on 8-6-48 as Clerk in DRM Office Northern Railway. Eucknew in the train section and was confirmed on 2-6-54, whereas Shri Daya Shankar was appointed in grade 80—120 on 12-10-59 which later revised to Rs. 130-3001- and the workman Shri S. K. Misra was given this revised scale Rs. 130—300 as on 1-10-71, On representation it was ordered that he should be promoted in the scale from the date Shri Daya Shanker got promotion i. e. 12-10-59.

In view of the documents filed exparts by the workman and it appears that the pay of workman Shri S. K. Misra should be brought to the level of Shri Daya Shankar who is junior to workman w.e.f. 12-10-59. I, therefore, give my AWARD accordingly. The workman will be entitled to get all the benefits of pay and scale from 12-10-59 as was made available to Shri Daya Shankar.

Let the 6 copies of the Award be sent for publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-41012(13)[82-D. II(B)]
HARI SINGH, Desk Officer